जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 18 अक्टूबर, 2025

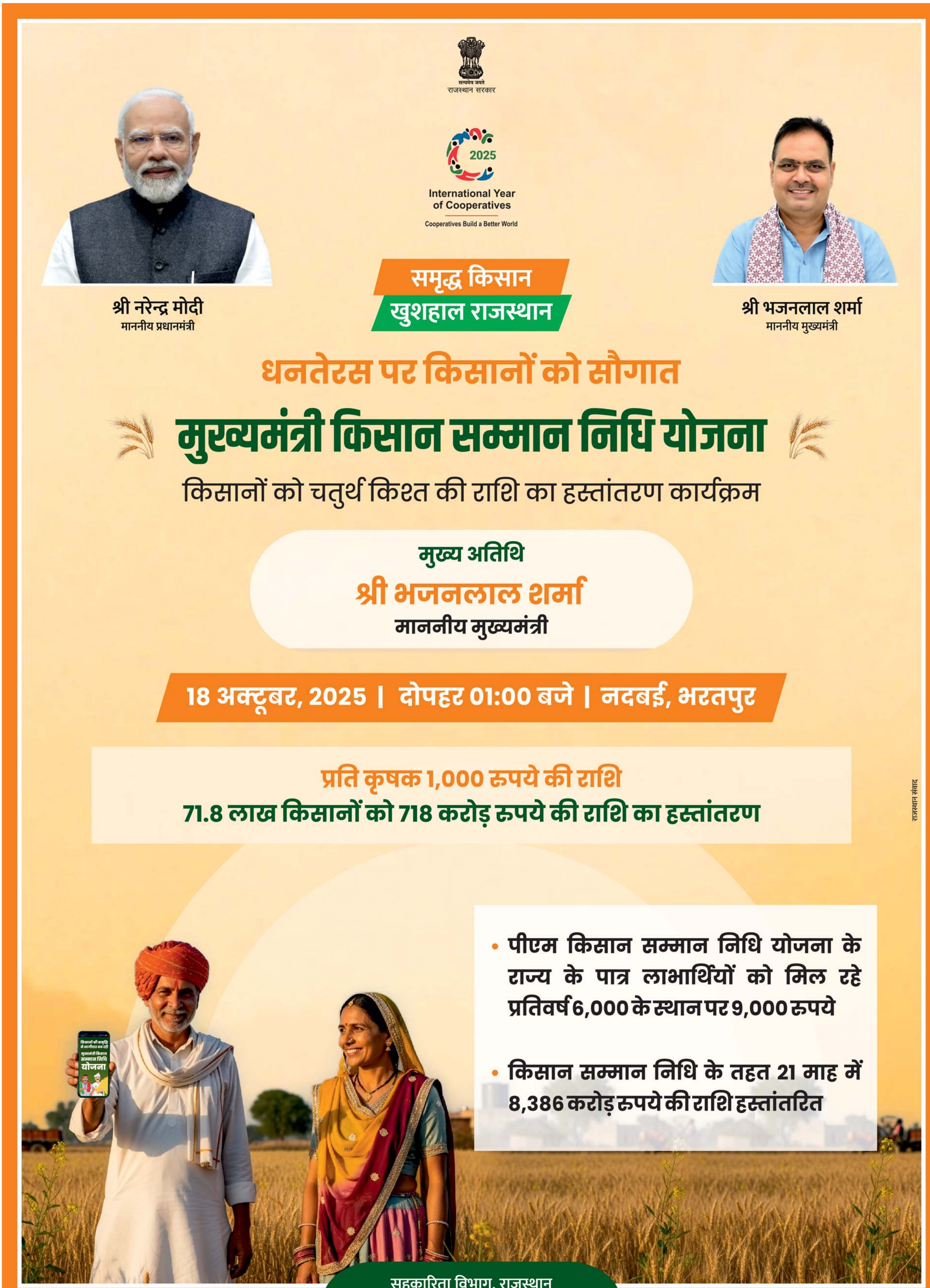

## विचार बिन्दु

अभिलाषा सब दुःखों का मूल है। –बुद्ध

# भरी अदालत में भारत के मुख्य न्यायाधीश पर धर्म का हवाला देकर जूता फेंकना, लाइलाज नफरती बीमारी का चरम प्रदर्शन है।

एक सिरफिरे वकील ने सभी मर्यादाओं का उल्लंघन कर खुली अदालत में, भारत के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेक कर अपनी घृणा आधारित निकृष्ट सोच का भौंडा प्रदर्शन किया। सही सोच रखने वाले सभी भारतीयों ने इसकी व्यापक रूप से भर्त्सना की है। कुछ लोगों में सीजेआई द्वारा विष्णु की खंडित मूर्ति वाली याचिका में की गई मौखिक टिप्पणी से असहमति व्यक्त की है किंतु उन्होंने भी व बहुत से गणमान्य लोगों में इस घटना की तत्काल या कुछ देर से भर्त्सना जरूर की है। हां, कुछ उलूल-जुलूल बोलने वाले बड़बोले नेताओं व स्वघोषित धर्माधीशों की जबान पर जरूर ताला लगा रहा।

इस प्रकार की नफरती बीमारी तो इस घटना के काफी पहले शुरू हो गई थी। इसके शुरुआती लक्षणों के रूप में, लोगों के समूहों द्वारा धार्मिक आधारों पर, छोटी-मोटी बातों पर आस्था पर चोट के बहानों, महज शक के आधार पर कमजोर वर्गों के लोगों को किसी अपराध का संदिग्ध मानकर उनको पकड़ना, पीटना, मारना शुरू किया हुआ था। यह संकेत थे कि देश में एक गटर विचारधारा सीवर लाइन में बह रही है। कुछ गुंडा टाइप लोगों द्वारा, अनेक नामों वाले समूह बनाकर, समय-समय पर, मनमर्जी से या आकाओं का आदेश मिलने पर सीवर का ढक्कन तोड़ कर बदबू लगातार, समाज में फैलाई जा रही थी।

लेकिन बड़ा प्रश्न तो यह है कि आखिर इस प्रकार की नफरती सोच, बिना डर-भय के गांव-मोहल्लों से बाहर निकल सुप्रीम कोर्ट की खुली अदालत तक कैसे पहुंची?

क्या समाज इस भयंकर बीमारी से व्यापक स्तर पर ग्रसित हो चुका है? क्या इसका इलाज संभव नहीं रहा या शासन कमजोर है या जानबूझ कर शासक वर्ग शुतुरमुर्ग बने बैठा है? क्या सरकार से भिन्न कोई शक्ति इस प्रकार की घटनाओं पर त्वरित सख्ती से कार्यवाही करने वाले हाथों को पीछे खींचती है? क्या शासक वर्गों को ऐसी घटनाओं की पुनरावृति होते रहने में अपना हित लगने लग जाता है?

भीड़ द्वारा कानून हाथ में लेकर, महज संदेह के आधार पर, संदिग्ध अपराधियों, गौ तस्करी में लगे लोगों, अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों पर, कमजोर समुदायों के लोगों को अत्यंत खरनाक ढंग से पीटा जाता है जिसमें जान जाने की पूर्ण संभावना होती है। ऐसे हमले सामुहिक रूप से मॉब लींचिंग की श्रेणी में रखे जाते है। कुछ ऐसे भी मामले सामने आए है जिनमें पुलिस पीड़ितों पर ही केस दर्ज कर देती है। कई बार इस प्रकार की घटनाओं के होने में और इनकी तफ्तीश में सांप्रदायिक भेदभाव दिखलाई देने लगता है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (मुस्लिम, दलित, आदिवासी) इन घटनाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित है।

कुछ सामान्य अफवाहें जिनसे इन प्रकार की घटनाएं होती है या जानबूझ कर की जाती है, वे हैं:– यथा अमुक व्यक्ति ने गौमांस खाया, अमुक-अमुक लोगों में गाय को मारकर उसकी हड्डियां अथवा मांस मंदिर में फेंक दिया और मांस खाया, इन-इन व्यक्तियों ने किसी धर्म विशेष की लड़कियों को छेड़ दिया या कोई छोटी-मोटी बात को धार्मिक आस्था पर चोट से जोड़ देना, किसी के संबंध में लव जिहाद में लिप्त होने की आशंका व्यक्त कर देना, किसी महिला के डायन होने की अफवाह फैलाना, किसी पर बच्चा चोरी का सच्चा या झूठा आरोप लगाकर व अन्य इसी प्रकार की सैकड़ों अफवाहें फैला कर भीड़ को उन्मादी बनाया जा सकता है।

कुछ उदाहरणों से बात कुछ ज्यादा आसानी से समझ आएगी। 2015 में मोहम्मद अख्लाक को घर में बीफ रखने के शक में भीड़ ने पीट-पीट कर मार डाला। उन्नाव व हाथरस की घटनाएं गरीब तबके की महिलाओं के विरुद्ध जघन्य अपराधों की तरफ असंदिग्ध रूप से संकेत थे किंतु की गई कार्यवाही, कानून के राज की अवधारणा के प्रति वि पैदा करने वाली नहीं दिखी। रोहित वेमुला की हत्या ने देश में संस्थाओं तक में दलितों, अल्पसंख्यकों और गरीबों पर बढ़ते अपराधों की ओर असंदिग्ध रूप से इशारा था। यह अत्यंत लज्जाजनक है कि हेट क्राइम के लगभग 50% से अधिक पीड़ित मुस्लिम होते है और 50% आदिवासी,दलित और हिंदू होते है।

> **एक ओर गंभीर प्रश्न सामने आया है --- यह जो मोबलिंचिंग की घटना करने वाले समूह होते है इन की कोई भी बड़ा संगठन, जिसके नाम का उपयोग कर यह लोग इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम देते है, उसकी जिम्मेदारी नहीं लेते? बड़े संगठनों के पदाधिकारियों से कोई पूछे तो सीधा, त्वरित उतर होता है कि अमुक लोग उनके संगठन के सदस्य नहीं है?**

अभी हाल ही में रायबरेली में एक दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। यद्यपि इस मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 6 पुलिसकर्मियों को भी निलंबित कर दिया गया । अगस्त 2025 में ही बरेली में एक नाबालिग बच्चे की पीट-पीट कर हत्या कर दी, महज चोरी के शक में।

कुछ पीछे जाएं तो, 2015 में दादरी यूपी में घर में बीफ रखने के संदेह पर मोहम्मद अख्लाक की हत्या हुई जिसमें 11 व्यक्तियों को दोषी करार दिया गया है। 2017 में अलवर में पहलू खान व 2018 में रकबर खान और साथियों पर गो तस्करी शक में हमला किया, पहलूखान को मार दिया, रकबर खान भी मर गया। गिरफ्तारियां जरूर हुई। झारखंड में बच्चा कोरी के आरोप में असगर अंसारी की हत्या हुई। हापुड़ में चोरी के शक में 2018 में ही कासिम कुरैशी की हत्या करदी गई। 2019 में तबरेज अंसारी की मौत: चोरी शक में बेरहमी से पीटा; जय श्री राम बोलने को मजबूर किया। गनीमत थी कि वह बच गया। 2020 में महाराष्ट्र के पालघर में चोर समझ कर तीन साधुओं की हत्या हुई। पुलिस में लगभग 100 लोगों को आरोपी बनाया है। 2023 में नासिक के मंदिर में केला, प्रसाद चुराने के शक में इशाक की हत्या। अगस्त 2025 में ही बरेली में एक नाबालिग बच्चे की पीट-पीट कर हत्या कर दी, महज चोरी के शक में।

कई बार ऐसा लगने लगता है कि देश में नफरत, हिंसा और भीड़ तंत्र को कहीं से कुछ संरक्षण सा मिला हुआ है। यद्यपि सरकारे इन सभी घटनाओं की त्वरित अथवा कुछ देर से निंदा करती है और दोषियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन दिया जाता है किंतु यह भी स्पष्ट होता जा रहा है कि सरकारें मॉब लिंचिंग की घटनाओं पर अंकुश लगाने में सफल भी नहीं हो रही है।

भारत में इस प्रकार की घटनाएं बढ़ रही है। व्हाट्सएप या सोशल मीडिया से अफवाहें शीघ्रता से फैलती भी हैं और इरादान फैलाई भी जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने मॉब लिंचिंग के संबंध में स्पष्ट राय दी है कि कोई भी व्यक्ति या समूह कानून को अपने हाथ में नहीं ले सकता। इस प्रकार की घटनाएं लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। सरकार को सख्ती बढ़ानी चाहिए।

पुराने अपराधिक कानून इंडियन पीनल कोड में हत्या का आरोप परिभाषित है और उसके अनुसार मोब लिंचिंग को हत्या माना है। नई भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 103 में मोबलिंचिंग को अलग से अपराध परिभाषित किया है और 7 साल की सजा का प्रावधान किया है। पुराने कानून में हत्या के अपराधी को आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती थी किंतु नए कानून में इसे 7 साल तक सीमित किया गया है।

क्या, संसद द्वारा, (इंडियन पीनल कोड के स्थान पर आया नया कानून) में संविधान के प्रावधानों के अनुसार ली गई शपथ का उल्लंघन को अपराध परिभाषित नहीं किया जाना चाहिए?

किंतु यह प्रश्न तो है कि क्या यदि शासन-प्रशासन व मुख्यत स्थानीय स्तर का कानून व्यवस्था व अपराध नियंत्रण से जुड़े अधिकारी सदभावी प्रयास करें तो ऐसी वीभत्स घटनाओं पर काफी हद तक रोक नहीं लग सकती?? नि:संदेह, लग सकती है बशर्ते प्रयास सद्भावना से हो। प्रशासन के निचले स्तर पर, ऊपर के मंत्रियों आदि से अनावश्यक दबाव न हो।

भारत के संविधान के तीसरी अनुसूची में केंद्र और राज्य के मंत्रियों, सांसदों और विधायकों, उच्चतम न्यायालय व उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के द्वारा, मंत्री व संसद या विधायक या न्यायाधीश के रूप में अपना पद संभालने से पहले ली जाने वाली शपथ का विवरण है। इन सभी शपथों के प्रारूप में एक वाक्यांश कॉमन है और वह है "---that I will bear true faith and allegiance to the constitution of India ----" अर्थात मंत्री, संसद आदि भारत के संविधान के प्रति सच्ची निष्ठा, आस्था, राष्ट्र भक्ति रखेंगे, यह शपथ सबके सामने, खुले में ली जाती है।

क्या भारत के नागरिक के रूप में हमें यह पूछने और जानने का अधिकार नहीं है कि जो मंत्री, संसद, विधायक आदि इस पवित्र शपथ या वचन लेकर आए है और रात दिन खुल्लमखुल्ला संविधान की खिल्ली उड़ाते है उन्हें क्यों नहीं अपने पदों से तत्काल बर्खास्त किया जाए? कम से कम मंत्रियों को तो बर्खास्त करने के लिए तो देश या प्रदेश के चुने हुए मुखियाओं को पूर्ण अधिकार है, तो फिर ऐसा होता क्यों नहीं? उत्तर भी बहुत साफ --क्योंकि कुछ सिरफिरे सांसदों, मंत्रियों द्वारा ऐसा करने पर, संबंधित राजनीतिक दलों को वोट मिलते है। इसी कारण मोबलिंचिंग करने वाले समूहों, लोगों को विभिन्न राजनीतिक नेता, दल, संगठन फ्रिंज एलिमेंट्स (छोटी संख्या में) कहकर, नफरती समस्या को कमतर करते है और यह ऐसे तत्वों को अपरोक्ष प्रोत्साहन का काम करते हैं।

एक ओर गंभीर प्रश्न सामने आया है– यह जो मोबलिंचिंग की घटना करने वाले समूह होते है इन की कोई भी बड़ा संगठन, जिसके नाम का उपयोग कर यह लोग इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम देते है, उसकी जिम्मेदारी नहीं लेते? बड़े संगठनों के पदाधिकारियों से कोई पूछे तो सीधा, त्वरित उतर होता है कि अमुक लोग उनके संगठन के सदस्य नहीं है? यह भी सामने आ रहा है कि बहुत से बड़े संगठनों की सदस्य सूचियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध ही नहीं है।

क्या सरकारों को कोई ऐसा कानून नहीं बनाना चाहिए कि कोई भी समूह जो, सार्वजनिक हित के नाम पर, इस प्रकार की गतिविधियां करता हो, उसका सदस्यता रजिस्टर सरकार/कलेक्टर/एसपी के स्तर पर उपलब्ध होना चाहिए। सदस्य सूची सार्वजनिक नहीं करने पर ऐसे समूह को अवैध घोषित किया जाना चाहिए और इस को अपराध परिभाषित किया जाना चाहिए।

कहीं चर्चा चल रही थी ---- हजार कानून बना लो, पालना करने वाली तो सरकार ही है न? अगर सरकार की मंशा इन्हें नियंत्रित करने की नहीं होगी तो कुछ नहीं होंगा और महीने, दो महीने के अंतरालों पर यह सब होता ही रहेगा। शासक वर्ग सदैव से जनता को यों ही मूर्ख बनाते रहते है।

**–अतिथि सम्पादक,**
**महावीर सिंह,**
**आई.ए.एस. ( से.नि. )**

# भारत में स्वास्थ्य व्यवस्था और वृद्धावस्था की चुनौतियां

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

भारत आज एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहाँ एक ओर जनसंख्या वृद्धि की गति धीमी हो रही है और दूसरी ओर जीवन प्रत्याशा लगातार बढ़ रही है। यह परिवर्तन सतही रूप से विकास का संकेत देता है, लेकिन इसके भीतर गंभीर सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी संकट छिपे हैं। यदि आने वाले 30-40 वर्षों में इस पर ठोस नीतिगत सुधार नहीं किए गए, तो यह चुनौती हमारे समाज और राष्ट्र की नींव को हिला सकती है।

**महंगी चिकित्सा और निजी अस्पतालों का वर्चस्व**

पिछले दो दशकों में भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में निजीकरण की तीव्र गति देखने को मिली है। एक ओर निजी अस्पताल अत्याधुनिक तकनीक, विशेषज्ञ डॉक्टर और बेहतर सेवाओं के साथ आधुनिक उपचार प्रदान कर रहे हैं, लेकिन उनकी लागत आम नागरिक की पहुँच से बाहर होती जा रही है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, भारत का स्वास्थ्य पर कुल व्यय जीडीपी का मात्र 3.28% है, जबकि विकसित देशों में यह आँकड़ा 8-10% तक रहता है। इसका सीधा परिणाम यह है कि सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भारी दबाव है, और उनकी सेवाओं की गुणवत्ता लगातार गिर रही है।

निजी अस्पतालों में उपचार की लागत इतनी अधिक है कि यह एक 'उद्योग' का रूप ले चुका है। एक साधारण सर्जरी का खर्च लाखों रुपये तक पहुँच जाता है। और यह भी देखा गया है कि अस्पताल अनावश्यक सर्जरी पर ज़्यादा ध्यान देते हैं। अनावश्यक दवा, परीक्षण, अस्पताल शुल्क और डॉक्टर की फीस जैसे अलग-अलग मदों में कुल खर्च कई गुना बढ़ जाता है। यह स्थिति गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को कर्ज और संपत्ति बेचने की मजबूरी तक ले जाती है। स्वास्थ्य, जो कि एक मूलभूत अधिकार होना चाहिए, अब आर्थिक स्थिति पर निर्भर एक महंगी सेवा बन चुका है।

**सरकारी स्वास्थ्य तंत्र की विफलताएँ**

सरकार ने पिछले वर्षों में कई महत्वाकांक्षी योजनाएँ शुरू कीं, जैसे आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय वृद्ध स्वास्थ्य कार्यक्रम, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आदि। लेकिन इन योजनाओं का क्रियान्वयन अपेक्षाओं से बहुत नीचे रहा।

Longitudinal Ageing Study of India (LASI), 2021 के आँकड़े स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हैं:–

75% से अधिक वृद्धजन कम से कम एक दीर्घकालिक बीमारी से ग्रसित हैं। 24% वृद्धजन को रोजमर्रा के कार्य करने में कठिनाई होती है। 48% वृद्धजन को बैंकिंग, खरीदारी, परिवहन जैसी गतिविधियों में दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। केवल 18% वृद्धजन किसी प्रकार के स्वास्थ्य बीमा के अंतर्गत आते हैं। 78% वृद्धजन के पास पेंशन या किसी नियमित आय का साधन नहीं है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी बदतर है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की अनुपस्थिति, उपकरणों की खराबी और दवाओं की कमी आम समस्या है। अधिकांश राज्यों में स्वास्थ्य बजट इतना कम है कि न तो विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति हो पाती है और न ही बुनियादी ढाँचे का विकास।

नतीजतन, सरकारी योजनाएँ केवल कागजों में रह जाती हैं और बुजुर्गजन अपनी देखभाल के लिए परिवार पर पूरी तरह निर्भर रहते हैं। लेकिन आधुनिक जीवनशैली, संयुक्त परिवारों के टूटने और युवाओं के रोजगार के लिए पलायन के कारण यह सहयोग भी लगातार घटता जा रहा है।

**वृद्धावस्था में बुनियादी सुविधाओं का अभाव**

स्वास्थ्य सेवाओं के अलावा वृद्धावस्था में जीवन की बुनियादी जरूरतें पूरी करने में भी गंभीर चुनौतियाँ हैं।

**1. आवास और सुरक्षा:**

वृद्धजनों के लिए सुरक्षित और सुलभ आवास की भारी कमी है। शहरी क्षेत्रों में वृद्धाश्रम तो हैं, लेकिन उनकी मूलभूत व्यवस्थाओं में भारी कमियाँ हैं और उनकी संख्या जरूरत से बहुत कम है। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी सुविधाओं का लगभग अभाव है।

**2. होम केयर सेवाओं की अनुपलब्धता:**

जिन वृद्धजनों के परिवार उनके पास नहीं रहते, उन्हें नर्सिंग, फिजियोथेरेपी और दैनिक देखभाल जैसी सेवाओं की जरूरत होती है। लेकिन ये सेवाएँ महंगी हैं और अधिकांशत: निजी संस्थानों एवं चुनिंदा शहरों तक ही सीमित हैं।

**3. मानसिक स्वास्थ्य संकट:**

अकेलापन, अवसाद और डिमेंशिया जैसी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। फिर भी मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ वृद्धजनों के लिए लगभग नगण्य हैं।

**4. आर्थिक असुरक्षा:**

इलाज, दवाओं और परिवहन पर होने वाला खर्च अधिकांश वृद्धजनों के लिए असहनीय है। बीमा कवरेज की कमी, बीमा के बारे में जानकारी का अभाव, बीमा कंपनियों द्वारा उचित दावों को भी ख़ारिज किये जाने का डर और पेंशन व्यवस्था के कमजोर होने के कारण परिवारों की आर्थिक स्थिति पर भारी दबाव पड़ता है।

**तेजी से बढ़ती वृद्धजन आबादी**

भारत में वृद्ध जनसंख्या की वृद्धि दर बेहद तेज है। SRS,, 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में देश की कुल जनसंख्या का लगभग 9.7% हिस्सा 60 वर्ष या उससे अधिक आयु का है।

UNFPA की रिपोर्ट का अनुमान है कि 2050 तक यह अनुपात 20% से अधिक हो जाएगा। इसका अर्थ है कि आने वाले 25 वर्षों में हर पाँच में से एक भारतीय बुज़ुर्ग होगा।

**इस परिवर्तन के गहरे सामाजिक और आर्थिक प्रभाव होंगे:–**

कार्यशील जनसंख्या पर Dependency Ratio बढ़ जाएगा।

युवा पीढ़ी पर वृद्धजनों की देखभाल का बोझ असहनीय हो सकता है।

अर्थव्यवस्था पर पेंशन, स्वास्थ्य और देखभाल सेवाओं के लिए भारी वित्तीय दबाव पड़ेगा। पारिवारिक और सांस्कृतिक संरचना कमजोर होगी।

हिंदू समाज के संदर्भ में यह चुनौती और गंभीर है। परंपरागत रूप से वृद्धजन परिवार के मार्गदर्शक और संस्कार वाहक रहे हैं। लेकिन जब उनकी देखभाल का बोझ परिवार की क्षमता से अधिक हो जाएगा, तो यह पीढ़ियों के बीच संवाद और आत्मीयता को कमजोर कर देगा।

**आने वाले 30-40 वर्षों की भयावह तस्वीर**

यदि मौजूदा स्थिति पर तुरंत काम नहीं हुआ, तो भविष्य का परिदृश्य बेहद चिंताजनक होगा। अस्पताल और स्वास्थ्य तंत्र वृद्धजनों की बढ़ती संख्या को संभाल नहीं पाएंगे। लाखों परिवार कर्ज में डूबेंगे और अपनी संपत्ति बेचने को मजबूर होंगे। वृद्धाश्रमों और देखभाल केंद्रों की मांग कई गुना बढ़ जाएगी। युवा कार्यबल की कमी से अर्थव्यवस्था धीमी होगी और कर प्रणाली पर दबाव बढ़ेगा। सामाजिक स्थिरता, सांस्कृतिक परंपराएँ और पारिवारिक मूल्य गहराई से प्रभावित होंगे।

**नीति सुधार की दिशा**

इस संकट से बचने के लिए केवल आलोचना पर्याप्त नहीं है। ठोस और दूरदर्शी कदम उठाने होंगे।

**1. स्वास्थ्य बजट में वृद्धि:**

भारत को अपने स्वास्थ्य बजट को कम से कम 5% जीडीपी तक बढ़ाना होगा। प्रत्येक जिले में जिराट्रिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए जाएँ और ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल स्वास्थ्य टीमें तैनात हों।

**2. एकीकृत राष्ट्रीय वृद्ध नीति:**

वृद्धजनों के लिए एक समग्र नीति बनाई जाए, जिसमें स्वास्थ्य, आवास, सामाजिक सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को एक मंच पर शामिल किया जाए।

**3. बीमा और पेंशन कवरेज:**

सभी वृद्धजनों को सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा के अंतर्गत लाया जाए। साथ ही, पेंशन प्रणाली को मजबूत और पारदर्शी बनाया जाए।

**4. मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ:**

मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग, डिमेंशिया देखभाल और परामर्श सेवाओं को सरकारी योजनाओं का हिस्सा बनाया जाए।

**5. जागरूकता और सूचना प्रणाली:**

हेल्पलाइन, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और स्थानीय भाषा में जागरूकता अभियान चलाकर वृद्धजनों और उनके परिवारों को योजनाओं की जानकारी दी जाए।

**निष्कर्ष: समय रहते उठाए जाने वाले कदम**

भारत आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ हमें वृद्धजनों के स्वास्थ्य और जीवन की गरिमा को सुरक्षित करने के लिए ठोस नीतिगत कदम उठाने होंगे। यदि आज सही निर्णय लिए गए, तो यह चुनौती अवसर में बदल सकती है। लेकिन यदि लापरवाही जारी रही, तो आने वाले दशकों में यह संकट हमारे समाज, अर्थव्यवस्था और संस्कृति के लिए विनाशकारी साबित होगा।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आज के वृद्धजन कल के इतिहास हैं। उनके सम्मान और सुरक्षा के बिना हमारा भविष्य भी असुरक्षित होगा। इसलिए यह केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की अनिवार्यता है।

**–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,**
**महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री**
**पूर्व उपाध्यक्ष, जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड जयपुर, राजस्थान**

# हमारी पहचान, भारतीय भाषा, वेशभूषा एवं भोजन

प्रो.कैलाश सोडाणी

किसी भी व्यक्ति की पहचान बहुत ही सहजता के साथ भाषा, वेशभूषा एवं भोजन से हो जाती है। व्यक्ति की नागरिकता अर्थात राष्ट्रीयता जानने के लिए यही देखा जाएगा कि वह किस भाषा में संवाद कर रहा है? व्यक्ति की पहचान के लिए यह बढ़िया मापदंड हैं। 75 वर्ष की आजादी को भोगने के बावजूद भी मेरे देश का नागरिक भाषा, वेषभूषा एवं भोजन का महत्व नहीं समझ पा रहे हैं। अपनी ऐतिहासिक एवं गौरवशाली पहचान को कमजोर कर रहे हैं। सैकडो वर्षो की गुलामी ने हमारी सोच एवं मानसिकता को कमजोर कर दिया। अंग्रेजी में भाषण देने वालों को हम आज भी भारी विद्वान समझते हैं। हिन्दी, पंजाबी या तमिल में बातचीत करने वालों को हमने दूसरे दर्जे का नागरिक मान लिया। अंग्रेजी गर्व का विषय हो गयी। आज भी 3 प्रति.अंग्रेजी की जानकार जमात ही व्यवहार में देश पर राज कर रही है, और न ही यह चाहते है कि 97 प्रति. जनता में अपनी स्वयं की भाषा के प्रति कोई प्रेम पैदा हो। दुर्भाग्य से लगभग 200 वर्षों से फैला अंग्रेजी का आतंक आज भी यथावत है। अंग्रेजी के आतंक ने आर्थिक समृद्धि के तमाम अवसर और रास्ते इतने संकरे कर दिए कि उन पर कुछ भाग्यशाली लोग ही चल पा रहे है। हमें इस सत्य को यथाशीघ्र स्वीकार कर लेना चाहिये कि मातृभाषा अर्थात् हिन्दी ही हमारे विकास का राजमार्ग है। हमारी उसी कमजोर सोच के कारण विदेशी वेशभूषा अर्थात् कोट-पेन्ट-टाई वाले हमें बडे एवं प्रतिष्ठित महानुभाव दिखाई देते है। भारत में सभी उच्च शिक्षित वर्ग यथा न्यायाधीश, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक, वैज्ञानिक, डॉक्टर सभी भारतीय वेषभूषा को तिलांजली दे चुके हैं। 45 डिग्री टेम्प्रेचर में भी आधुनिक बुद्धिजीवी असुविधाजनक होते हुए भी कोट एवं टाई में ही दिखाई देगा। केवल मात्र राजनैतिक एवं धार्मिक क्षेत्र में काम करने वाले सज्जन ही भारतीय वेशभूषा का उपयोग कर रहे हैं। वेशभूषा का निर्धारण जलवायु, संस्कृति, इतिहास एवं सामाजिक संरचना के आधार पर होता है।

आधुनिकता के नाम पर लड़कियों में बहुत ही फूहड ड्रेसेस लोकप्रिय होती जा रही है, जो गलत हो रहा है। हमारे सांस्कृतिक एवं सामजिक मूल्यों में गिरावट आ रही है, इसे रोकना होगा। भाषा एवं वेशभूषा के साथ-साथ भोजन के मामले में भी देश में आधुनिकता के नाम पर पाश्चात्य भोजन तेजी से लोकप्रिय होता जा रहा है। पिज्जा-बर्गर-मेगी सम्मान के प्रतीक बन गये हैं। आजकल की युवा पीढी को 10 रूपये की कचोरी समोसे की तुलना में 400 रूपये का पिज्जा ज्यादा पसन्द आ रहा है। भारतीय अवधारणा के प्रति कमजोर मानसिकता को विज्ञापनों के माध्यम से लगातार कमजोर करने का षड्यंत्र चल रहा है। हमें सावधान रहना होगा। भोजन में भोज्य सामग्री के साथ-साथ भोजन कब और कैसे करना भी महत्वपूर्ण है। भारतीय संस्कृति में वैज्ञानिक आधार पर पालथी लगाकर भोजन ग्रहण करना ही श्रेष्ठ माना गया है। पाश्चात्य सोच ने हमें खड़े खड़े, घूमते हुए भोजन करना सीखा दिया। यह जानते हुए कि खडे-खडे भोजन करना स्वास्थ्य की दृष्टि से ठीक नहीं है, फिर भी नकल करने में हमें मजा आ रहा है। सौभाग्य से आज भी संसद और सडक की भाषा, वेशभूषा और भोजन भारतीय ही है। संसद में बैठने वाला राजनेता, अयोध्या एवं उज्जैन के धर्माचार्य तथा सडक पर चलने वाला आम नागरिक हिन्दी में ही बात करता है, भारतीय पहनावें एवं भोजन में ही विश्वास करता है। दुर्भाग्य से देश का बुद्धिजीवी वर्ग, जिसकी सम्पूर्ण समाज को मार्गदर्शन देने की जिम्मेदारी है वह स्वयं ही भटक रहा है। पाश्चात्य सोच का शिकार हो रहा है। कहीं न कहीं यह हमारी शैक्षणिक व्यवस्था की कमजोरी है जो बच्चों में राष्ट्रीय भाव जागृत करने में असफल रही है। सौभाग्य से नई शिक्षा-नीति 2020 में देश के गौरवशाली पुरातन एवं संस्कृति को आवश्यक महत्व प्रदान किया है। मेरा मानना है कि देश के प्रत्येक नागरिक को यथा शीघ्र गर्व के साथ भारतीय भाषा, वेशभूषा एवं भोजन को अंगीकार करना होगा।

**–प्रो.कैलाश सोडाणी,**
**पूर्व कुलगुरु, वर्धमान महावीर खुला विवि, कोटा**

# वर्षों पुराना विवाद हुआ खत्म-जिला कलक्टर की पहल से बनी आपसी सहमति

## ग्रामीण सेवा शिविर बना सौहार्द और समाधान का मंच, ग्रामीणों ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

राज्य सरकार के निर्देशानुसार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने और ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने हेतु आयोजित हो रहे ग्रामीण सेवा शिविर अब गांवों में समाधान और सौहार्द के प्रतीक बनते जा रहे हैं।

**शिविर में वर्षों पुराना विवाद सुलझा-**

झालावाड़ जिले की सुनेल पंचायत समिति स्थित सोयला ग्राम पंचायत में आयोजित शिविर में गुरुवार को ऐसा ही एक नजारा देखने को मिला। यहां श्मशान भूमि को लेकर राजपूत समाज के दो पक्षों के बीच लगभग दो वर्षों से विवाद चल रहा था।

जिला कलक्टर श्री अजय सिंह राठौड़ के शिविर में पहुंचने पर यह मामला उनके समक्ष प्रस्तुत किया गया। उन्होंने दोनों पक्षों की बात बड़े धैर्य और संवेदनशीलता से सुनी और आपसी सहमति से समाधान का मार्ग सुझाया।

परिणामस्वरूप, सज्जनसिंह पुत्र रणजीतसिंह राजपूत निवासी सोयला द्वारा 0.0253 हेक्टेयर भूमि समर्पण करने की सहमति दी गई। इस प्रकार वर्षों पुराना विवाद शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त हो गया।

**आपसी सौहार्द का संदेश-**

विवाद निस्तारण के बाद जिला कलक्टर ने दोनों पक्षों के लोगों को माला पहनाकर सम्मानित किया और सामाजिक एकता का संदेश दिया। दोनों पक्षों ने विवाद समाप्त होने पर प्रशासन के प्रति आभार जताया।

ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह के शिविर वास्तव में गांवों में न्याय और विकास की नई रोशनी लेकर आ रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा का उनकी दूरदर्शी सोच के लिए आभार प्रकट किया, जिससे गांव और ढ़ाणी में भी सरकारी योजनाओं का समय पर लाभ पहुंचाना और शिकायत समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। उनके प्रयासों से गांव-गांव में शांति और समाधान का वातावरण बन रहा है।

**–हेमन्त छीपा,**
**जनसंपर्क अधिकारी, झालावाड़**

## राशिफल शनिवार 18 अक्टूबर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र सायं 5:10 तक, ब्रह्म योग रात्रि 1:48 तक, तैतिल करण दिन 12:20 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 10:12 से कन्या राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-तुला, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मिथुन, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज शनि प्रदोष व्रत, धन तेरस है। आज धन त्रयोदशी निमित्त सायं यम दीपदान, धन्वंतरी जयन्ती, (देशाचार में) है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** शुभ 7:57 से 9:22 तक, चर 12:12 से 1:37 तक, लाभ अमृत 1:37 से 4:27 तक।

**राहूकाल:** 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:32, सूर्यास्त 5:51

### मेष

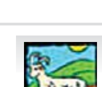

परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

### वृष

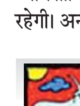

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### मिथुन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। आज व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### कर्क

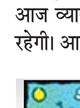

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं रहेगी।

### सिंह

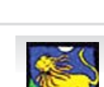

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

### कन्या

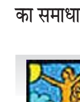

आर्थिक/वित्तीय मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। धन हानि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

### तुला

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

### वृश्चिक

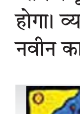

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

### धनु

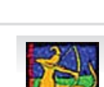

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### मकर

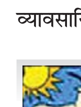

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

### कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### मीन

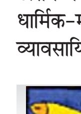

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

**They Don't Celebrate Diwali!** The people of Bishrakh, in Uttar Pradesh, believe that 'Bishrakh' comes from 'Vishrava,' Ravana was actually born there. That makes him son of the soil. How can they celebrate his fall?

**Big Horned Bulls**

**Love and Control** Enchantments of the Heart: Meat, Flowers, and Forbidden Recipes of Medieval Women

# 'जरुरी नहीं है, नीतीश ही एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हों'

## अमित शाह जदयू को संदेश दे रहे हैं कि शायद मु.मंत्री भाजपा का ही होगा, यदि संख्या बल पर्याप्त रहा

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। जिस मसले पर सार्वजनिक रुप से संदेह किया जा रहा था, गृह मंत्री अमित शाह ने उसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि चुनाव के बाद की स्थिति में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद के लिये एनडीए की स्वाभाविक पसंद नहीं होंगे।

जेडीयू नेता और वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाजपा के उस फैसले से नाराज़ हैं, जिसके तहत पार्टी ने चिराग पासवान की एलजेपी (आर) को जेडीयू की परंपरागत सीटें आवंटित कर दी थीं। इसके बाद नीतीश ने मांग की थी कि भाजपा सार्वजनिक रूप से यह घोषणा करे कि चुनाव के बाद उन्हें एक बार फिर मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। हालांकि, पासवान को जेडीयू के गढ़ों से पीछे हटाने में नीतीश सफल रहे, लेकिन भाजपा नेतृत्व ने अब तक नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने से परहेज़ किया है।

गुरुवार को पटना पहुँचने पर गृह मंत्री ने इस मुद्दे पर सभी विकल्प खुले छोड़ते हुए कहा, "मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने का अधिकार मेरे पास बिल्कुल नहीं है। चुनाव के बाद, एनडीए के घटक दल अपने नेताओं का चयन करेंगे और फिर एक संयुक्त बैठक में मुख्यमंत्री का फैसला किया जाएगा। विधायक तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन होगा।"

हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव 'कुमार के नेतृत्व में' लड़ा जा रहा है। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए एक और कार्यकाल की मांग करते हुए, केन्द्र की सत्ता में बरकरार रखने का प्रयास किया है, और कई राज्यों में पार्टी ने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को पहले ही स्पष्ट कर दिया है। लेकिन इस बार नीतीश कुमार का नाम साफ तौर पर घोषित न करके, शाह ने यह संकेत दिया है कि भविष्य के मुख्यमंत्री के पद पर अंतिम निर्णय भाजपा ही लेगी।

अगर आगामी विधानसभा चुनावों में जेडीयू का प्रदर्शन भाजपा की तुलना में कमजोर रहा, तो लगभग तय है कि नीतीश कुमार को एक "फेट

(शेष पृष्ठ 5 पर)

# भाजपा-जदयू के तनावपूर्ण संबंध और उग्र होंगे?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नामांकन प्रक्रिया के शुक्रवार को पूरा होते ही, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भीतर मतभेद खुलकर सामने आ गए। जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद सदस्य नीरज कुमार, जो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी माने जाते हैं, ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की खुली आलोचना की। यह विवाद उस समय भड़का, जब शाह ने अपने एक टेलीविज़न इंटरव्यू में कहा कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री एनडीए के नवनिर्वाचित विधायक तय करेंगे, न कि पहले से घोषित किया जाएगा।

शाह के इस बयान को व्यापक रूप से इस संकेत के रूप में देखा गया कि भाजपा शायद नीतीश कुमार के विकल्पों पर विचार कर रही है। इस बयान के तुरंत बाद जेडीयू नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। नीरज कुमार ने पलटवार करते हुए कहा कि नीतीश कुमार एनडीए में निर्विवाद नेता हैं और 2025 के चुनावों के बाद भी वे ही मुख्यमंत्री रहेंगे। उनका यह तीखा जवाब इस बात का संकेत था कि दोनों सहयोगी दलों के बीच नेतृत्व और सीट बंटवारे को लेकर असहजता बढ़ रही है। राजनीतिक पर्यवेक्षक अमित शाह के बयान की टाइमिंग से हैरान रह गए, क्योंकि यह उस समय आया, जब एनडीए में सीट बंटवारे पर पहले ही तनाव चल रहा था।

कई लोगों का मानना था कि शाह के शब्दों ने पहले से सुलगती आग में घी डालने का काम किया है। जेडीयू सूत्रों ने इस बयान को अनावश्यक और उकसाने वाला बताया, खासकर तब, जब पार्टी पहले से ही केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान और उनकी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रति

(शेष पृष्ठ 5 पर)

# ट्रंप एक बार फिर यूक्रेन में युद्ध की स्थिति सुलझाने में जुटे

हमास-इज़रायल संघर्ष को समाप्त कराने में मिली सफलता के बाद, (शेष पृष्ठ 5 पर)

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। हमास आतंकियों और इज़रायल के बीच शांति समझौता करवाने और बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के बाद, अब अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप यूरोप में शांति बहाल करने और यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की एक और कोशिश कर रहे हैं।

ट्रंप शुक्रवार को वॉशिंगटन में यूक्रेन के राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे और करीब दो हफ्तों में हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक और शिखर वार्ता आयोजित की जा रही है।

हंगरी के राष्ट्रपति विक्टर ऑर्बान, जो पुतिन के कट्टर समर्थक माने जाते हैं, ट्रंप-पुतिन बैठक आयोजित करने की पहल कर रहे हैं। यूरोपीय संघ का सदस्य होने के बावजूद, ऑर्बान ने यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति या यूरोपीय संघ द्वारा जैलैंस्की को समर्थन का लगातार विरोध किया है।

**■ हमास व इज़रायल के बीच शांति करवाने के बाद ट्रंप के हौसले बुलंद।**

इसके बजाय, वे यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के सम्बंध में अपने अलग प्रस्ताव पेश करते रहे हैं, जो अधिकतर रूस के पक्ष में रहे हैं। अब, अगर विक्टर ऑर्बान पुतिन और ट्रंप के बीच शांति वार्ता की व्यवस्था कर रहे हैं, तो यह आशंका जताई जा रही है कि यह वार्ता भी यूक्रेन संकट पर रूस की शर्तों के इर्द-गिर्द घूम सकती है।

ऑर्बान ने बताया कि हंगरी का विदेश मंत्रालय देश में पुतिन-ट्रंप शिखर सम्मेलन की मेज़बानी के लिए पूरी तरह जुटा हुआ है। हालांकि इसमें एक बड़ी अड़चन भी है, अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (इन्टर नैशनल क्रिमिनल कोर्ट-आई.सी.सी.) ने पुतिन के खिलाफ एक गिरफ्तारी वारंट जारी किया है, जिसमें उन पर यूक्रेनी बच्चों को पकड़कर रूस भेजने का आरोप है।

हंगरी, यूरोपीय संघ का सदस्य होने के बावजूद, आई.सी.सी. के आदेश के तहत पुतिन को गिरफ्तार नहीं करेगा। हंगरी ने आई.सी.सी. की उस संधि से खुद को अलग कर लिया है, जिसके तहत किसी हस्ताक्षरकर्ता देश को न्यायालय के आदेश का पालन करना अनिवार्य होता।

फिर भी, पुतिन को ऐसे देशों से होकर गुजरना पड़ेगा, जो आई.सी.सी. के सदस्य हैं और रास्ते में वे उन्हें गिरफ्तार कर सकते हैं। इस जोखिम को टालने के लिए सुरक्षित मार्ग की व्यवस्था पर विचार किया जा रहा है।

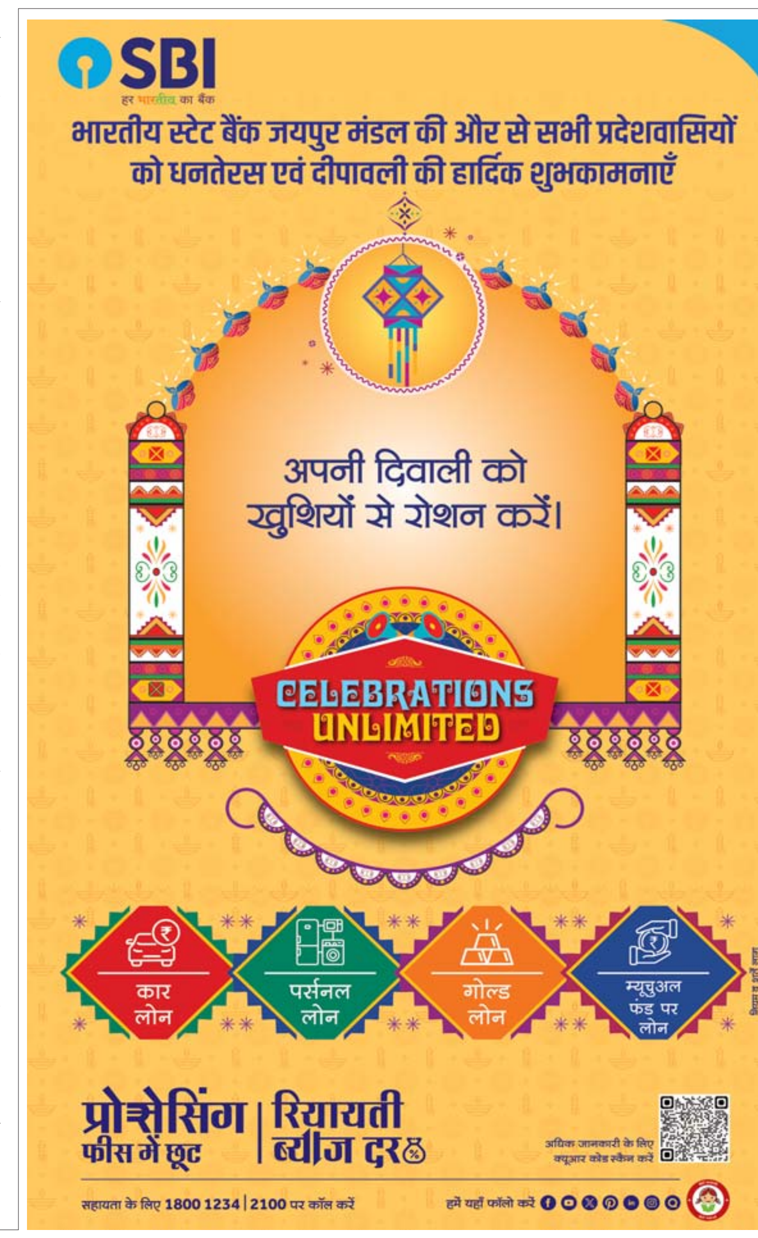

# गढ़ गणेश पूजन के साथ होगा भव्य शोभायात्रा का आगाज़

**बूंदी** । आगामी बूंदी महोत्सव 2025 के शुभारंभ के अवसर पर शहर में भव्य एवं मनमोहक शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा, जो बूंदी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक विकास की झलक प्रस्तुत करेगी। गढ़ गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ इस सांस्कृतिक यात्रा का शुभारंभ होगा, जिसके लिए प्रशासन व संबंधित विभाग उत्साह के साथ तैयारियों में जुट गए हैं। शोभायात्रा को लेकर की जा रही तैयारियों की शुक्रवार को उपखंड अधिकारी लक्ष्मीकांत मीणा ने समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उपखंड अधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि यात्रा मार्ग की पूरी तरह से साफ-सफाई सुनिश्चित की जाएं

**■ उपखंड अधिकारी ने तैयारियों की बैठक ली**

और मार्ग में कहीं भी झूलते हुए बिजली के तारों को तुरंत दुरुस्त करवाया जाए, ताकि आयोजन में किसी प्रकार की कोई बाधा न आए।

शोभायात्रा परंपरा और आधुनिकता का अनूठा संगम होगी। इसमें पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में सजी-धजी बालिकाएं और महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर शामिल होंगी। शोभायात्रा में सजे-धजे ऊंट, घोड़े, आकर्षक बैंड दल और विभिन्न लोक कलाकारों के दल अपने प्रदर्शन से समां बांध देंगे। शोभायात्रा ऐतिहासिक गढ़ पैलेस से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों - सदर बाजार और कोटा रोड से होते हुए पुलिस परेड ग्राउंड पर आकर संपन्न होगी। यात्रा मार्ग में विभिन्न धर्मों, संप्रदायों, स्वयंसेवी संस्थाओं और शहरवासियों द्वारा पग-पग पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया जाएगा, जो बूंदी की सांप्रदायिक सौहार्द और मेहमाननवाजी की मिसाल पेश करेगा। शोभायात्रा का प्रमुख आकर्षण विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली झांकियां होंगी। इन झांकियों के माध्यम से राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को सजीव रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही, पंच गौरव अभियान के तहत जिले के लिए चयनित पांच विशेष उत्पादों की जानकारी भी आमजन तक पहुंचाई जाएगी, ताकि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिल सके। बूंदी उत्सव समिति सदस्य पुरूषोत्तम लाल पारीक ने शोभायात्रा में आमजन की अधिकाधिक भागीदारी के लिए प्रयास तेज करने की बात कही। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक अरूण कुमार, तहसीलदार अर्जुनलाल मीणा, जिला परिवहन अधिकारी सौम्या शर्मा, शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक धनराज मीणा, एडवोकेट राजकुमार दाधीच, पुरूषोत्तमलाल पारीक, कृष्ण कांत राठौर, रविन्द्र दाधीच एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

बूंदी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक विकास की झलक प्रस्तुत करने के लिए अधिकारियों की बैठक आयोजित कि गई।

# सरकारी संपति के स्वरूप को भी बदला

**सायला,** (निसं)। पंचायत समिति सायला की ओर से किराये पर आवंटित दुकान संख्या 13 व 14 के किरायेदारों द्वारा नियमों का उल्लंघन करते हुए पिछले 33 माह का किराया जमा नही करवाने से समिति को लाखों रूपये का नुकसान उठाना पड रहा है। किरायेदार न केवल किराया नहीं चुका रहे हैं, बल्कि उन्होंने अनुबंध की शर्तों का भी खुला उल्लंघन किया है।

जानकारी के अनुसार सायला पंचायत समिति की दुकान संख्या 13, जो खेतेश्वर मिष्ठान्न भंडार के मालिक रावलसिंह के नाम आवंटित है, और दुकान संख्या 14, जो कविता कंवर के नाम आवंटित है। इन दोनों दुकानों का जनवरी 2023 से सितंबर 2025 तक यानी पूरे 33 माह का किराया बकाया है। किरायेदार रावलसिंह को आवंटित दुकान संख्या 13 का प्रतिमाह किराया 4,250 रूपये के हिसाब से कुल 1,40,250 रूपये बकाया है। जबकि किरायेदार कविता कंवर को आवंटित दुकान संख्या 14 का प्रतिमाह किराया 4,350 रूपये के हिसाब से कुल 1,43,550 रूपये बकाया है। इस तरह, दोनों दुकानों पर पंचायत समिति का 2,83,800 रूपये का भारी-भरकम किराया बकाया चल रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना हैं कि पंचायत समिति की दुकानों को किराये पर लेने वाले लापरवाह एवं नियम तोडने वाले किरायेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

**अनुबंध के नियमों का किया उल्लंघन:-** किराया जमा न कराने के साथ ही किरायेदारों ने अनुबंध की गंभीर शर्तों को भी तो?ा है। खेतेश्वर मिष्ठान्न भंडार के मालिक रावलसिंह ने अपने नाम आवंटित दुकान संख्या 13 और किरायेदार कविता कंवर के नाम आवंटित दुकान संख्या 14 के बीच की दीवार तोडकर एक बडा व्यावसायिक प्रतिष्ठान बना लिया है। यह कार्रवाई पूरी तरह से नियमविरुद्ध है।

# तिवारी को दीर्घ सेवा अलंकार सम्मान

**बूंदी।** स्काउटिंग के क्षेत्र में दीर्घकालिक श्रेष्ठ सेवाओं हेतु दिए जाने वाले राज्य स्तरीय प्रतिष्ठित दीर्घसेवा अलंकार सम्मान हेतु यूनिट लीडर डॉ सर्वेश तिवारी का चयन किया गया है। संगठन के स्थानीय संघ सचिव सतीश कुमार जोशी ने बताया कि राज्य मुख्यालय द्वारा दीर्घ सेवा अलंकार मैडल यूनिट लीडर के रूप में दी जाने वाली दीर्घकालीन समर्पित सेवाओं के अभिनंदन स्वरूप प्रदान किया जाता है जो कि बेहद गौरवपूर्ण सम्मान है। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सर्वेश तिवारी अनवरत उल्लेखनीय समुदायिक विकास सेवा हेतु राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री द्वारा पुरस्कृत हैं। इनके मार्गदर्शन में अनेक बालक बालिकाओं ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों में सहभागिता की है तथा राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति पुरस्कार भी प्राप्त किए हैं। स्काउट शिक्षक के रूप में गुणात्मक, संख्यात्मक व्यक्तित्व उन्नयन कार्यक्रमों, विविध सामुदायिक विकास जनचेतना कार्य, पर्यावरण संरक्षण, अभिरुचि शिविर, युवा विकास कार्यक्रमों, स्काउट शिविरों, मोटिवेशन, प्रशासनिक आयोजनो आदि के क्षेत्र में पंद्रह वर्षाधिक विशिष्ट सेवाओं के आधार पर राज्य स्तरीय चयन समिति ने स्टेट चीफ कमिश्नर द्वारा प्रदान किए जाने वाले इस सम्मान हेतु डॉ तिवारी का चयन किया है।

---

## OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DN SUJANGARH

No:1591-1606 Date:-13/10/2075

### Notice Inviting Bid No 14/2025-26

Bids for 2 (Two Nos) work are invited from interested bidders upto 06.00 PM dated 30.10.2025 other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc rajasthan.gov.in/http://sppp.raj.nic.in) of the state and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 184.35 Lacs
NIB No. PWD2526A3827
UBN No. 1. PWD2526WSOB14566, 2. PWD2526WSOB14568

Executive Engineer
PWD Dn. Sujangarh

DIPR/C/15500/2025

---

## कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, नर्मदा नहर परियोजना खण्ड प्रथम सांचौर

क्रमांक- लेखा/निविदा/2025-26/1033 दिनांक-15.10.2025

### ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से विभिन्न कार्यों के लिये अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में राज्य सरकार के संशोधित आदेशों के अनुसार नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा आमन्त्रित की जाती है निविदा में वर्णित 1 कार्य हेतु निविदा ऑनलाईन आमन्त्रित की जाती है। जल संसाधन विभाग राजस्थान सरकार में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हो या के.लो.नि.वि.ए डाक, दूरसंचार, रेलवे में व अन्य राज्य सरकारो / केन्द्रीय सरकार के उपक्रमो / संगठनो के पास सूचिबद्ध ठेकेदार जो राजस्थान के पात्र श्रेणी के समतुल्य हो, भी कार्य के लिए निविदा हेतु विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात पात्र है। निविदा प्रपत्र दिनांक 17.10.2025 प्रातः 09.30 बजे से दिनांक 26.10.2025 सांय 06.00 बजे तक ऑनलाईन अपलोड किये जा सकेगें।
निविदा दिनांक 27.10.2025 को सांय 3 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी। कार्यों की अनुमानित लागत, धरोहर राशि, प्रोसेसिंग फिस व कार्य पूर्ण करने की अवधि तथा अन्य शर्ते https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखें।
NIB code: WRD2526A0465
UBIN No-: WRD2526WSOB01213

अधिशाषी अभियन्ता
नर्मदा नहर परियोजना
खण्ड द्वितीय सांचौर

DIPR/C/15444/2025

---

## कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि खण्ड राजगढ (चूरू)

क्रमांकः 1567-1577 दिनांकः 08.10.2025

### ई-निविदा सूचना संख्याः 08/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील राजगढ जिला चूरू में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवम् दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर.पी डब्लयू.ए 100 की शर्त लागू होगी। निविदा से संबंधित विवरण बेबसाईट विभागीय http://dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एंव वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in व http://www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB No. PWD2526A3783
UBN No.- 1. PWD2526WSOB14321, 2. PWD2526WSOB14322, 3. PWD2526WSOB14323 4. PWD2526WSOB14324, 5. PWD2526WSOB14334, 6. PWD2526WSOB14336 7. PWD2526WSOB14340, 8. PWD2526WSOB14343

अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि खण्ड राजगढ (चूरू)

DIPR/C/15325/2025

---

## कार्यालय श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल मण्डफिया, जिला-चित्तौड़गढ़ ( राज. )

क्रमांक/लेखा/श्रीसामंमं/2025-26/1847 दिनांक-16.10.2025

### -: ई-निविदा सूचना -18/2025-26:-

श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल, मण्डफिया द्वारा DTD wast e Collection,Transportation, Sweeping & Cleaning, IEC etc Work In Mandafiya village (अनु.राशि500 लाख) हेतुपंजीकृत, अनुभवी व योग्य संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया "http://eproc.rajasthan.gov.in" के माध्यम से द्वि-लिफाफा पद्धति में निविदाएंआमंत्रित की जाती है। निविदाओं का विस्तृत विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in तथा http://sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध है। निविदाओं के ऑनलाईन प्रपत्र उक्त पोर्टल पर दिनांक 18/10/2025 कोप्रात: 09:00 बजे से उपलब्ध होकर दिनांक 06/11/2025 सायं 06.00 बजे तक ऑनलाईन जमा किये जा सकते है। निविदाओं से सम्बन्धित शुल्क/राशि निविदा प्रपत्र में अंकित मंदिर मण्डल के बैंक खाते में ही जमा करवानी होगी। प्राप्त निविदाओं की तकनिकी निविदाएं दिनांक 07/11/2025 को अपरान्ह 12:00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी।

UBN-SMM2526SLOB00070

मुख्य कार्यपालक अधिकारी
श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल

---

## भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांकः-स्टोर / 2025-26 / 14572 दिनांकः 16.10.2025

### ई-ऑक्शन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण, भरतपुर द्वारा निर्मित विश्वप्रिय शास्त्री चौपाटी की दुकान संख्या 01 से 09 मय चौपाटी एरिया किराये पर दिया जाना है। जिसके लिए उपयुक्त सक्षम श्रेणी की फर्मे ई-ऑक्शन हेतु आमंत्रित की जाती है। उक्त ई-ऑक्शन की पूर्ण जानकारी व शर्ते प्राधिकरण कार्यालय में एवं sso.rajasthan➡Urban Services➡Citizen service➡E-Auction पर भी देखी जा सकती है।

| क्र. सं. | चौपाटी का नाम | न्यूनतम प्रारिम्भक बोली राशि (प्रति दुकान / माह) | अमानत राशि |
|---|---|---|---|
| 1 | विश्वप्रिय शास्त्री पार्क चौपाटी | 8000.00 रू0 | 15000.00 रू0 |

लोहागढ घना चौपाटी विश्वप्रिय शास्त्री पार्क भरतपुर व्यावसायिक दुकानें मय ओपन स्पेस अस्थायी रजिस्ट्रेशन/अमानत राशि/दस्तावेज, अपलोड करने की कार्यवाही दिनांक 21.10.2025 प्रातः 11:00 बजे ऑनलाईन से दिनांक 31.10.2025 सायं 06:00 बजे तक एवं ऑनलाईन नीलामी दिनांक 31.10.2025 प्रातः 11:00 बजे दिनांक 04.11.2025 प्रातः 11:00 बजे तक की जावेगी।

सचिव
भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

राज.संवाद / सी / 25 / 12465

---

## कृषि अनुसंधान केन्द्र

(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय)
दाहोद रोड़, बोरखवत फार्म, बाँसवाड़ा (राज.)

क्रमांक : एफ( )/ कृअके/स्टोर/2025/170-73 दिनांक : 13/10/2024

### निविदा सुचना (वर्ष 2025-26)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय हेतु निम्नलिखित सामग्री क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदायें बंद लिफाफों में आमंत्रित की जाती है। निविदां प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि 27/10/2025 समय प्रातः 01.30 बजे तक है तथा निविदां उसी दिन निविदादाता के समक्ष दोपहर 02.00 बजे खोली जायेगी। निविदा संबंधित जानकारी कार्यालय समय में आकर प्राप्त कर सकते है। SPP पोर्टल से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

| क्र.स. | सामग्री का विवरण | अनुमानित मात्रा |
|---|---|---|
| 1 | **Certifited Seed**<br>• Maize hybrid DMRH-1308 (4/5 kg per bag)<br>दरे प्रति कि.ग्रा. के अनुसार देवें।<br>दरे बोरवट, फार्म, बांसवाड़ा (राज.) पर आपूर्ति के अनुसार देवें। | 20-30 qt |

हस्ताक्षर/-
संभागीय निदेशक अनुसंधान

---

## State Institute of Hotel Management

Village Narpura, Near Thermal Power Station, Dholpur (Raj.)
E-mail:-sihmdholpur@gmail.com, Phone no:- 05642-299088

Ref: SIHMDholpur/2025/152 Date: 14/10/2025

### E-Bid Notice

SIHM Dholpur under Department of Tourism, Govt. of Rajasthan invites e-Bid for the purchase of equipment for the institute for FY 2025-26.
**Bid Reference Number:** SIHMDHO/2025/149

| Bid Submission End Date & Time | Bid opening Date & Time | Approx. Bid value | Bid Document Fee | NIB Details/ UBN No. |
|---|---|---|---|---|
| 28/10/2025, 2:00 PM | 28/10/2025, 4:00 PM | | | |
| Name of Work | | | | |
| Supply and installation of Housekeeping Heavy & Light Equipments with Linen and furnishing items | | 25 Lakhs | Rs. 1000/- | TOU2526 A0053 |

Interested bidders eligible as per qualification criteria may submit their response to the Bid through e-procurement portal www.eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in. The other details of tenders may bedownloaded from official website of tourism department i.e. www.tourism.rajasthan.gov.in and for further enquiries contact on above address.

DIPR/C/15379/2025 Principal/Member Secretary

---

## कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, मोहनगढ़

नई अनाज मण्डी, सुथार वाला रोड़, ग्राम मोहनगढ़ जिला जैसलमेर
E-Mail id : kums.mohangarh@rajasthan.gov.in Website - http://www.rsamb.rajasthan.gov.in/

क्रमांक :- सकृउमस/2025-26/राजकाज 18357897 दिनांक :- 15/10/2025

### संशोधित निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि उपज मंडी समिति, मोहनगढ़ में ई-नाम योजनांतर्गत IT एवं असेयिंग लैब के उपकरण के लिए राजकाज रेफ्रेश नं. 18177468 दिनांक 07.10.2025 एवं राजकाज रेफ्रेश नं. 18177475 दिनांक 07.10.2025 द्वारा ई-निविदा दिनांक 16.10.2025 तक आमंत्रित की गयी, जिसे अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया जाकर निम्नानुसार निर्धारित समयानुसार प्राप्त एवं खोली जाएगी-

| Sr. | Bid Title | Date & Time of Downloading/ Uploading of bid Document | Date & Time of online Submission of Bid/Document | Last Date of Submission of DD/Bankers Cheque in the office of KUMS Mohangarh | Date & Time of Technical Bid Opening |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | IT EQUIPMENTS | 07.10/2025 To 24.10.2025 | 24.10.2025 06.00 PM | 27.10.2025 11.00 AM | 27.10.2025 12.30 PM |
| 2 | OIL TESTING MACHINE | 07.10.2025 To 24.10.2025 | 24.10.2025 06.00 PM | 27.10.2025 11.00 AM | 27.10.2025 01.00 PM |

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति मोहनगढ

राज.संवाद/सी/25/12409

---

## जल संसाधन विभाग
## कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, क्षैत्रीय उद्योगशाला खण्ड, नर्मदा नहर परियोजना, सांचौर

क्रमांक/लेखा/निविदा/2025-26/1133-1144 दिनांक 14/10/25

### नीलामी सूचना संख्या 01/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से बाढग्रस्त अनुपयोगी इलेक्ट्रीकल मशीनरी हेतु जैसी है जहां है के आधार पर अधिकतम दर पर दिनांक 10.11.2025 को दोपहर 2:00 बजे से खुली बोली आमंत्रित की जाती है। इसके लिए निर्धारित धरोहर राशि दिनांक 10.11.2025 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक जमा करवाकर पंजीकरण टोकन प्राप्त किये जा सकेगे। नीलामी से सम्बन्धित अन्य नियम / शर्ते विभागीय वेबसाईट https://water.rajasthan.gov.in & https://dipr.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अभियन्ता
क्षेत्रीय उद्योगशाला खण्ड, न.न.प. सांचौर
मो. 7425981959

DIPR/C/15410/2025

---

## कार्यालय नगरपालिका महवा (दौसा) राज0

EMAIL-nagarpalikamahwa@gmail.com फोन न.- 07461 284005

क्रमांक-न.पा.म / 2025-26 / 738 दिनांक- 15.10.2025

### -: निविदा आमंत्रण सूचना :-

नगर पालिका महवा द्वारा Renovation Work Of SDM Quater कार्य की निविदा आमंत्रित की गई है जिसकी निविदा यूबीएन न. (DLB2526WSRC21105), (DLB2526WSRC21879), (DLB2526WSRC21880), (DLB2526WSRC21881), (DLB2526WSRC21883), (DLB2526WSRC21884), (DLB2526WSRC21886), (DLB2526WSRC21887),(DLB2526WSRC21888) है। निविदा सूचना एवं शर्ते राजस्थान उपापन पोर्टल की बेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका महवा

राज.संवाद / सी / 25 / 12497

---

## Rajasthan State Hotels Corporation Ltd.

(A Govt. of Rajasthan Undertaking) Hotel Khasa Kothi, M.I.Road, Jaipur
Tel. No. 0141-2372118, Email-ed.rshc@rajasthan.gov.in

No. :- F-2( )/Acctts./Bid/RSHCL/2025/569-73 Date :- 16/10/2025

### E-BID NOTICE

E-Bids are invited up to 06.11.2025 from the eligible bidders for the procurement of Human Resource services for the Hotels of Rajasthan State Hotels Corporation Limited (RSHCL) for the period of one year. Detailed bid document can be downloaded from web site www.sppp.rajasthan.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in.
UBN : SHC2526SLOB00035

Raj.Samwad/C/25/12457 Executive Director (F&A)

---

## कार्यालय नगर निगम जोधपुर दक्षिण

(नगर निगम भवन, पोलोटेक्निक कॉलेज परिसर, रेजीडेन्सी रोड, जोधपुर)
(ceo_nnj@rediffmail.com Tel: 0291-2651464)

क्रमांकः- 12040 दिनांकः- 16.10.2025

### ई-निविदा सूचना

U. B. No. DLB2526GLOB21957

नगर निगम जोधपुर दक्षिण गैरेज शाखा के Tata कम्पनी के वाहनों / मशीनों के लिए स्पेयर पार्टस आपूर्ति एवं रिपेयरिंग कार्य हेतु दो वर्ष के लिए विनिर्माता / अधिकृत विकेता / ISO रजिस्टर्ड फर्मो से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत शर्ते www.eproc.rajasthan.gov.in, www.lsg.rajasthan.gov.in/mcjs एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

आयुक्त
नगर निगम जोधपुर दक्षिण

राज.संवाद / सी / 25 / 12459

---

## कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :-न.प.सु / विकास शाखा / 2025 / 7153 दिनांक :- 15 / 10 / 2025

### ई-निविदा सूचना 2025

नगर परिशद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से निविदा दिनांक 27.10.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांकः- (DLB2526WSOB21817) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिशद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ

राज.संवाद / सी / 25 / 12431

---

## RajCOMP Info Services Limited (RISL)

C-Block, 1st Floor, Yojana Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur

RISL द्वारा निम्न ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं :-

| NIB No./ Date/ Unique bid no. | Particulars | Estimated Cost/EMD | Start of sale / Last date |
|---|---|---|---|
| F4.3 (633)/RISL/Tech/ 2025/4253 Dated: 17/10/2025 UBN : RIS2526SLOB00042 | RFP for Selection of Agency for O&M of Integrated IT Solution (RajERP) for IT Enablement of Various PSUs Under the Govt. of Rajasthan. | Rs. 18 Crore / Rs. 36.00 Lakh | 17.10.2025 10.11.2025 |

विस्तृत जानकारी हेतु इन वेबसाईट पर सम्पर्क करें - http://risl.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://doitc.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in

Raj.Samwad/C/25/12442 Managing Director, RISL

---

## कार्यालय नगर निगम, जयपुर हैरिटेज

(पुराना पुलिस मुख्यालय, हवामहल के पीछे, जयपुर)

क्रमांक :- एफ-29( )/आ.न.जोन/हैरि ननिज/2025/460 दिनांक :- 16/10/2025
क्रमांक :- एफ-13( )/स्टोर.शाखा/हैरि ननिज/2025/200 दिनांक :- 17/10/2025

### ई-निविदा सूचना संख्या 90 से 102/2025-26 तक
### ई-निविदा सूचना क्रमांक 14/2025-26

नगर निगम जयपुर हैरिटेज के विभिन्न कार्यो हेतु पंजीकृत फर्म से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.jaipurmcheritage.org व राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in के UBN No. : JMC2526WSOB01800, 01801, 01802, 01803, 01804, 01805, 01806, 01807, 01808, 01809, 01812, 01814, 01816, JMC2526WSOB01824 पर देखी व ड़ाउनलोड़ की जा सकती है।

आयुक्त
नगर निगम जयपुर हैरिटेज

राज.संवाद/सी/25/12498

---

## कार्यालय उप वन संरक्षक, जयपुर

ग्रास फार्म नर्सरी, खांतीपुरा रोड, जयपुर
Email ID:dfosouthjpr@gmail.com, Phone No.0141-2350061

क्रमांकः एफ 07 (12) स्टोर / उवसंज/2025-26/ दिनांकः-

### NOTICE INVITING E-BID (Tender No. 23/2025-26)

(UBN NO FOR2526WS0B02695 (NIB NO FOR2526A1994)

राजस्थान लोक उपापन मे पारदर्शिता अधिनियम, 2012 एवं नियम 2013 के अन्तर्गत रेंज फागी अधीन क्षेत्र एच.एच.-52 जयपुर से देवली खंड चैनयज संख्या 03 किलोमिटर से 27 किलोमिटर तक रोड़ दोनो साईट कुल 59905 र0मी0 फेंसिंग आर.सी.सी. पोस्ट लगाकर बारबड़ वायर व फैसिंग जाली लगाने एवं मय समस्त सामग्री सहित लगाने का कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत सार्वजनिक निर्माण विभाग व राज्य सरकार के अधिकृत संगठनो जो राज्य सरकार के ए व बी श्रेणी के निर्माण कार्यों के संवेदकों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:-

| S. No. | Items | Estimated Cost | Document Bid Fees | RISL Processing Fee |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Fencing with RCC Post including barbed wire, cost of material, fixing, etc. under Phagi Range | 1.83 Crore | Rs 2000/-Egras Budget head-0075-00-800-52-01 | Rs 2000/-Egras Budget head -8658-00-102-16-03 |

| Sr.No. | Subject | Date | Time |
|---|---|---|---|
| 1. | Bid Submission Start Date | 13 OCT 2025 | 06.00 PM |
| 2. | Bid Submission End Date | 24 OCT 2025 | 5:00 PM |
| 3. | Last date of Submission of Hard Copy | 24 OCT 2025 | 06:00 PM |
| 4. | Technical Bid Opening Date | 27 OCT 2025 | 11:00 AM |
| 5. | Financial Bid Opening Date | To be announced after Technical Evaluation. | |

निविदा की विस्तृत सूचना एवं शर्ते कार्यालय के नोटिस बोर्ड, एवं htpp:/eproc.rajasthan.gov.in and http.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। तथापि निविदा के संबंध में संशोधन वांछित होने पर उक्त वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जायेगा।

(वी. केतन कुमार) IFS
उप वन संरक्षक, जयपुर

DIPR/C/15359/2025

---

## कार्यालय उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घडियाल अभ्यारण्य, धौलपुर

महिला पुलिस थाने के पास हाउसिंग बोर्ड पुरानी छावनी धौलपुर पिन कोड 328001 Email ID- dcfwl.ncs.forest@gmail.com

क्रमांक- एफ()/उवस/वजीधौ/राचघअ/2025-26/2960 दिनांक-14.10.2025

### निविदा सूचना

| क्र. सं. | सूचना संख्या मय दिनांक | कार्य का नाम | निविदा (बोली) डाउनलोड एवं अपलोड करने की अंतिम समय एवं दिनांक | UBN NO. | अनुमानित लाद्दत लाखों में | निविदा संख्या | प्रकार की रीत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Rajkaj Ref Nos 18289888Date 12.10.2025 | Construction of stone masonary boundary WALL 1000 mTR. Hight 1.82 Mtr. at NAKA Kesharbhag wildlife Vanvihar District-Dholpur | 11.00 AM 27.10.2025 | FOR2526 WSOB02714 | 40.00 | 47/2025-26 | एक मुख्य दैनिक समाचार पत्र और पचास हजार या इससे अधिक प्रतियों के परिचालन वाला एक राज्य स्तरीय मुख्य दैनिक समाचार पत्र। |
| 2 | Rajkaj Ref No 18291358 Date 12.10.2025 | Comstrictopm of Anicut Type III at Naka Kesarbhag of Wildlife Vanvihar Dholpur District-Dholpur | 10.00 AM 27.10.2025 | FOR2526 WSOB02715 | 6.50 | 48/2025-26 | एक क्षेत्रीय दैनिक समाचार पत्र |

(डा.आशीष व्यास) उप वन संरक्षक (वन्यजीव)
राष्ट्रीय चम्बल घडियाल अभ्यारण्य, धौलपुर

DIPR/C/15489/2025

---

## कार्यालय अधीक्षक जे.के. लोन मातृ एवं शिशु चिकित्सालय, कोटा संलग्न राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, कोटा (राज.)

क्रमांक-लेखा/क्रय/2025-26/2557 दिनांक-01.10.2025

इस चिकित्सालय में जारी ऑनलाइन बोली संख्या 05/2025-26/2551 दिनांक 29.09.2025 आमंत्रित की गयी है। जिसकी समयावधि में लिपिकीय त्रुटि होने के कारण उक्त निविदा से निम्नानुसार संशोधन किया जाता है।

| क्र. सं. | आईटम का नाम | कार्य की अनुमानित लगत वार्षिक | बोली शुल्क | धरोहर (EMD) राशि रू. | प्रि-बिड मीटिंग | ऑन लाईन बोली फार्म मिलने व जमा कराने की तिथि, समय | ऑनलाईन बोली खोलने की तिथि (तकनीकी बिड) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बजट मद अधीक्षक एवं सदस्य सचिव आर.एम.आर.एस. | | | | | | | |
| 1 | New MGPS line को Old MGPS o2 Line attech at J.K. lon hospital Kota. (AS per attach specification) UBN NO. CMK2526WSOB00144 | 4.76 लाख | 500/- | 9520/- | 16.10.25 दोपहर 1.00 बजे | 06.10.2025 से 27.10.2025 समय 5.00पी.एम. | 28.10.25 समय 1.30 पी.एम. |
| 2 | चिकित्सालय के ब्लड सेंटर में अधिशेष प्लाजमा एक्सजेंज हेतु दर संविदा द्विवार्षिक UBN NO. CMK2526GLOB00145 | 180 लाख | 2000/- | 360000/- | 16.10.25 दोपहर 1.00 बजे | 06.10.2025 से 27.10.2025 समय 5.00पी.एम | 28.10.25 समय 1.30 पी.एम. |
| 3 | चिकित्सालय में पुराने व नए परिसर एवं ब्लड बैंक में सफाई कार्य आपूर्ति हेतु दर संविदा UBN NO. CMK2526GLOB00146 | 135 लाख | 2000/- | 2.70/-लाख | 16.10.25 दोपहर 1.00 बजे | 06.10.2025 से 27.10.2025 समय 5.00पी.एम | 28.10.25 समय 1.30 पी.एम. |

DIPR/C/15407/2025 अधीक्षक, जे.के. लोनमातृ एवंशिशुचिकित्सालय, कोटा

---

## कार्यालय जिला परिषद, बून्दी (राजस्थान)

क्रमांक :- जिपबू/स्टोर/2025राजकाज रे. 18417015 दिनांक :- 17/10/2025

### विस्तृत ई-बोली आमंत्रण सूचना संख्या - 04/2025-26

कार्यालय जिला परिषद बून्दी के विभिन्न अनुभागो में एक वर्ष के लिए जॉब बेसिस (कार्य आधार) पर प्रशिक्षित कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रशिक्षित वाहन चालक की सेवाएं उपलब्ध करवाने हेतु पंजीकृत बोलीदाता/संवेदक, जो कि राजस्थान अनुबंधित श्रमिक (नियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम, 1970, कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948, वस्तु एवं सेवाकर (GST), आयकर (PAN नंबर) एवं राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक संस्थान अधिनियम, 1958 या इण्डियन पार्टनरशिप एक्ट, 1932 के अन्तर्गत या इंण्डियन कम्पनी एक्ट, 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया के तहत ऑनलाईन निविदा के माध्यम से निम्न विवरणानुसार ई-बोली (तकनीकी-वाणिज्यिक बोली एवं वित्तीय बोली) आमंत्रित की जाती है।

| क्र. सं. | बोली का विवरण | अनुमानित लागत रु. वार्षिक | बोली प्रतिभूति राशि रु. | निविदा प्रपत्र शुल्क | RISL प्रोसेसिंग शुल्क | बोली दस्तावेज डाउनलोड शुरू करने की तिथि व समय | बोली दस्तावेज अपलोड कराने की अन्तिम तिथि एवं समय | तकनीकी बोली खोलने की दिनांक व समय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | मानव संसाधन आपूर्ति हेतु निविदाः- कार्यालय जिला परिषद बून्दी के विभिन्न अनुभागों में 11 प्रशिक्षित कम्प्यूटर ऑपरेटर व 2 प्रशिक्षित वाहन चालक सेवा प्रदाता एजेसियों के माध्यम से लेने बाबत् | 19.50 लाख | 39,000 | 500 रुपये | 500 रुपये | 17.10.2025 को सांय 5:00 बजे से | 27.10.2025 को दोपहर 3:00 बजे तक | 27.10.2025 को सांय 4:00 बजे |

निविदा की विस्तृत शर्ते एवं जानकारी http://www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in अथवा कार्यालय जिला परिषद बून्दी (राज.) से प्राप्त की जा सकती है।
UBN No. : ZBD2526SLOB00435, NIB : ZBD2526A0172

मुख्य कार्यकारी अधिकारी
जिला परिषद, बून्दी

राज.संवाद/सी/25/12502

---

## कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वृत राजसमन्द

Phone: 02952-22313 E-Mail: SECIRELE.RAJ.PHED@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांक-अधी. अभि. /वृत्त/राज. /2025-26/3294 दिनांक-10.10.2025

### ई-निविदा सूचना संख्या 76 से 79/2025-26
(NIB NO. PHE2526A3562)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नलिखित निर्माण/आपर्ति कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत मान्यता प्राप्त संवेदकों से ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

| क्र.सं. | निविदा क्रमांक | कार्य का विवरण | अनु.लागत (लाखों में) | निविदा फीस | RSL फीस | धरोहर राशि 2% | धरोहर राशि 0.5% | ई-प्रोक पर निविदा उपलब्ध दिनांक | ई-निविदा भरने की अंतिम तिथ | निविदा (p.q) खोलने की तिथि | कार्य अवधि | यूबीएन नं. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 76 | WORK SUPPLY AND INSTALLATION OF SOLAR PANAL ATT VARIOUS WATER SOURCE IN ADBADAREDA CLUSTER MLA CONTIGENCY RAJSAMANDD UNDER DMFT 16 GC BLOCK RAJSAMAND, DISTRICT RAJAMAND WITH 2 YEAR DLP | 97.92 | 1500 | 1500 | 195840 | 48960 | 4.10.25 | 21.10.25 | 24.10.25 | 06 MONTH | PHE 2526WS OB07261 |
| 02 | 77 | WORK SUPPLY AND INSTALLATION OF SOLAR PANAL ATT VARIOUS WATER SOURCE IN KELWA CLUSTER MLA CONTIGENCY RAJSAMANDD UNDER DMFT 16 GC BLOCK RAJSAMAND, DISTRICT RAJAMAND WITH 2 YEAR DLP | 117.45 | 2000 | 2000 | 234900 | 58725 | 4.10.25 | 21.10.25 | 24.10.25 | 06 MONTH | PHE 2526WS OB07262 |
| 03 | 78 | WORK SUPPLY AND INSTALLATION OF SOLAR PANAL ATT VARIOUS WATER SOURCE IN KUNWARIYA CLUSTER MLA CONTIGENCY RAJSAMANDD UNDER DMFT 16 GC BLOCK RAJSAMAND, DISTRICT RAJAMAND WITH 2 YEAR DLP | 63.43 | 1500 | 1500 | 126860 | 31715 | 4.10.25 | 21.10.25 | 24.10.25 | 06 MONTH | PHE 2526WS OB07263 |
| 04 | 79 | Construction of Open well GLSR and Providing Laying jointing of Pipelinewith Solarization at Source Under DMFT 16th GC with 1 year Defeat Liability Period at village-Dabkuriya GP Koyal Block Kumbhalgarh, District Rajasmand | 66.67 | 1500 | 1500 | 133336 | 33334 | 4.10.25 | 21.10.25 | 24.10.25 | 06 MONTH | PHE 2526WS OB07264 |

(रामावतार सैनी)
अधीक्षण अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
वृत्त राजसमन्द

DIPR/C/15368/2025

## संक्षिप्त

### जिला स्तरीय कार्यक्रम 18 को

कोटपूतली-बहरोड़(निसं)। जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी ने बताया कि 18 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे से पंचायत समिति सभागार, कोटपुतली में 'मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि' किश्त हस्तांतरण का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा भतरपुर के नदबई में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से वर्चुअली जुडकर मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की चौथी किश्त का डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण करेंगे। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम ब्लॉक स्तर व ग्राम पंचायत स्तर पर भी आयोजित होगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां अशोक दीप पिंगोलिया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

### एनिकट में डूबने से महिला एवं बेटी की मौत

दौसा(निसं)। दौसा जिले के नांगल राजावतान थाना क्षेत्र के रानीवास गांव में आज शुक्रवार को एक महिला और उसकी ढाई साल की बेटी के शव एक एनिकट (छोटा बांध) में पड़े मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस मौके पर पहुँची और एसडीआरएफ () टीम की मदद से मां-बेटी के शवों को एनिकट से बाहर निकलवाया। पुलिस ने शवों को दौसा जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। जानकारी के अनुसार, मृतक महिला रोशनी देवी गुरुवार को दीपावली की साफ-सफाई को लेकर परिजनों से कहासुनी के बाद अपनी ढाई साल की बेटी को लेकर घर से लापता हो गई थी।परिवार ने काफी तलाश के बाद पुलिस थाने में गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी। आज सुबह एक व्यक्ति ने गांव के बाहर बने एनिकट में शव तैरते देखे, जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला घरेलू विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पीहर पक्ष के आने के बाद दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

### अधिवक्ताओं ने बार काउंसिल सदस्य का स्वागत किया

देवली (निसं)। यहां राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर से बार काउंसिल सदस्य डॉ. महेश शर्मा के देवली पहुंचने पर स्थानीय अधिवक्ताओं ने उनका स्वागत किया। एडवोकेट अजीत सिंह ने बताया कि स्थानीय अधिवक्ताओं ने बार काउंसिल सदस्य महेश शर्मा का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर शर्मा ने अधिवक्ताओं की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और उन्होंने बताया कि महेश शर्मा हमेशा अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। ऐसे शर्मा ने बताया कि पूर्व में भी कई विवादों एवं मसलों को सुलझाने में उनका सहयोग रहा है। इस मौके पर एडवोकेट अजीत सिंह ललित चौहान अनिल बुरेटिया बाबूलाल मीणा, वीरेंद्र जैन (चीनू) एडवोकेट जेम्न एडवोकेट बैरागी सहीत बार संघ के कई सदस्य मौजूद थे।

### शक्करगढ़ में 4 ट्रैक्टर जब्त

जहाजपुर (निसं) । अवैध बजरी परिवहन पर शिकंजा कसते हुए डीएसपी नरेंद्र पारीक ने बड़ी कार्रवाई की। शुक्रवार को शक्करगढ़ थाना क्षेत्र में अवैध बजरी ढो रहे चार ट्रैक्टरों को जब्त करके खनन एक्ट में कार्रवाई शुरू कर दी। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में बजरी माफियाओं में हड़कंप मच गया है। डीएसपी पारीक ने बताया कि अवैध खनन व बजरी परिवहन पर लगातार नजर रखी जा रही है। कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं ताकि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर पूर्ण विराम लगाया जा सके। कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी पूर्णराम मीणा, कांस्टेबल गजवीर और रामराज सहित पुलिस टीम मौजूद रही। टीम ने मौके पर ट्रैक्टरों को जब्त कर थाने में सुपुर्द किया।

### शेखावत ने दोबारा किया अतिरिक्त पदभार ग्रहण

पावटा(निसं)। सीएमएचओ कोटपुतली -बहरोड डॉ आशीष सिंह शेखावत द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बीलवाडी के चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कृष्ण सिंह शेखावत को अपने इस कार्य के साथ साथ खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी बीसीएमएचओ पावटा का अतिरिक्त दायित्व सौंपा है। चिकित्सा विभाग के पावटा मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ कृष्ण सिंह ने शुक्रवार को दोबारा पदभार ठाहण किया। इस अवसर पर विभाग के अधिकारियों और कार्मिकों ने उनका स्वागत किया।

# आत्मनिर्भर भारत केवल नारा नहीं, राष्ट्रीय संकल्प है: गजेंद्र सिंह शेखावत

दौसा में समारोह को सम्बोधित करते हुये केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत।

■ भारत आज रक्षा क्षेत्र में, मोबाइल क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो चुका है।भारत को विश्व की तीसरी आर्थिक ताकत बनाने का प्रधानमंत्री मोदी का सपना है, जो जल्दी पूरा होने वाला है

दौसा(निसं)। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत आज दौसा विधानसभा क्षेत्र का विधानसभा सम्मेलन दौसा में आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा देश की आत्मनिर्भरता के संकल्प को सशक्त बनाने और स्वदेशी विचार को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने पर चर्चा की गई। आत्मनिर्भर भारत का विचार केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आंदोलन है। जो देश की आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी स्वतंत्रता की नींव को सुदृढ़ करता है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में असीमित प्रतिभा, संसाधन और परंपरागत ज्ञान मौजूद है। यदि हम अपने स्थानीय कारीगरों, छोटे उद्योगों और स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें तो भारत आत्मनिर्भर बनने के साथ एक सशक्त वैश्विक अर्थव्यवस्था के रूप में भी उभरेगा। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया अभियान इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि आयात पर निर्भरता भी घटेगी। जब स्थानीय उत्पादों की गुणवत्ता और पहचान बढ़ेगी, तब राष्ट का गौरव भी सुदृढ़ होगा।

आत्मनिर्भरता का अर्थ है कि देश अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं करे और विदेशी निर्भरता को कम करे। घरेलू उत्पादन और व्यापार को प्रोत्साहन देने से मुद्रा का संरक्षण होगा। उन्होंने कहा कि कृषि और ग्रामीण विकास आत्मनिर्भर भारत का मूल स्तंभ है। किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उनकी आय बढ़ाने, आधुनिक तकनीक अपनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के प्रयासों से गांवों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इससे पलायन रुकेगा और ग्रामीण भारत की आत्मनिर्भरता साकार होगी। उन्होंने युवाओं से आ ान किया कि वे स्टार्टअप्स और नवाचार के माध्यम से देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभाएँ। उन्होंने कहा कि भारत के युवा असीम ऊर्जा और नवाचार शक्ति के धनी हैं।

उन्होंने रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि जब हम अपने हथियार, मिसाइलें और अंतरिक्ष उपकरण स्वयं तैयार करेंगे, तब हमारी रणनीतिक सुरक्षा और राष्ट्रीय सम्मान दोनों सुनिश्चित होंगे। यह स्वदेशी तकनीक शक्ति के साथ हमारे गौरव का भी परिचायक है। आप सभी को देश पर गर्व करना चाहिए। दैनिक जीवन में स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करते रहना चाहिए और विदेशी वस्तुओं से बचना चाहिए। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एकजुट होकर भारत को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प ले। उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यह अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का माध्यम है।

भारत आज रक्षा क्षेत्र में मोबाइल क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो चुका है भारत को विश्व की तीसरी आर्थिक ताकत बनाने का प्रधानमंत्री मोदी का सपना है, जो जल्दी पूरा होने वाला है। प्रधानमंत्री ने लोकल फोर वोकल का नारा देकर स्वदेशी को बढ़ावा दिया है। आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर होता जा रहा है। विकसित भारत का एकमात्र मार्ग अधिक से अधिक भारतीय उत्पादों का उपयोग करें। इसके लिए हम हर घर की रसोई से शुरुआत करेंगे कपड़े, बर्तन, सजावट के समान पर, साबुन, तेल, शैंपू, टूथपेस्ट एवं शादी विवाह त्यौहारो पर सबसे ज्यादा भारतीय उत्पादों का ही उपयोग करें।

उन्होंने कहा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान समस्त विश्व ने भारत की आत्मनिर्भरता को महसूस किया है पाकिस्तान ने हजारों ड्रोन दागे लेकिन हमारे आकाश मिसाइल सिस्टम और आकाशतीर ने उन्हें हवा में ही खत्म कर दिया और हम खुद रक्षा उपकरण बनाकर निर्यात कर रहे हैं। कोविड के समय भारत ने वैक्सीन बनाकर करोड़ों लोगों की जान बचाई। आज देश में मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, ऑटो पार्ट्स, सोलर पैनल, और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में विश्वस्तरीय उद्योग लग रहे हैं। इस से हमारे आयात घट रहे है व निर्यात में बढ़ावा देखने को मिल रहा है। स्वदेशी अपनाने से आत्मनिर्भर भारत बनेगा और उसी से ही विकसित भारत का सपना साकार होगा।

### श्री सांवलिया सेठ के लिये रोड़वेज बस सेवा शुरू

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रोड़वेज बस डिपो स्थित आगार कार्यालय से शुक्रवार को कोटपूतली से श्री सांवलिया सेठ के लिये रोड़वेज बस सेवा शुरू की गई। इस मौके पर विधायक हंसराज पटेल ने हरी झण्डी दिखाकर बस को रवाना किया। रोड़वेज बस कोटपूतली से श्री सांवलिया सेठ वाया नीमकाथाना, सीकर होते हुये पहुंचेगी।

इस मौके पर विधायक पटेल ने कहा कि यह बस सेवा आमजन की सुविधा हेतु एक महत्वपूर्ण पहल हैं। जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर एवं सुगम यातायात सुविधा प्राप्त होगी। यात्रियों को सीधे श्री सांवलिया सेठ पहुंचने में बेहद आसानी होगी। पटेल ने विधि-विधान से पूजा अर्चना कर बस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया एवं बस के चालक व परिचालक का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

साथ ही उन्हें सुरक्षित एवं सफल संचालन के लिये शुभकामनायें भी दी। आगार प्रबंधक मंजू चौधरी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान पूर्व चैयरमैन एड. महेन्द्र कुमार सैनी, एड. कमल कसाना, नगर मण्डल अध्यक्ष कार्मिक एवं आमजन मौजूद रहें।

### आई हॉस्पिटल ने आंखों की अंधता से पीड़ित महिला को रोशनी लौटाई

देवली ( निसं )। शहर के माहेश्वरी आई हॉस्पिटल के डॉक्टर एस एस लाठी ने आंखों की अंधता का एक सफल ऑपरेशन करके गरीब महिला को फिर से रंगीन दुनिया दिखाई दी। स्थानीय माहेश्वरी आई हॉस्पिटल के डॉक्टर एस एस लाटी ने मोतियाबिंद की बीमारी से ठास्त लाड देवी बैरवा उम्र 35 वर्ष अपनी दोनों आंखों की रोशनी चले जाने के कारण से कुछ देख नहीं पा रही थी। ऐसे में लाड देवी के परिजन उसे यहां अस्पताल में लेकर आए और इस दौरान लाड देवी के परिजनों ने बताया कि पिछले तीन वर्षों से लाड देवी की आंखों की रोशनी चली गई है ऐसे में वह,कुछ नहीं देख पा रही है अपनी आंखों की समस्या के कारण बेहद परेशान रहती है। साथ ही यह भी बताया कि लाड देवी बेरवा एक गरीब परिवार से है इसके माता-पिता नहीं है ।

डॉ लाठी ने उक्त महिला की आर्थिक स्थिति और परेशानी को देखते हुए सर्वप्रथम पीड़ित महिला को परामर्श दिया। इसके बाद डॉ लाठी ने साथ में आए रिश्तेदारों को बताया कि लाड देवी को उच्च गुणवत्ता के इलाज की जरूरत है। उच्च गुणवता के इलाज से लाड देवी की दोनों आंखें ठीक हो सकती है। और यह वापस से सब कुछ साफ साफ देख भी सकती है ।

इस पर परिजनों ने डॉक्टर से उक्त महिला की आंखों की बीमारी के इलाज का खर्च पूछा तो डॉक्टर लाटी ने उक्त गरीब महिला की स्थिति को ध्यान में रखते हुए नाम मात्र 15 हजार रुपए का खर्च बताया और कहा कि बिना इंजेक्शन से दूरबीन के जरिए आंखों का ऑपरेशन किया जाएगा । इस पर उक्त महिला के रिश्तेदारों ने उक्त महिला का मामूली खर्च पर इलाज शुरू करवा दिया। डॉक्टर लाठी ने उक्त मरीज महिला की पहले दाई आंख का दूरबीन से ऑपरेशन किया जो 100 सफल रहा डॉक्टर लाठी ने उक्त गरीब महिला को अंधता से मुक्ति दिलाते हुए उसकी एक आंख में रोशनी वापस लौटा दी। डॉक्टर लाठी ने बताया कि दूसरी आंख का ऑपरेशन कुछ दिनों बाद ऑपरेशन किया जाएगा जिससे दूसरी आंख मैं भी रोशनी वापस आने की पूरी पूरी संभावना है।

### शाहपुरा में डिजीटल कक्ष व सरस्वती मन्दिर का लोकार्पण

शाहपुरा ( निस )। शाहपुरा में साहित्यकार अनुराग बाला पाराशर की स्मृति में गठित अनुराग बाला पाराशर फाउंडेशन की ओर से शुक्रवार को आदर्श विद्या मन्दिर माध्यमिक विद्यालय गांधीपुरी में नवनिर्मित डिजीटल कक्षा कक्ष एवं सरस्वती मन्दिर का लोकार्पण किया गया। दोनो का निर्माण लगभग 6 लाख रू की लागत से अनुराग बाला पाराशर फाउंडेशन ने कराया है। इस मौके पर बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए फाउंडेशन की ओर से शाहपुरा ब्लॉक में प्रथम दो स्थानों पर रहने वाली दो बालिकाओं का स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र एवं नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। शिक्षाविद प्रेमदेवी पाराशर के आतिथ्य में आयोजित समारोह मे बतौर अतिथि के पूर्व उपनिदेशक आयर्वुद डा. कमलाकांत शर्मा कमल, एसीबीईओ डा सत्यनारायण कुमावत, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष कन्हैयालाल वर्मा, सचिव विजय सिंह राणावत, विपिन सनाठ्य, संस्थापक डा कमलेश पाराशर, विद्यालय के प्रधानाचार्य दुर्गालाल जांगिड़ की मौजूदगी में आयोजित समारोह में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शाहपुरा ब्लॉक में प्रथम स्थान पर रही रिंकू द्वारका कीर फुलियाकलां व द्वितीय स्थान पर रही माया भेरूलाल गुर्जर डोहरिया को फाउंडेशन की ओर से स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र एवं नकद राशि देकर सम्मानित किया गया।

समारोह में पूर्व डीडी तेजपाल उपाध्याय ने कार्यक्रम की प्रस्तावना व अनुराग बाला के जीवन व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके रचनात्मक कार्यो पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डा.परमेश्वर कुमावत ने अनुराग बाला के साहित्य पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा राजकीय सेवा व साहित्य के क्षेत्र में की गई सेवाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि उनके गीत व कहानी पर फिल्में बन चुकी है। फाउंडेशन के संस्थापक डा कमलेश पाराशर ने सभी का स्वागत करते हुए आज धनवन्तरी जयंती की पूर्व संध्या होने पर सभी के स्वस्थ्य होने की कामना करते आज की पीढी में संस्कारों को पल्लवलित करने पर जोर दिया।

### सआदत अस्पताल में मॉकड्रिल का आयोजन

टोंक( निसं )। मुख्यालय स्थित सआदत चिकित्सालय (जिला अस्पताल टोंक) में शुक्रवार को जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा आपातकालीन मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक

■ आग लगने की आपात स्थिति से निपटने का अभ्यास

जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा आपातकालीन मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

ड्रिल के तहत सआदत अस्पताल के पीछे आग लगने की सूचना मिलते ही जिला एवं पुलिस प्रशासन, चिकित्सा विभाग, अग्निशमन एवं सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। इस मौके पर उपखंड अधिकारी टोंक हुकमीचंद रोहलानिया, पुलिस उपाधीक्षक राजेश कुमार, नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट स्वयं पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान अस्पताल में आग लगने की स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न विभागों की प्रतिक्रिया और समन्वय को जांचा गया।

मॉक ड्रिल के दौरान सभी संबंधित विभागों ने आपसी समन्वय के साथ राहत और बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया। एसडीओ ने बताया कि आग लगने में एक व्यक्ति को सिर पर चोट आई है तथा एक अन्य व्यक्ति पैर में फेक्चर हुआ है। घायलों को सआदत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होने कहा की इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य यह जांचना था कि आपदा की स्थिति में विभिन्न विभाग कितने सजग और तैयार हैं। इस दौरान सआदत अस्पताल के पीएमओ हनुमान बैरवा समेत मेडिकल स्टॉफ मौजूद रहे।

### स्कूलों और ग्राम पंचायतों को करेंगे तंबाकू मुक्त

टोंक(निसं)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये जा रहे टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 3.0 अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अनतर्गत 9 अक्टूबर से 12 दिसंबर 2025 तक सघन जन जागरण गतिविधियों के साथ जिले के समस्त विद्यालयों तथा ग्राम पंचायतों को तंबाकू मुक्त घोषित करवाया जाएगा। इसके लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी विभागों के समन्वय द्वारा यहां कोटपा एक्ट 2003 की समस्त धाराओं व तंबाकू फ्री गाइडलाइंस की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित करवाई जाएगी।

सीएमएचओ डॉ शैलेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 3.0 का मुख्य उद्देश्य युवाओं तथा बच्चों को तंबाकू जैसे जहर से दूर रखना है इसके लिए विभिन्न विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं, स्काउट एंड गाइड के सहयोग से वाद विवाद प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, रैली, नुक्कड़ नाटक व अन्य जन जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएगी।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के जिला सलाहकार रविकान्त शर्मा ने बताया कि अभियान के अंतर्गत समस्त स्टेकहोल्डर्स जिनमें सरपंच सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, तंबाकू विक्रेता, खाद्य सुरक्षा प्रकोष्ठ, तंबाकू उपयोगकर्ता, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ संगोष्ठि कार्यक्रम आयोजित होंगी। ग्राम स्तर पर गठित वीएचएसएनसी समिति तथा शहरी क्षेत्र में गठित मास समितियां द्वारा जन-जन तक तंबाकू के दुष्प्रभाव को लेकर जागरूकता लाई जाएगी। तंबाकू छोड़ने के लिए आमजन को प्रेरित कर उन्हें तंबाकू से सेशेषन कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा।

# जिला कलेक्टर ने ग्रामीण सेवा शिविर का अवलोकन किया

दौसा( निसं )। जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने शुक्रवार को दौसा पंचायत समिति की बाणे का बरखेड़ा ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने शिविर में हो रहे कार्यों का फीडबेक लिया और लाभार्थियों को पट्टा एवं बीमा पॉलिसी का वितरण किया।

जिला कलक्टर ने शिविर का अवलोकन करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने हर जरूरतमंद व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए यह अभियान शुरू किया है।

उन्होंने अधिकारियों को राज्य सरकार की इसी मंशा को ध्यान में रखते हुए शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और पात्र व्यक्तियों को विभिन्न योजनाओं एवं जरूरी सुविधाओं के

शिविर में पट्टे वितरण करते हुये जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार।

माध्यम से अधिकाधिक लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने इस दौरान लाभार्थियों से बातचीत कर शिविर में मिल रहे लाभ और जनकल्याणकारी योजनाओं की क्रियान्विति का फीडबेक लिया। उपखण्ड अधिकारी संजु मीना ने बताया कि शिविर के दौरान आच्छीवास गांव के दो भाइयों भगवान्या कुम्हार और लक्ष्मण कुम्हार की जमीन का आपसी सहमति से विभाजन कर राहत दी गई। राजस्व टीम ने मौके पर ही इसके लिए

■ जिला कलेक्टर ने शिविर का अवलोकन करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने हर जरूरतमंद व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए यह अभियान शुरू किया है

पूरी कार्यवाही की और जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने अपने हाथों से लाभार्थियों को भूमि विभाजन के दस्तावेज सौंपे।

उपखण्ड अधिकारी ने बताया कि शिविर में पशु पालन विभाग ने मंगला पशु बीमा योजना के अन्तर्गत 18 पशु पालकों को बीमा पॉलिसी, ग्राम पंचायत ने 15 पट्टे, महिला एवं बाल विकास विभाग ने 1 लाभार्थी को पोषण किट, राजस्व विभाग ने 10 नामान्तकरण, 11 फार्मर रजिस्ट्री, 6 जाति प्रमाण पत्र एवं 20 किसानों को किसान गिरदावरी एप की जानकारी दी। इसी प्रकार अन्य विभागों ने भी विभागीय योजनाओं के माध्यम से आम जन को लाभान्वित किया। इस अवसर पर दौसा विकास अधिकारी बाबुलाल मीना, तहसीलदार भाण्डारेज सुरेन्द्र आर्य, अतिरिक्त विकास अधिकारी गिर्राज प्रसाद यादव, ग्राम विकास अधिकारी राजसिंह तंवर, पूर्व सरपंच रामसिंह कसाना सहित सभी विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

## सार-समाचार

### टोडारायसिंह में 40 किलो मावा नष्ट

टोंक( निसं )। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत टोडारायसिह उपखण्ड के कई प्रतिष्ठानों पर छापे मारे गए। जिसके अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा की टीम ने कार्यवाही करते हुए 40 किलो खराब मावा और कई एक्सपायरी खाद्य पदार्थ नष्ट किए गए। इस अवसर पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदन लाल गुर्जर के नेतृत्व में टीम ने श्री जोधपुर मिष्ठान भंडार, लक्ष्मी मिष्ठान भंडार, जोधपुर मिष्ठान भंडार और साहू मिष्ठान भंडार से मावा और मावा बर्फी के नमूने लिए। निरीक्षण के दौरान लगभग 40 किलो खराब मावा मौके पर ही नष्ट किया गया तथा नक्श बेकरी में सॉस, बिस्किट और आइसक्रीम जैसे एक्सपायरी खाद्य पदार्थ पाए गए, जिन्हें तुरंत नष्ट करवाया गया। इन प्रतिष्ठानों को खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के तहत सुधार नोटिस भी जारी किए गए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदन लाल गुर्जर ने बताया कि जांच रिपोर्ट में मिलावट पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कडी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि दीपावली तक यह अभियान जारी रहेगा, ताकि उपभोक्ताओं को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री मिल सके।

### सांभर में निगम का दीपावली मेंटेनेंस दे रहा लोगों को टेंशन

सांभरझील ( निसं )। कई दशकों से हर बार निगम की चलने वाली दीपावली मेंटेनेंस की परंपरा यहां के लोगों के लिए मेंटली टेंशन देने का काम कर रही है। मेंटेनेंस के नाम पर सुबह का पता न रात का ठिकाना। अधिकतर संध्या आरती के पश्चात लाइट का गुल हो जाना उन महिला ग्रहणियों के लिए बेजा दंश दे रही है जो नियमित रूप से रसोई घर में अपने काम की शुरुआत करती है। जैसे ही खाना पकाने का दोर शुरु और लाइट गुल और चारों ओर छा जाता है घुप अंधेरा। प्रश्न इस बात का है कि दिवाली के नजदीक आते ही आखिर निगम को मेंटेनेंस की याद कैसे आती है, एक महीने पहले तो ठाले बैठे रहेंगे व फिर मेंटेनेंस के नाम पर कई घंटे तक घोषित व अघोषित विद्युत सप्लाई बंद कर दी जाती है। अच्छी बात है मेंटेनेंस होनी चाहिए लेकिन दीपावली के एन वक्त पर ही क्यों? यह के कई लोगों से बात की गई तो बताया कि दोनों दलों के नेताओं में राजनीतिक करंट ही नहीं है न तो उनमें करंट है और न ही यहां के नेता काम करने में खरंट है। लोगों का यह भी कहना है कि सांभर हर तरह से राजनीतिक नेतृत्व विहिन हो चुका है और सांभर की दशा और दिशा कौन बदलेगा इसका उत्तर किसी की पास नहीं है। निगम को चाहिए कि करीब एक माह पहले ही मेंटेनेंस का कार्य पूरा निपटा दें ताकि त्यौहारों के सीजन में बेवजह ही लोगों को इस परेशानी से नहीं जूझना पड़े।

### दीपावली पर दिन-रात काम में जुटे कुम्हार, बाजार पहुंचे दीये

पावटा( निसं )। दीपावली के नजदीक आते ही कुम्हार दीये बनाने के काम में तेजी से जुट गए हैं। उन्हें उम्मीद है कि इस बार उनकी दीवाली भी रोशन रहेगी। दीपों के पर्व दीपावली नजदीक आ चुकी है। इस दौरान कुम्भकारों ने बताया कि दिन-रात काम कर रहे हैं। कुम्हारों को उम्मीद है कि अब उनका पुस्तैनी कारोबार फिर से लौट आएगा। दीपावली पर इस बार लोगों के घर आंगन मिट्टी के दीये से रोशन होंगे। बाजार में भी मिट्टी के दीये बिकने के लिए पहुंच गए हैं। लोगों ने दीयों की खरीददारी भी शुरू कर दी है। गांव में सदियों से पारंपरिक कला उद्योग से ठाामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में जहां पूरा सहयोग मिलता रहा, वहीं गांव में रोजगार के अवसर भी मिल रहा है। कई कुम्भकार इलेक्ट्रानिक चाक से मिट्टी को दीयों को स्वरूप दे रहे हैं। दीपावली 20 नवंबर को मनाई जाएगी। दीप पर्व पर मिट्टी के दीयों से घर को रोशन करने की परंपरा सदियों पुरानी है। गांव में मिट्टी दीये-बर्तन बनाने वाले कुम्भकारों ने बताया कि शुरुआत में दीयों की कीमत कम होती है। मगर जैसे-जैसे त्योहार नजदीक आता है और डिमांड बढ़ती जाती है, दीयों के रेट भी बढ़ते जाते हैं। दीपावली तक 100 रुपए सैकड़ा तक दीये बिक जाते हैं। डिजायनर दीये थोड़े महंगे होते हैं। हालांकि मिट्टी लाने व दीये बनाने से लेकर पकाने में जो खर्च होता है, उसके हिसाब से लाभ नहीं हो पाता। ऐस में लागत ही निकल आए, वही हमारे लिए बेहतर होता है, लाभ कमाने की तो बात ही नहीं। मिट्टी के दीयों से अपने घर-आंगन को सजाने की तैयारी लोगों ने शुरू कर दी है। बदलते ट्रेंड के साथ लोग डिजाइनर दीये भी खूब पसंद करने लगे हैं। इसी कारण कुम्भकार दीये की अलग-अलग वैरायटी बनाने लगे हैं। इनकी डिमांड हर बार रहती है।

### ब्राह्मण समाज ने उपखंड अधिकारी साधना शर्मा का स्वागत किया

पावटा( निसं )। ब्राह्मण समाज पावटा की ओर से नवनियुक्त उपखंड अधिकारी साधना शर्मा का शुक्रवार को पावटा तहसील ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष राजेश शर्मा के नेतृत्व में शॉल, माला, गुलदस्ता और भगवान परशुराम की तस्वीर भेंट कर स्वागत-अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में पावटा तहसील ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष राजेश शर्मा, एडवोकेट विष्णु शर्मा, सुरेश शर्मा, धीरज वशिष्ठ, जितेंद्र शर्मा, गजानंद टीलावत, पावटा नगर ब्राह्मण महासभा कोषाध्यक्ष ललित शर्मा, घनश्याम शर्मा सहित विप्रजनों की मौजूदगी में नवनियुक्त पावटा उपखंड अधिकारी साधना शर्मा का सम्मान व स्वागत किया गया। इस स्वागत-अभिनंदन से अभिभूत उपखंड अधिकारी साधना शर्मा ने आभार जताते हुए कहा कि सबके सहयोग से उपखंड पावटा को बेहतर बनाया जाएगा।

### केंद्रीय कारागार में बंदियों द्वारा बनाए जा रहे मिट्टी और गोबर के दीपक

दौसा( निसं )। दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में विशेष केंद्रीय कारागार, श्यालावास में बंदियों द्वारा पारंपरिक और पर्यावरण-अनुकूल दीपक तैयार किए जा रहे हैं। इन दीपकों का निर्माण बंदी लालचंद और अर्जुन द्वारा किया जा रहा है। यह पहल जेल अधीक्षक पारस जांगिड की प्रेरणा से प्रारंभ की गई है तथा इसकी निगरानी जेलर विकास बागोरिया एवं उप जेलर दिलावर ख़ान द्वारा की जा रही है। जेल प्रशासन का उद्देश्य बंदियों को सृजनात्मक कार्यों से जोड़कर उनमें आत्मनिर्भरता और सकारात्मक सोच का विकास करना है। मिट्टी और गोबर से बनाए जा रहे ये दीपक पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए बंदियों की श्रमशीलता और कला का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। कारागार परिसर में दीपक निर्माण की इस पहल से दीपावली का उल्लास और अधिक बढ़ गया है। इस बार जेल प्रशासन जेल में बने दीपकों से ही जेल को रोशन करेगा ।

### विधायक यादव ने शाहपुरा शहर में दीपावली की रामा-श्यामा की

शाहपुरा ( निसं )। दीपों के पर्व दीपावली के अवसर पर शाहपुरा शहर में हर्षोल्लास और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर स्थानीय विधायक मनीष यादव ने अपने शाहपुरा नगरवासियों के साथ दीपावली की रामा-श्यामा की और सभी को शुभकामनाएँ दी। विधायक यादव ने शहर के प्रमुख बाजारों, मंदिरों और मार्गों पर नागरिकों से मुलाक़ात कर दीपावली की मंगलकामनाएँ दीं तथा स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और युवा साथियों के साथ दीपोत्सव की खुशियाँ साझा की। विधायक यादव ने कहा की दीपावली का पर्व अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य की जीत और अन्याय पर न्याय की विजय का प्रतीक है। यह पर्व हम सभी को समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता के दीप जलाने की प्रेरणा देता है। विधायक ने इस दौरान स्थानीय मंदिरों में दर्शन किए, कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों से भेंट की और शहर की खुशहाली व समृद्धि की कामना की। नगरवासियों ने भी विधायक यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके साथ दीपावली की शुभकामनाएँ साझा की। पूरे शाहपुरा शहर में दीपावली के अवसर पर रंग-बिरंगी रोशनी, सजावट और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। नगर के नागरिकों ने विधायक के साथ दीपावली की रामा-श्यामा कर पारंपरिक उत्सव का आनंद लिया। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष नाथूलाल सैनी नगर कांठोस अध्यक्ष मुकेश खुडानियॉ, पूर्व चेयरमैन प्रेम देवी, रामेश्वर गोरेठा, जितेन्द्र शर्मा, सतनारायण, बाबूलाल बुनकर, किशोर सिंह शेखावत, गणपत कुम्हार, सूबे सिंह कुम्हार, लक्ष्मीनारायण दादरवाल, वकील खान, लोकेश सामोता, शैतान तुंगड, मनजीत, ओमप्रकाश शामिल रहे।

## The 1867 Alaska Purchase

On October 18, 1867, the United States formally took possession of Alaska from Russia, marking a landmark territorial expansion. Negotiated by Secretary of State William H. Seward for $7.2 million, the deal added over 586,000 square miles of land rich in natural resources and strategic potential. Initially mocked as 'Seward's Folly,' the acquisition later proved invaluable with Alaska's forests, minerals, and oil reserves. Beyond economics, the purchase strengthened U.S. influence in the Pacific and reshaped its geographic and strategic landscape, transforming a seemingly remote wilderness into a vital part of the nation's growth and security.

#POWER

# Love and Control

Enchantments of the Heart: Meat, Flowers, and Forbidden Recipes of Medieval Women

In the hidden spaces of medieval Europe, behind kitchen doors, beneath floorboards, or under the cover of moonlight, women practiced a quiet form of power. Long before modern ideas of romance and consent, love and desire were often tangled with mysticism, superstition, and desperation. Among the more unsettling but fascinating traditions whispered through time is the practice where young women infused raw meat with flower essence, animal parts, and even pieces of themselves, all in an effort to win, keep, or control a lover's heart.

This was not culinary art. It was enchantment.

### Flesh in Flowers: A Curious Ritual

The ritual began with a strange and symbolic act: placing raw meat, beef, poultry, or sometimes the heart of a small animal, into fresh, fragrant flowers. This was no mere garnish. Roses, marigolds, and wild herbs were chosen not for taste, but for their mystical associations with love, lust, and life-force.

Women, often young and unmarried, would hide the meat inside the petals, leave it under the sun or moon for a full cycle, or bury it briefly in garden soil, allowing the energy of the earth and the scent of flowers to 'infuse' the flesh. In some versions, live fish or animal organs were used instead, their symbolic meanings tied to vitality and emotional bonds.

But it didn't stop there.

### Ingredients of the Body: Blood, Hair, and Nails

For those seeking stronger spells, love that lasted, lust that never faded, or men who could not leave, women turned to the most intimate ingredients available: parts of themselves.

Menstrual blood, believed to carry potent life-giving energy, was secretly added to stews, sauces, or wine. It was thought to create a powerful bond, tying the man to the woman on a primal, bodily level. Fingernail clippings, hair strands, and even pubic hair were also stirred into meals or baked into breads. In sympathetic magic, these personal remnants were considered 'links' to the self, objects that could carry influence if consumed.

Sometimes, these were wrapped in tiny bundles inside dough or meatballs, impossible to detect, yet symbolically charged.

These weren't necessarily malicious acts, at least not in the eyes of the women performing them. In a world where female autonomy was tightly restricted and marriage often dictated a woman's fate, such magic was a desperate form of control, influence, or emotional survival.

### The Alchemy of the Kitchen Witch

The medieval kitchen, especially in peasant or lower-class homes, was a sacred, if unspoken, space of power. Most women had no access to formal magic, religious authority, or political agency. But they had herbs. They had blood. They had knowledge passed down in whispers. A woman might cook her intended man's favorite dish, laced with hidden symbols, scented with flower-infused meat, and stirred in a specific direction under candlelight. Timing it with the phases of the moon or chanting softly as she stirred was not uncommon in rural areas steeped in folk belief. In some regions of Italy, France, and the British Isles, similar love potions and food-spells were described in local legends, although always with caution, as Church authorities considered such acts heretical, even demonic.

### A Dangerous Game of Love and Control

These practices were considered 'low magic,' folk magic, and were often treated with suspicion. Discovery could lead to accusations of witchcraft, social exile, or worse. But most of these acts were never confessed or recorded. They lived in oral tradition, passed from grandmother to granddaughter, from neighbor to friend, in kitchens scented with thyme and secrets.

And while these rituals may sound horrific by modern standards, they reflect a deeper truth about the Middle Ages: power, especially for women, had to be carved out in the margins. If the world denied them choice, they created their own forms of influence, however unsettling.

### Conclusion: Stirring the Forbidden

There is a strange beauty in the idea of a woman stirring a pot, not just with ingredients, but with longing, fear, hope, and defiance. Love, after all, has always walked hand in hand with magic, especially when it's unrequited, forbidden, or dangerous.

Today, we may recoil at the idea of menstrual blood in soup or fingernails in a stew. But for some medieval women, those were the tools they had, visceral, bodily, deeply symbolic, to enchant the man they loved and take fate into their own hands.

# They Don't Celebrate Diwali!

Some communities do not celebrate Diwali for historical reasons. For example, the Mandyam Iyengars (a priestly class) of Melkote in Karnataka observe Diwali as a mourning day. In the 18th century, the Mandyam Iyengars owed allegiance to the Wodeyar kings of Mysore (now Mysuru), their long-time benefactors. They worked secretly to secure an alliance with the British to help the Wodeyars fight their expansionist neighbour, Tipu Sultan. Now, Tipu got wind of this deal. And on the day of Naraka Chaturdasi (Diwali), 1790, he attacked Melkote and killed at least 800 unarmed members of the community. After that, the entire community never had the heart to celebrate Diwali.

● Rajendra Ghatge


Diwali, or the 'festival of lights,' is one of the most popular festivals in India. There are many myths and legends associated with it, and different regions in India celebrate it in different ways and for different reasons. But did you know that there are certain Hindu communities that don't celebrate it?

If you ask an Indian to name any two festivals, it's likely that at least one of them will be either Diwali or Dussehra. Both these festivals are widely celebrated in the country. But there are some communities that do not celebrate these festivals at all, and some even observe Diwali as a day of mourning.

In north India, Dussehra and Diwali are closely linked to the Ramayana, one of the great ancient Indian epics. Some communities in India, though, have a very different take on Ravana: they believe that his good qualities have been underplayed, and they even quote the scriptures to back that up.

### Ravana fighting Jatayu

The scriptures say that Ravana was the son of the holy sage Vishrava. Ravana was an ardent devotee of Shiva. In fact, his devotion was so intense that he once chopped off his own 10 heads to obtain Shiva's grace! And through his penance, he gained spiritual powers. So, why would they celebrate festivals that vilify him, these communities ask. The people of the village of Bishrakh, in Uttar Pradesh, believe that 'Bishrakh' comes from 'Vishrava,' Ravana's father. They say that Vishrava installed a Shiva idol in their village, and that Ravana was actually born there. That makes Ravana a true son of the soil. How can they celebrate his fall? From the story of the son, let us move on to the story of the son-in-law. The Ramayana says Mandsaur in Madhya Pradesh is the birthplace of Mandodari, Ravana's faithful wife who stood by him through thick and thin. As far as the people of Mandsaur are concerned, Ravana is their son-in-law! How then, can they celebrate the defeat and death of Ravana? They don't.

## #HOWCOME

An architectural panel of scene from Ramayan.

### Ravana lifting Mount Kailash - Panel at a Halebidu temple site

Mandore in Rajasthan ignores Diwali too. According to their lore, Ravana married Mandodari in Mandore. The local priests, the Maudgil Brahmins, believe that when Ravana arrived for his wedding, it was their ancestors who accompanied him. To them, Ravana is like a son-in-law, so, they do not burn his effigy during Dussehra. Instead, they perform the shraadh in his name, which is an annual ritual seeking peace for a departed soul. They believe Ravana was more good than evil; it was just poor judgment that he kidnapped Sita, and he paid the price for it. Even today, there is a shrine for Ravana in Mandore, and the locals believe that worshipping there will give them spiritual powers.

### Mandodari pacifying Ravana

Temples to Ravana are not uncommon. The Ravangram temple in Vidisha, MP is said to have been consecrated by Kanyakubja Brahmins, the subsect to which Ravana belonged. There are Ravana temples in Kakinada (Andhra Pradesh) and Kanpur too.

The people of Baijnath village in Kangra, Uttrakhand do not worship Ravana, but respect him as a great devotee of Shiva. According to them, Ravana offered his 10 heads to Shiva while doing penance in their village, and that is where Shiva blessed him too. They see no evil in Ravana, and do not want to celebrate anything that celebrates his defeat and death. The markets are closed during Dussehra and Diwali and people do not buy sweets or fireworks. They are against the ritual burning of Ravana's effigy during Dussehra, because they believe it will bring divine wrath on them. Folklore speaks of people who neglected this advice and suffered severe misfortune.

The Gond tribals from Gadchiroli in Maharashtra reject the scripture version of Ravana. They call it a kind of 'media conspiracy' theory! They call themselves 'Ravana-vanshis,' meaning 'descendants of Ravana.' They worship Ravana and his son Meghnad as gods. Their story is that Ravana was a Gond king who was attacked by 'Aryan invaders' (probably a reference to Rama) and unjustly killed; and that the abduction of Sita never happened. They say that Valmiki, the author of the original Sanskrit Ramayana epic, did not consider Ravana evil; it was the later version by Tulsidas that painted him as evil. Unfortunately, say the Gonds, that interpretation has stuck in people's minds.

### An architectural panel of scenes from the Ramayana

Some communities do not celebrate Diwali for historical reasons. For example, the Mandyam Iyengars (a priestly class) of Melkote in Karnataka observe Diwali as a mourning day. In the 18th century, the Mandyam Iyengars owed allegiance to the Wodeyar kings of Mysore (now Mysuru), their long-time benefactors. They worked secretly to secure an alliance with the British to help the Wodeyars fight their expansionist neighbour, Tipu Sultan. Now, Tipu got wind of this deal. And on the day of Naraka Chaturdasi (Diwali), 1790, he attacked Melkote and killed at least 800 unarmed members of the community. After that, the entire community never had the heart to celebrate Diwali.

Then, there are communities that do not celebrate Diwali for ecological reasons. For years, the Thoppupatti and Saampatti villages near Trichy in Tamil Nadu have stayed away from Diwali festivities, because the fireworks disturbed the bats living in the branches of their sacred banyan tree. They consider the banyan tree sacred because it is home to their village god, Muniyappa-Saamy. The rural folk near Vettangudi bird sanctuary never burst crackers during Diwali, as a consideration for migratory birds. And the forest conservation officials distribute sweets to them on behalf of the birds! The residents of Sammoo village in Himachal Pradesh's Hamirpur district do not celebrate Diwali. This is an ancient custom that people have been following for ages due to the fear of a curse from a woman who committed Sati on Diwali, according to a PTI report. Diwali is known as the festival of lights. However, this day is a usual day for Sammoo villagers, who don't light lamps or burst crackers.

The village is located about 25 kms from Hamirpur district headquarters. They refrain from celebrating this festival as they fear that something tragic will happen. Therefore, no celebration or special food is prepared on Diwali. Even the elders have advised the younger generation to avoid celebrating this festival as it may lead to tragedies, misfortunes or even deaths.

According to the legend, ages ago, a woman had left for her parents' home to celebrate this festival. Suddenly, she got the news of her husband's death, who was a soldier in the king's court, the report said. Shocked by the incident, the woman, who was pregnant, burnt herself on her husband's pyre. She even cursed the villagers that they would never be able to celebrate the festival of lights.


rajeshsharma1049@gmail.com

#DRAMATIC

# Big Horned Bulls

## Giants of Strength and Symbolism

Among the many majestic creatures of the animal kingdom, big horned bulls stand out as symbols of strength, power, and pride. Whether grazing on ranches, starring in cultural traditions, or dominating legends and myths, these bulls are not only admired for their size but also for their impressive and iconic horns. Let us explore the fascinating world of big horned bulls, their unique breeds, cultural significance, and the role they continue to play in modern society.

### What Are Big Horned Bulls?

Big horned bulls are male cattle known for their large, often dramatically curved horns. While many cattle breeds have horns, some stand out for their sheer size and distinct shape. These horns serve various biological and social purposes, from defense to temperature regulation, and from mating rituals to displays of dominance.

Let's look at some of the most well-known big horned bull breeds across the world.

### Famous Breeds of Big Horned Bulls

**1. Ankole-Watusi (Africa)**

- Originating in East and Central Africa, Ankole-Watusi bulls are known for having the largest horns of any cattle breed.
- Their horns can span up to 8 feet from tip to tip.
- The hollow structure of the horns helps them regulate body temperature, especially in the hot African climate.
- Historically, these bulls have been symbols of wealth and royalty among African tribes.

**2. Texas Longhorn (United States)**

- Bred in North America, the Texas Longhorn is famous for its wide, curved horns, often extending over 7 feet.
- They are known for their resilience, able to survive in harsh environments with minimal resources.
- The Texas Longhorn is an important icon of the American Wild West and is now the official large animal of Texas.

**3. Spanish Fighting Bulls (Spain)**

- Bred specifically for bullfighting, these bulls are muscular and aggressive, with forward-pointing horns used in combat.
- The breed holds a strong place in Spanish culture, representing bravery, strength, and defiance.
- Spanish fighting bulls are also known for their unpredictable behaviour and fierce spirit.

### Why Do Bulls Have Horns?

In bulls, horns serve several key purposes:

- **Defense:** Used to protect themselves against predators or rivals.
- **Mating Competition:** Bulls fight each other using their horns to establish dominance and win mating rights.
- **Thermoregulation:** In some breeds, horns help release excess body heat.
- **Social Structure:** Larger horns often indicate strength, which helps bulls climb the social ladder within herds.

### Cultural and Historical Significance

Big horned bulls have left a lasting impact on human culture and history:

- In mythology, the Greek Minotaur, half man, half bull, represented power and mystery.
- In Hinduism, Nandi, the sacred bull of Lord Shiva, is depicted with powerful horns and revered in temples across India.
- In Spain, bullfighting remains a controversial yet deeply embedded tradition featuring horned bulls.
- In sports and branding, teams like the Chicago Bulls and Texas Longhorns use horned bull logos to symbolize strength, endurance, and aggression.

### Conservation and Modern Relevance

While many horned bulls are domesticated, their wild relatives, such as the Indian Gaur and African buffalo, face threats from habitat loss and hunting. Conservation efforts focus on protecting these species and preserving their genetic diversity.

Meanwhile, selective breeding of horned cattle continues in ranches and farms for heritage preservation, cultural identity, and sometimes even tourism.

Big horned bulls are more than just large animals, they are icons of natural strength, cultural tradition, and historical power. Their horns, awe-inspiring in both form and function, tell stories that go far beyond biology. From African plains to Spanish arenas and American ranches, these majestic bulls continue to capture human imagination, reminding us of our deep connection with nature's most powerful creatures.

## THE WALL

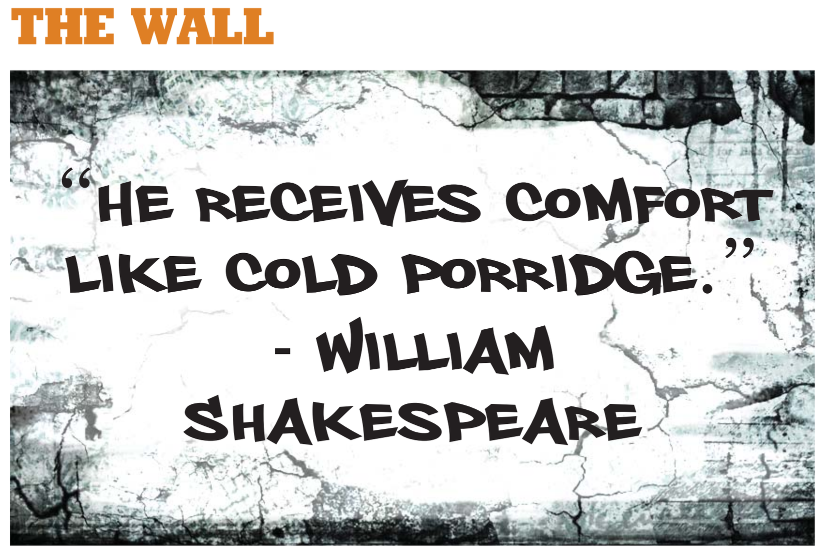


## BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

## ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

**शमी** भारत के लिए एक अविश्वसनीय परफॉर्मर है। अगर उन्होंने कुछ कहा है तो मुझे उनसे या उन्हें मुझसे कुछ बात करनी चाहिए। लेकिन इंग्लैंड दौरे से पहले ही हमने कहा था कि अगर वह फिट हैं तो वह जाएंगे। दुर्भाग्य से वह फिट नहीं थे। देखेंगे कि क्या व पूरी तरह फिट हैं।

– अजीत अगरकर

भारतीय मुख्य चयनकर्ता, शमी के बारे में बताते हुए।

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी** ▶ **निक मेडिनसन**

**ऑस्ट्रेलिया** के टेस्ट और टी20 क्रिकेटर निक मेडिनसन एक जानलेवा बीमारी से जूझ रहे थे जिसके बाद उन्होंने उसे मात देकर वापसी की है। मेडिनसन ने बताया है कि उन्हें टैस्टिकुलर कैंसर था जिसे वह मात देने में सफल रहे लेकिन इस दौरान उनका सफर बेहद दर्द भरा रहा। मेडिनसन ने बताया है कि उन्होंने टेस्टिकुलर कैंसर को हराने के लिए कितनी कठिन लड़ाई लड़ी।उन्होंने बताया कि सर्जरीऔर कई हफ्तो की कीमोथेरेपी के बाद उन्होंने इस बीमारी को मात दी। जब मुझे पता चला कि मुझे कीमो करवानी है तो ये मेरे लिए बहुत मुश्किल पल था।

**क्या आप जानते हैं ?...** जो रूट ने 121 रन की अपनी नाबाद शतकीय पारी के दौरान पोंटिंग को पीछे छोड़ा और दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

## बंगलादेशी खिलाड़ी सोशल मीडिया से दूर रहेः सिमंस

ढाका 17 अक्टूबर। बंगलादेश क्रिकेट टीम के मुख्य कोच फिल सिमंस ने बीते कुछ दिन पहले प्रशंसकों द्वारा दुर्व्यवहार किये जाने को लेकर मोहम्मद नईम की पोस्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को सोशल मीडिया से दूर रहना चाहिए। वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से एक दिन पहले संवाददाता सम्मेलन में सिमंस ने कहा, मैं खिलाड़ियों के सोशल मीडिया से जुड़े होने से सहमत नहीं हूं। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति के तौर पर सोशल मीडिया पर रहना, अपनी बात कहना आपका अधिकार है। लेकिन एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और बंगलादेश के राष्ट्रीय खिलाड़ी होने के नाते, मेरे खिलाड़ियों को वहां नहीं होना चाहिए। सिमंस ने कहा, मैं एक बात कहूंगा, खिलाड़ियों से जुड़ी किसी भी चीज में नस्लीय रंग लाना अच्छा नहीं है। मुझे परवाह नहीं कि आप कहां से हैं, जाकेर अली के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी से मुझे घृणा है। यह अच्छा नहीं है। लेकिन मैं नहीं चाहता कि मेरे खिलाड़ी सोशल मीडिया पर किसी भी बात का जवाब दें।

उल्लेखनीय है कि सिमंस ने यह बात मोहम्मद नईम द्वारा पोस्ट की गई उस प्रतिक्रिया के बाद कही गई है जिसमें उन्होंने और टीम के कुछ अन्य सदस्यों ने बुधवार को ढाका हवाई अड्डे पर कुछ प्रशंसकों द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के बाद यूएई से लौटने पर, जहां उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला 3-0 से जीती थी, लेकिन एकदिवसीय उसी अंतर से हार गए थे।

# रोहित और विराट के सानिध्य में शुभमन की कप्तानी में आयेगा निखार: अक्षर

पर्थ, 17 अक्टूबर। भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने शुक्रवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरे एकदिवसीय सीरीज वाली टीम में युवा और रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण है इससे शुभमन गिल की कप्तानी में और निखार आयेगा।

आज यहां अक्षर ने 19 अक्टूबर को पर्थ में होने वाले पहले एकदिवसीय से पहले कहा, शुभमन के लिए भी यह एक शानदार अनुभव है। रोहित भाई, विराट भाई और सभी यहां मौजूद हैं, यह बदलाव की प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने बदलाव के दौर में वरिष्ठ खिलाड़ियों द्वारा युवाओं का मार्गदर्शन करने के महत्व पर बल दिया और कहा कि आपके पास अनुभवी खिलाड़ी हैं, और अगर युवा खिलाड़ी अपने अनुभव के साथ आते हैं, तो वे वरिष्ठ खिलाड़ियों से सीख सकते हैं और समझ सकते हैं कि इस स्तर पर कैसे खेलना है, वे क्या कर सकते हैं और क्या नहीं।

टीम के संयोजन की तारीफ़ करते हुए अक्षर ने कहा, रोहित भाई और विराट भाई का यहां होना और शुभमन का कप्तान होना बहुत अच्छी बात है। इससे शुभमन को कप्तान के तौर पर आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। अगर युवा और अनुभवी खिलाड़ी साथ खेलें तो यह अच्छा है।

उन्होंने, अगर आप उनकी फ़ॉर्म देखें, जिस तरह से दोनों ने तैयारी की है – उन्होंने बीसीसीआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग की है और अभ्यास मैच भी खेले हैं – मुझे लगता है कि वे प्रदर्शन के लिहाज से तैयार हैं। वे प्रशिक्षण सत्रों में अच्छी लय में दिख रहे हैं। और अगर आप उनकी शारीरिक फिटनेस की बात करें, तो ज़ाहिर है कि सभी ने अपने फिटनेस टेस्ट पास कर लिए हैं, मुझे लगता है कि वे खेलने के लिए तैयार हैं। अपनी फ़ॉर्म के बारे में बात करते हुए अक्षर ने कहा, मुझे इस सीरीज को लेकर पूरा भरोसा है। एशिया कप में, मैंने बल्ले और गेंद से अच्छा प्रदर्शन किया। मैं चुनौती के लिए तैयार हूं। उन्होंने भारतीय टीम के साथ अपने सफर पर कहा, अगर आप मेरे विकास पर गौर करें – मैं 2015 में विश्व कप के दौरान पहली बार यहां आया था – मैं हाल के वर्षों में नियमित रूप से भारतीय टीम के साथ रहा हूं। मुझे पता है कि मुझे क्या करना है। टीम अब मुझ पर निर्भर है – अक्षर ही है, वह हमें नतीजे दिला सकता है। अगर आप लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आपको आत्मविश्वास भी मिलता है। उन्होंने कहा अब मैं अति आत्मविश्वासी हूं और मुझे पता है कि मैं अपनी टीम के लिए मैच जीतने में अपना योगदान दे सकता हूं।

# भारत बनाम पाकिस्तान मैच ने महिला क्रिकेट में दर्शकों की संख्या का रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई, 17 अक्टूबर। आईसीसी ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि 5 अक्टूबर को भारत बनाम पाकिस्तान महिला वनडे विश्व कप मैच ने 28.4 मिलियन दर्शकों की रीच और 1.87 बिलियन मिनट के उपभोग के साथ डिजिटल-व्यूइंग रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जिससे यह अब तक का सबसे अधिक देखा जाने वाला महिला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच बन गया है।

आईसीसी ने कहा कि दर्शकों की संख्या के लिहाज़ से यह मैच सबसे शानदार था, लेकिन इसके अलावा भी विश्व कप के लीग चरण के पहले भाग में "डिजिटल और लीनियर प्लेटफ़ॉर्म पर रिकॉर्ड तोड़ संख्या" देखने को मिली।

भारत बनाम पाकिस्तान मैच टीवी दर्शकों की संख्या के लिहाज़ से भी टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज़्यादा रेटिंग वाला लीग-स्टेज मैच बन गया है, जबकि पहले 11 मैचों, जिनमें भारत के श्रीलंका, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ मैच भी शामिल हैं, की रीच 7.2 करोड़ रही। आईसीसी ने कहा कि यह "पिछले संस्करण की तुलना में 166 की वृद्धि" है। साथ ही, " व्यूइंग मिनट (देखने के मिनट) 327 बढ़कर 6.3 बिलियन हो गए"।

स्टेडियमों में दर्शकों की संख्या भी अच्छी रही है, खासकर भारत में भारत के मैचों और श्रीलंका में श्रीलंका के मैचों के लिए स्टैंड खचाखच भरे रहे, हालांकि बिना किसी "घरेलू" दिलचस्पी के मेहमान टीमों के मैचों में हमेशा स्टैंड में ज़्यादा दर्शक नहीं होते। कोलंबो में, जब मैचों में श्रीलंका या भारत नहीं होता, तो स्टेडियम में दर्शकों की संख्या कई बार चार अंकों में पहुंच जाती है, हालांकि इसमें मौसम की भी भूमिका रही है।

आईसीसी और जियो हॉटस्टार द्वारा संयुक्त रूप से जारी आंकड़ों के अनुसार, टूर्नामेंट के पहले 13 मैच पहले ही 60 मिलियन से अधिक दर्शकों तक पहुंच चुके हैं, जो 2022 संस्करण की तुलना में पांच गुना वृद्धि है, जबकि कुल देखने का समय 7 बिलियन मिनट तक पहुंच गया है, जो पिछले टूर्नामेंट से 12 गुना अधिक है। आईसीसी के एक बयान में कहा गया है कि 12 अक्टूबर को भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मैच ने जियो हॉटस्टार पर 4.8 मिलियन पीक समवर्ती दर्शकों (कॉन्करेंट व्यूवर्स) को दर्ज किया, जो महिला क्रिकेट के लिए एक और सर्वकालिक उच्च है।

## ‘सिक्स किंग्स स्लैम’ टूर्नामेंट में सिनर और अल्काराज के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

रियाद, 17 अक्टूबर। गत चैंपियन जैनिक

सिनर और स्पेन के कार्लोस अल्काराज के बीच शनिवार को ‘सिक्स किंग्स स्लैम’ प्रदर्शन टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में भिड़ंत होगी। सिनर ने सर्बियाई दिग्गज नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराकर सिक्स किंग्स स्लैम प्रदर्शनी टूर्नामेंट 2025 के फाइनल में जगह बना ली हैं। यह लगातार दूसरे वर्ष है जब सिनर का सामना फाइनल में स्पेन के अल्काराज से होगा। पहले सेमीफाइनल में 24 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी ने शुरुआती सेट के तीसरे गेम में जोकोविच की सर्विस तोड़ी और 6-4 से स्कोर अपने नाम किया। 38 वर्षीय खिलाड़ी को दूसरे सेट में गति बनाए रखने में संघर्ष करना पड़ा, क्योंकि सिनर की शक्ति और सटीकता का मिश्रण भारी साबित हुआ। इतालवी खिलाड़ी ने मैच 6-2 से जीतकर एक प्रभावशाली जीत दर्ज की। दूसरे सेमीफाइनल में, दुनिया के नंबर वन कार्लोस अल्काराज ने अमेरिका का टेलर फ्रिट्ज पर 6-4, 6-2 से जीत के साथ अपना दबदबा कायम रखा। स्पेनिश खिलाड़ी ने फ्रिट्ज की सर्विस तीन बार तोड़ी और दोनों ब्रेक पॉइंट आसानी से बचाए। जोकोविच और फ्रिट्ज शनिवार को तीसरे स्थान के प्लेऑफ में भी भिड़ेंगे।

## लक्ष्य सेन और सात्विक-चिराग डेनमार्क ओपन के अगले दौर में

ओडेंसे (डेनमार्क), 17 अक्टूबर। भारत के लक्ष्य सेन और शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विक-चिराग तथा ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की जोड़ी ने डेनमार्क ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली हैं।

जिस्के बैंक एरिना में गुरुवार को खेले गये मुकाबले में दुनिया के 21वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने स्थानीय एंडर्स एंटोनसेन को 53 मिनट तक चले मैच में 21-13, 21-14 के स्कोर से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पहले गेम में शुरुआती दो अंक गंवाने के बाद, लक्ष्य सेन ने जल्द ही लय पकड़ ली और अपने आक्रामक खेल का इस्तेमाल करते हुए नियंत्रण हासिल किया और पहला गेम आसानी से जीत लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में एंडर्स एंटोनसेन लक्ष्य सेन के साथ बराबरी बनाए रखने में कामयाब रहे, लेकिन पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट ने मध्यांतर के बाद नियंत्रण हासिल कर लिया और अंतिम 15 में से 10 अंक जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। एंडर्स एंटोनसेन के खिलाफ लक्ष्य सेन की यह आठ मैचों में तीसरी जीत थी। वहीं पुरुष युगल वर्ग में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपे के ली झे-हुई और यांग पो-हसुआन की जोड़ी को 21-19, 21-17 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गए।

## शांता रंगास्वामी को आईसीए का अध्यक्ष नियुक्त किया गया

मुंबई, 17 अक्टूबर। पूर्व भारतीय महिला कप्तान शांता रंगास्वामी को इंडियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन (आईसीए) का अध्यक्ष चुना गया है। साथ ही दिल्ली के पूर्व पुरुष ओपनर वेंकट सुंदरम को सचिव नियुक्त किया गया है। सुंदरम दिसंबर 2024 से आईसीए के अध्यक्ष के रूप में सेवा कर रहे थे। उन्हें पूर्व अध्यक्ष अंशुमान गायकवाड़ के निधन के बाद बिना विरोध के चुना गया था। दीपक जैन को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि सदस्य प्रतिनिधि ज्योति थट्टे और संतोष सुब्रमण्यम हैं। आईसीए बोर्ड ने पूर्व भारतीय महिला कप्तान सुधा शाह और शुभांगी कुलकर्णी को बीसीसीआई की एपेक्स काउंसिल और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल में अपना प्रतिनिधि नामित किया है।

## यूएफसी कप 2025 फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन

जयपुर, 17 अक्टूबर। शुक्रवार को यूनियन फुटबॉल क्लब जयपुर द्वारा तीन दिवसीय "यूएफसी कप 2025" फुटबॉल टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

फाइनल मैच का उद्घाटन डॉ. देबाशीष प्रुस्त्य, आईएएस (प्रमुख सचिव, शहरी एवं आवास विभाग, राजस्थान सरकार) द्वारा किया गया। टूर्नामेंट आयोजक एवं क्लब समन्वयक अभिनव स्वामी ने बताया कि विभिन्न आयु वर्ग में निम्नलिखित रिकॉर्ड विजेता रहे : अंडर-12 श्रेणी: डीवाईएफए – विजेता, यूनियन फुटबॉल क्लब – उपविजेता। अंडर-16 श्रेणी: डीवाईएफए – विजेता, अकात्सुकी – उपविजेता। लड़कियों की श्रेणी: पल्स टीम – विजेता। यूनियन फुटबॉल क्लब – उपविजेता, अंडर-18 श्रेणी: जयपुर ब्लास्टर – विजेता, एमिगोस – उपविजेता। समापन समारोह में क्लब सचिव महीपाल स्वामी, उपाध्यक्ष सुनील शर्मा (एडवोकेट), मैत्री लोन से बसंत गोयल, विजयदीप, राकेश भट्ट, दिनेश पितलिया, राजनारायण शर्मा सहित सैकड़ों खिलाड़ी एवं अभिभावक उपस्थित रहे। इस अवसर पर खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल, प्रमाण पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए गए, अन्य स्थानों एवं स्मृतियों को स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) प्रदान किए गए। टूर्नामेंट के सफल आयोजन में सहयोगी दल ने सभी खिलाड़ियों, टीमों, प्रतिभागियों वाले साथियों के प्रति हृदय से जुड़े सदस्यों को शामिल किया।

## तन्मय अग्रवाल का शतक, हैदराबाद 400/7

हैदराबाद 17 अक्टूबर। तन्मय अग्रवाल (132), अनिकेतरेड्डी (87) और एलगानी वरुण गौड (57) की शानदार पारियों के दम पर हैदराबाद ने शुक्रवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले के तीसरे दिन स्टंप के समय सात विकेट पर 400 रन बना लिये हैं। हालांकि वह अभी भी दिल्ली के पहली पारी में बनाये गये स्कोर से 129 रन पीछे है। हैदराबाद ने कल के एक विकेट पर 77 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में तन्मय अग्रवाल और अनिकेत रेड्डी की जोड़ी ने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए रन बटोरे और दिल्ली के गेंदबाजों का परेशान रखा। 43वें ओवर में 205 रन के स्कोर पर दिल्ली को दूसरी सफलता आयुष बदोनी ने शतक की ओर बढ़ रहे अनिकेत रेड्डी को आउटकर दिलाई।

## रणजी ट्रॉफी में रजत पाटीदार ने जड़ा पहला दोहरा शतक

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। आईपीएल में आरसीबी को 17 साल बाद पहली बार अपनी कप्तानी में खिताब जिताने वाले रजत पाटीदार के सितारे गर्दिश में है। उनका प्रदर्शन दिन प्रतिदिन बेहतर होता जा रहा है। पहले आईपीएल और फिर दलीप ट्रॉफी, ईरानी ट्रॉफी और अब रणजी ट्रॉफी में रजत पाटीदार का बल्ला आग उगल रहा है।जब से रजत ने एमपी रणजी टीम की कमान संभाली है। वह कमाल पर कमाल कर रहे हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका बेहतरीन प्रदर्शन जारी है। पिछली 8 पारियों में धमाल मचाने वाले रजत ने रणजी ट्रॉफी 2025 के पहले मुकाबले में दोहरा शतक लगाकर टीम इंडिया में वापसी की दावेदारी ठोक दी है। पंजाब के खिलाफ मध्य प्रदेश के नए कप्तान ने पहले ही मैच में दोहरा शतक ठोककर अपनी टीम को मजबूत बढ़ा दिला दी है। ये रजत पाटीदार के प्रथम श्रेणी करियर का 16वां शतक और पहला दोहरा शतक है। उनकी इस पारी की मदद से मध्यप्रदेश ने पंजाब के खिलाफ पहली पारी में 270 से ज्यादा रन की बढ़त बना ली है। रजत पाटीदार के बल्ले से पिछली 8 फर्स्ट क्लास पारियों में अभी तक 663 रन निकल चुके हैं। खबर लिखे जाने तक वह पंजाब के खिलाफ 205 रन बनाकर नाबाद हैं।

## पदक पक्का करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं तन्वी

गुवाहाटी, 17 अक्टूबर। तन्वी शर्मा बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में बीते 17 साल में पदक पक्का करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने शुक्रवार को नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जापान की साकी मात्सुमोतो को हराकर लड़कियों के एकल सेमीफाइनल में प्रवेश कर इतिहास रच दिया।

16 वर्षीय तन्वी ने दबाव में भी अपना संयम बनाए रखा और अपने क्रॉस-कोर्ट स्लाइस हिट्स से विजयी अंक लेकर 47 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मात्सुमोतो को 13-15, 15-9, 15-10 से हराया। इस मुकाबले ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। विश्व जूनियर चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली आखिरी भारतीय महिला खिलाड़ी साइना नेहवाल थीं, जिन्होंने 2008 में पुणे में हुए संस्करण में स्वर्ण पदक जीता था। साइना ने 2006 में रजत पदक जीता था और उनके अलावा अपर्णा पोपट (1996 में रजत पदक) प्रतियोगिता के इतिहास में पोडियम पर पहुंचने वाली एकमात्र अन्य भारतीय महिला खिलाड़ी रही हैं।

# अंडर 19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी, राजस्थान ने दिल्ली को 4 विकेट से हराया

**राजस्थान - छत्तीसगढ़ रणजी मैच ( तीसरा दिन )**

**बीसीसीआई सीनियर वीमेन टी20 ट्रॉफी ( राजस्थान -मध्य प्रदेश मैच )**

**राज्य स्तरीय अंडर 16 ट्रॉफी - जयपुर ने टोंक को हरा जीती ट्रॉफी**

**अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी ( राजस्थान को पहली पारी में बढ़त ) राज शर्मा की अर्धशतकीय पारी**

जयपुर 17 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआईकी रांची में खेली जा रहे वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान ने दिल्ली को 4 विकेट से हराया। वीनू मांकड़ अंडर 19 ट्रॉफी राजस्थान -दिल्ली मैच

दिल्ली पारी 168 आल आउट टीम के लिए अर्णव 46 व आर्यवीर 31 रन राजस्थान के गेंदबाज अभिषेक 26 /2 , हनी प्रताप 40 /2 , अनस 21 /2 विकेट राजस्थान पारी 170 /6 राजस्थान के जयवर्धन सिंह गहलोत ने शानदार अर्धशतक लगाकर टीम की सुनिश्चित की , टीम के लिए जयवर्धन सिंह गहलोत 78 , रजत बघेल 30 रन, दिल्ली के गेंदबाज अर्णव , किरीट व उद्धव 2 -2 विकेट।

**राजस्थान - छत्तीसगढ़** रणजी मैच ( तीसरे दिन का स्कोर ), नाथद्वारा में राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेले जा रहे राजस्थान – महाराष्ट्र रणजी मैच के तीसरे दिन का स्कोर :- छत्तीसगढ़ पहली पारी 332 आल आउट, राजस्थान पहली पारी 386 आल आउट, टीम के लिए दीपक हुड्डा 130 , दीपक चाहर नाबद49 , मुकुल चौधरी 45 ,अजय कुकना 44 रन, छत्तीसगढ़ के गेंदबाज रवि 68 /4 , सौरव, वासुदेव 3 -3 विकेट, छत्तीसगढ़ दूसरी पारी 64 /4, राजस्थान के गेंदबाज मानव सुथार 25 /4 विकेट।

**जयपुर - स्टेडियम राजस्थान - मुंबई** अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी मैच ( दूसरा दिन ), मुंबई पारी 155 आल आउट, राजस्थान पहली पारी 224 आल आउट, राजस्थान ने राज शर्मा 63 . अनिरुद्ध सिंह 34 , धर्मवीर 30 , दर्शन जैन 27 व चेतन शर्मा 23 रन। मुंबई के गेंदबाज पटनाकर67 /5 विकेट, मुंबई दूसरी पारी 147 /2, टीम के लिए अंगकृशरघुवंशी 76 व सुमेर 47 रन। राजस्थान के गेंदबाज दीपेंद्र , मोहित चांगरा 1 -1 विकेट।

**बीसीसीआई सीनियर वीमेन टी20 ट्रॉफी ( राजस्थान -मध्य प्रदेश मैच ) :** राजस्थान पारी 108 /5, टीम के लिए ज्योति चौधरी नाबाद 50 , कौशल्या चौधरी 22 व डिम्पल कँवर 18 रन, मध्य प्रदेश की गेंदबाज सूचिउपाध्याय 19 /2 विकेट, मध्य प्रदेश पारी 112 /3, टीम के लिए जिन्सी 39, अनुष्का शर्मा 27 व राहिला नाबाद 26 रन। राजस्थान की गेंदबाज सुमित्रा जाट , अर्चना योगी व सोनल कलाल 1 -1 विकेट।

**राज्य स्तरीय अंडर 16 ट्रॉफी :** टोंक को हरा जयपुर ने जीती ट्रॉफी, कुमार वासुदेव मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाडी, कुमार वासुदेव , स्वरूप व प्रतीक चौधरी बने प्रतियोगिता सर्वश्रेष्ठ खिलाडी, बल्लेबाज व गेंदबाज।

आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 16 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 16 टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेले जा रही राज्य स्तरीय अंडर 16 प्रतियोगिता के आज के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए फाइनल मैच में जयपुर ने टोंक को 9 विकेट से हरा जीती ट्रॉफी।

प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाडी :-सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज स्वरुप - 375 रन (बाड़मेर), सर्वश्रेठ गेंदबाज प्रतीक चौधरी -19 विकेट ( जयपुर), प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाडी कुमार वासुदेव 380 रन ( 2 शतक ) (जयपुर), फाइनल मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाडी कुमार वासुदेव नाबाद111 रन ( जयपुर )।

**फाइनल मैच ( जयपुर - टोंक )** : टोंक पारी 219 आल आउट, टीम के लिए अभिनव शर्मा 50 , अतुल शर्मा 40 , अज़ीन 28 , आर्यन सिंह 23 , तिलकराज 20 व यश शर्मा 16 रन, जयपुर के गेंदबाज नतांश 31 /3 , प्रतीक चौधरी 39 /3 व दक्ष शर्मा 59 /3 विकेट। जयपुर पारी 220/1, टीम के लिए कुमार वासुदेव नाबाद 111 व अमरनाथ नाबाद 92 रन।

# ऑल स्टार पोलो टीम ने वी पोलो को हराया

जयपुर, 17 अक्टूबर। रामबाग पोलो ग्राउंड पर वी पोलो ओर ऑल स्टार पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें ऑल स्टार पोलो टीम ने वी पोलो टीम को 3 के मुकाबले 4.5 गोलों से हराया। आधे गोल का एडवांटेज लेकर खेल रही वी पोलो टीम की ओर से प्रताप सिंह कानोता ने 1 गोल, गोंजालो यनजोन ने 2 गोल किये जबकि ऑल स्टार पोलो टीम की ओर से विश्वरूप बजाज ने 1 ओर डीनो धनखड़ ने अपनी टीम के लिए 3 गोल किये।

# राजस्थान सीनियर चयनकर्ता विलास जोशी, कुलदीप सिंह व विजेंद्र यादव निलंबित

## एडहॉक कमेटी संयोजक कुमावत ने दुर्व्यवहार की शिकायत पर लिया कड़ा निर्णय

जयपुर 17 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट संघ एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत ने राजस्थान सीनियर चयनकर्ता कमेटी सदस्य विलास जोशी , कुलदीप सिंह व विजेंद्र यादव को आरसीए मेंटोर पंकज सिंहव राजस्थान जूनियर चयनकर्ताओं को कुलदीप सिंह के बेटे को बिना परफॉरमेंस के टीम में लगातार खिलाने हेतु धमकाने, विलास जोशी को राजस्थान टीम के चयनकर्ता के पद पर रहते हुए मैचों के दौरान मैदान से गायब रहकर अपनी चयनकर्ता की जिम्मेदारी नहीं निभाने व विजेंद्र यादव द्वारा पुत्र की क्रिकेट ड्रेस निर्माण कम्पनी को आरसीए की विभिन्न आयुवर्ग की टीमों के कपडे उपलब्ध कराने का टेंडर दिलाने हेतु आरसीए स्टाफ व मैनेजमेंट पर दबाव बनाने की शिकायत प्राप्त होने पर राजस्थान सीनियर चयन कमेटी के तीनो सदस्य चयकर्ताओं को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

संयोजक के अनुसार राजस्थान एडहॉक कमेटी ने राजस्थान की चयन कमेटियों के गठन से पूर्व ही ये सभी संभावित चयनकर्ताओं को ये अवगत करा दिया था की चयनकर्ता के तोर पर न तो वे अपने निकट सम्बन्धी के बिना उचित प्रदर्शन के टीम में चयन हेतु दबाव बनायेगे , न ही को अनियमितता करेंगे और न ही किसी भी तरह के व्यवसाहिक टेंडर या अन्य हितों में शामिल रहेंगे।

नवगठित आरसीए सीनियर चयन कमेटी :- राहुल कांवट - चेयरमेन, सूर्यवीर सिंह, शमशेर सिंह, अनिल परमार,ज़ाकिर हुसैन - सदस्य।

# मीटिंग बाय सर्कुलेशन बुलाने का अधिकार कन्वीनर का : कुमावत

जयपुर 17 अक्टूबर । जो आरसीए का मेम्बर ही नहीं है उसने अर्जेंट मीटिंग की कन्वीनर से रिक्वेस्ट करी, जिसको कन्वीनर ने ख़ारिज कर दिया क्यों जो सदस्य ही नहीं हे वो मीटिंग कैसे बुला सकता है । और जब रिक्वेस्ट ख़ारिज कर दी तो मीटिंग क्यों करी । यह सब धनंजय सिंह ने ख़ुद को बचाने के लिए अन्य सदस्यों के साथ मिल कर ड्रामा रचा है । इनका आरसीए, क्रिकेट और खिलाड़ियों के हितों से कोई लेना देना नहीं है ।

1. मीटिंग बुलाने का अधिकार केवल कन्वीनर को है

2. जब मीटिंग बाय सर्कुलेशन बुलाने का अधिकार कन्वीनर को है तो 12/10 की मीटिंग किसने बुलाई और उसके प्रस्ताव पास कैसे हुए

3. जो व्यक्ति आरसीए का सदस्य ही नहीं है, उसने बैठक बुलाने की बात कहकर केवल एक औपचारिकता निभाई है। उसे कोई अधिकार नहीं है कि वह बैठक बुला सके। अगर उसके पास खुद शक्ति होती, तो वह अनुरोध क्यों करता? यह सब केवल खुद को बचाने के लिए एक औपचारिक तरीका अपनाया गया है।

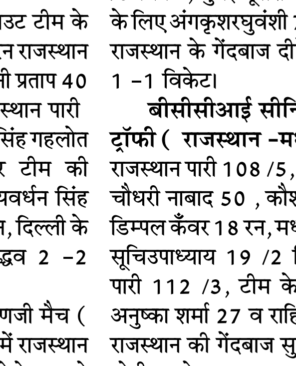

4. जब धनंजय सिंह के द्वारा मीटिंग की रिक्वेस्ट हुई, तो हमने यह मामला ओम्बड्समैन के सामने प्रस्तुत कर दिया और उसकी जानकारी लिखित रूप में भी धनंजय सिंह को भेज दी थी ।

5. क्योंकि यह मामला पहले से ही ओम्बड्समैन के विचाराधीन था, इसलिए उस पर अलग से चर्चा करना उचित नहीं था।

6. मीटिंग इसलिए नहीं बुलाई गई क्योंकि यह मुद्दा पहले से ही ओम्बड्समैन और आरसीए के रिकॉर्ड में विचाराधीन था।

7. जब धनंजय सिंह नागौर से डीसीए प्रेडिडेंट थे तब वहाँ से बिना इस्तीफ़ा दिए आरसीए के संविधान के विरुद्ध अवैध रूप से राजस्थान स्पोर्ट्स एक्ट के प्रावधानों के विरुद्ध जोधपुर डीसीए का चुनाव लड़ा ।

8. जब 11 तारीख़ को उनको जोधपुर डीसीए प्रेसिडेंट से निष्कासित कर दिया था तो वो 12/10 को मीटिंग कैसे बुला सकता है क्योंकि वो आरसीए का सदस्यता खो चुका है, जो काम धनजय सिंह डायरेक्ट नहीं कर सकता था वो सब अपने को बचाने के लिए कर रहा है । अगर आरसीए का उसको निष्कासित करने का फैसला ग़लत है तो वो कॉम्पटेंट ऑथोरिटी (सक्षम प्राधिकारी) के पास जाता, ना की अवैध मीटिंग बुलाने का और अपने को बचाने के लिए यह सारा प्रपंच रचता ।

9. 17/10 की मीटिंग मो एजेंडा रखे हैं उनमे से ज्यादातर वो एजेंडा हैं जो एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग में चारों सदस्यों ने सर्वसमत्ती से कन्वीनर को अथोराइज़ किया था और एजीएम में जनरल बॉडी मीटिंग में इनको सर्वसमत्ती से पास कर दिया था ।

10. जनरल बॉडी में पास हुए एजेंडा को वापस लेने का अधिकार केवल जनरल बॉडी को है ना की अवैध एग्जीक्यूटिव कमेटी को ।

11. 11/10 को जब धनंजय सिंह को डिस्क्वालीफ़ाई कर दिया था तो इस ने सारा प्रोपेगंडा दूसरो के साथ मिल कर ख़ुद के हित के लिए और ख़ुद को बचाने के लिए किया । अगर यह समस्या तीन महीनों से चल रही थी तो इसका संज्ञान पहले क्यों नहीं लिया गया । यह सब ख़ुद के हित साधने के किया गया प्रपंच है इसका आरसीए और क्रिकेट के हितों से कोई लेना देना नहीं है ।

# राजस्थान अंडर 23 टी20 वीमेन प्रशिक्षण शिविर हेतु खिलाडी घोषित

जयपुर 17 अक्टूबर । बीसीसीआई की आगामी अंडर 23 वीमेन ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 23 वीमेन टीम के संभावितों के चयन हेतु राजस्थान अंडर 23 वीमेन प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाली खिलाडियों का चयन राजस्थान वीमेन चयन कमेटी ने किया।

राजस्थान अंडर 23 वीमेन प्रशिक्षण शिविर हेतु चयनित खिलाडी :-डिंपल कँवर, सी जे भाटी, बबिता, नंदिनी पालीवाल, शानू सेन, अर्चना योगी, ऋतू लोढ़ा, निधि सैनी, याना वर्मा, निशा सैनी, सिद्धि शर्मा, उषा परेरिया, दृष्टि खोड़ा, गंगा, यशस्वी कट्टा, एंजेल चौधरी, अदिति, वंशिका यादव, अंजलि जाट, सोनम सैनी, शिवानी चौधरी, पार्वती, भाविनी भार्गव, कंचन हुड्डा, मुश्कान बिश्नोई, रिज़ा शेख, नीतू कँवर, प्रियंका चौधरी, चहक बत्रा, श्रेया जोशी।

# मावा निर्माण इकाइयों का निरीक्षण कर मावा व दूध के नमूने लिए

## 500 किलोग्राम मिलावटी दूध और मावे को मौके पर नष्ट करवाया

■ खाद्य सुरक्षा दल की चौमू के चीथवाड़ी में कार्रवाइ

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में आमजन को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए शुद्ध आहार, मिलावट पर वार अभियान चलाया जा रहा है। त्योहारी सीजन के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा आयुक्तालय द्वारा विशेष अभियान चलते हुए शुक्रवार को चौमू के पास चीथवाडी में विभिन्न मावा निर्माण इकाइयों का आकस्मिक निरीक्षण कर कार्रवाई की गई।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि क्षेत्र में लगातार चल रही संदिग्ध मिलावटी मावे की शिकायतों के मद्देनजर पुलिस विभाग एवं आयुक्तालय खाद्य सुरक्षा की अलग-अलग टीमों का संयुक्त जांच दल का गठित किया गया। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह, संयुक्त आयुक्त डॉ विजय शर्मा एवं मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ रवि शेखावत के निर्देशन एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग से चीथवाडी गांव में मध्यरात्रि लगभग 2 बजे पहुंचकर 15 मावा निर्माण ईकाइयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 20 मावा एवं दूध के नमूने लिये गये। 2 निर्माण ईकाइयों पर मावा में मिलावट करने वाली स्कीम मिल्क पाउडर, वनस्पति एवं इनसे बने लगभग 500 किलाग्राम मिलावटी दूध एवं मावे को मौके पर नष्ट करवाया गया।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने बताया कि फर्म मावा निर्माता मदनलाल शर्मा द्वारा स्किम्ड मिल्क पाउडर, रिफाइंड सोयाबीन तेल, दूध आदि से मिलावटी मावा तैयार होना पाया जाने पर लगभग 50 किलो मावा 90 लीटर क्रीम निकला हुआ/कम फेट का दूध, 35 किलोग्राम स्किम्ड मिल्क पाउडर को मौके पर नष्ट कराया गया। इसी तरह फर्म फर्म लाला हरि एल.एच.मावा पनीर, द्वारा स्किम्ड मिल्क पाउडर, वनस्पति, दूध आदि से मिलावटी मावा तैयार होना पाया जाने पर लगभग 100 किलो मावा 125 लीटर घोल (क्रीम निकला हुआ/कम फेट का दूध व मिल्क पाउडर) 75 किलाग्राम स्किम्ड मिल्क पाउडर व 2 किलो वनस्पति को मौके पर नष्ट कराया गया।

डॉ. टी.शुभमंगला ने बताया कि फर्म कमल सेठू, फर्म मुकेश मावा पनीर भण्डार, फर्म बाबुलाल मावा पनीर उद्योग, फर्म आर.एल.मिल्क प्रॉडक्ट के निरीक्षण में साफ-सफाई व अन्य कई कमियां पाई गई, जिसके आधार पर उक्त फर्मों को सुधार हेतु खाद्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किये गए। फर्म मुकेश मावा पनीर भण्डार एवं मदनलाल शर्मा मावा निर्माता के पास खाद्य अनुज्ञा पत्र नहीं होने पर धारा 63 के तहत प्रकरण न्यायालय में परिवाद दर्ज कराया जायेगा। उक्त कार्यवाही देर रात से अल सुबह तक जारी रही।खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने बताया गया कि निरीक्षण के दौरान 20 मावा एवं दूध के नमूने लिये गये। 2 निर्माण ईकाइयों पर मिलावटी मावा निर्माण में काम आने वाले दूध, स्कीम्ड मिल्क पाउडर, वनस्पति एवं इनसे बने लगभग 500 किलोग्राम मिलावटी दूध एवं मावे को मौके पर नष्ट करवाया गया। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में भी मिलावटी सामान की रोकथाम हेतु कार्यवाही जारी रहेगी। उक्त लिये गये नमूनों को जांच हेतु खाद्य प्रयोगशाला जयपुर भेजे गये है एवं प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित न्यायालयों में प्रकरण दर्ज करवाये जाएंगे। जिन फर्मों के पूर्व में भी नमूने जांच में फेल पाये गये है एवं न्यायालय द्वारा दंडित किया गया है, पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 64 के अन्तर्गत भी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

कार्रवाई में गोविंदगढ़ वृताधिकारी राजेश जांगिड़, संयुक्त जांच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित शर्मा, लोकेश शर्मा, देवेन्द्र सिंह राणावत एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम के खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद शर्मा, नरेश कुमार चेजारा, वीरेन्द्र सिंह, विशाल मित्तल, नरेन्द्र शर्मा, पवन कुमार गुप्ता भी शामिल थे।

# रिश्वत मामले में आरोपी चिकित्सक और सहयोगी की अर्जी खारिज

## रिश्वत मामले में आरोपी चिकित्सक और सहयोगी को नहीं मिली जमानत

**जयपुर।** एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-1, महानगर द्वितीय ने ब्रेन कॉइल का बिल पास करने की एवज में एक लाख रुपए की रिश्वत लेने के मामले में एसएमएस अस्पताल के न्यूरो सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ. मनीष अठावाल और उसके सहयोगी जगत सिंह को जमानत देने से इनकार कर दिया हैं इसके साथ ही अदालत दोनों आरोपियों की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है।

पीठासीन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने अपने आदेष में कहा कि मौजूदा समय में लोक सेवकों की ओर से कार्य करने में कमीशनखोरी की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना जरूरी है, ताकि आमजन के कार्य सुगमता से हो सकें और लोक सेवकों में भ्रष्टाचार के अपराध को लेकर भय पैदा हो। आरोपी चिकित्सक पर लोक कार्य की एवज में एक लाख रुपए की राशि राशि प्राप्त कर सह आरोपी जगत सिंह से मिलीभगत कर ट्रेप टीम के आने पर खुद को बचाने के लिए राशि के लिफाफे को खुर्द-बुर्द करने का प्रथम दृष्टया अपराध करना सामने आया है। इसके अलावा फिलहाल मामले में अनुसंधान विचाराधीन है।

में आरोपियों को जमानत का लाभ नहीं किया जा सकता। जमानत अर्जी में कहा गया कि आरोपी चिकित्सक के पास परिवादी का कोई काम पेंडिंग नहीं था। बिल राशि भुगतान के लिए अस्पताल की एक कमेटी बना रखी है। उसने परिवादी से रकम के लिए कोई मांग नहीं की है।

एसीबी में शिकायत दर्ज कराने तक वह उससे मिला नहीं था, उसे जमानत दी जाए। जिसका विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक शालिनी गौतम ने कहा कि आरोपी को रिश्वत राशि के साथ पकडा गया है। इसके अलावा अभियोजन के पास आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य हैं। ऐसे में उन्हें जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपियों की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया।

# जन सुरक्षा योजना व बीमा लक्ष्मी योजना का शुभारंभ

**जयपुर।** भारतीय जीवन बीमा निगम के सीईओ व एमडी आर.दुरैस्वामि ने दो नई योजनाएं, एलआईसी की जन सुरक्षा और एलआईसी की बीमा लक्ष्मी शुरू की। ये नई अगली पीढ़ ी जीएसटी व्यवस्था में एलआईसी द्वारा पेश किए गए पहले दो उत्पाद हैं। वर्तमान परिवेश में, जब ब्याज दरें अस्थिर हैं, ये दोनों योजनाएं पॉलिसी अवधि के दौरान गारंटीड ॲडीशन्स प्रदान करती हैं। दोनों योजनाओं के तहत तीन वर्षों के प्रीमियम का भुगतान करने के बाद ऑटो कवर सुविधा उपलब्ध है।

एलआईसी की जन सुरक्षा योजना एक सूक्ष्म बीमा योजना है। इस योजना का उद्देश्य कम आय वर्ग के लोगों की जरूरतों को पूरा करना है। एलआईसी की बीमा लक्ष्मी विशेष रूप से महिलाओं के लिए परिकल्पित की गई एक बीमा योजना है जो जीवन बीमा, बीमित व्यक्ति की पसंद के अनुसार हर 2 वर्ष अथवा 4 वर्ष बाद या प्रीमियम भुगतान बंद होने के बाद आवधिक निश्चित धन वापसी, सीमित व्यापारियों को कवर और आकर्षक गारंटीकृत परिपक्वता लाभ प्रदान करती है।

# नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को उम्रकैद

**जयपुर।** पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर द्वितीय ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त अजीत सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 1.21 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त साल 2020 से ही दुष्कर्म के अपराध में शामिल रहा है। अदालत ने कहा कि अभियुक्त ने पूर्व में भी पीडिता का अपहरण किया था। उस समय पीड़ित पक्ष ने नरम दिली और 24 साल के इस अभियुक्त के भविष्य को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई नहीं करने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया था। वहीं एक अन्य नाबालिग से दुष्कर्म करने का मामला भी आरोपी के खिलाफ लंबित है। ऐसे में अभियुक्त के साथ किसी तरह की नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने अदालत को बताया कि पीडिता की मां ने 14 जून, 2021 को करधनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि उसने पूर्व में अपनी बेटी के साथ दुष्कर्म करने को लेकर अभियुक्त के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। जिसमें अभियुक्त को जेल हो गई थी।

# दोनों पांव से दिव्यांग बताकर नियुक्ति से किया वंचित, हाई कोर्ट ने पुनः मेडिकल के दिए आदेश

**जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने दोनों पांव से दिव्यांग बताकर आयुर्वेद विभाग में कंपाउंडर के पद पर नियुक्ति नहीं देने के मामले में राज्य सरकार आदेश दिए हैं कि वह याचिकाकर्ता का जोधपुर एम्स से पुनः मेडिकल कराए। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश सतीश कुमार शर्मा की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।याचिका में अधिवक्ता सीपी शर्मा ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार के आयुर्वेद विभाग ने कंपाउंडर पद पर भर्ती के लिए साल 2024 में भर्ती विज्ञापन जारी किया था। भर्ती में एक पांव से दिव्यांग अभ्यर्थी के लिए पद आरक्षित रखे गए थे। याचिकाकर्ता एक पांव से दिव्यांग है। इस पर याचिकाकर्ता को इस वर्ग में नियुक्ति के लिए चयनित किया गया।

# आदेश की पालना करो, वरना प्रमुख गृह सचिव हाजिर होकर दें जवाब : हाईकोर्ट

**जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने मृत सिपाही की स्पेशल पेंशन को लेकर दिए अदालती आदेश की सात साल में भी पूर्णतः पालना नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने 13 नवम्बर को प्रमुख गृह सचिव को पेश होकर अपना जवाब देने को कहा है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि आगामी सुनवाई पर पालना रिपोर्ट पेश कर दी जाती है तो प्रमुख गृह सचिव को हाजिर होने की आवश्यकता नहीं है। जस्टिस उमाशंकर व्यास की एकलपीठ ने यह आदेश सरिता की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि यह बड़े आश्चर्य की बात है कि अदालती आदेश के खिलाफ पेश अपील को खंडपीठ ने निस्तारित कर दिया और मामले में रिव्यू पिटीशन भी तय हो चुकी, लेकिन विभाग की ओर से आदेश की पालना नहीं की गई।

याचिका में अधिवक्ता सौगत राय ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के पति पुलिस में कांस्टेबल पद पर तैनात थे। एक मुकदमे में अनुसंधान के लिए जाते समय रास्ते में हुई दुर्घटना में उनकी मौत हो गई। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से पुलिस प्रशासन के समक्ष नियमानुसार दी जाने वाली स्पेशल पेंशन के लिए आवेदन किया, लेकिन याचिकाकर्ता को स्पेशल पेंशन जारी नहीं की गई। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से सात 2015 में याचिका दायर की गई। जिसे एकलपीठ ने साल 2018 में स्वीकार करते हुए एक माह में परिलाभ जारी करने के आदेश दिए। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने दी जाने वाली राशि पर नौ फीसदी ब्याज अदा करने को कहा। याचिका में कहा गया कि इस आदेश की विभाग की ओर से खंडपीठ में अपील दायर की गई। अपील के लंबित रहने के दौरान विभाग ने याचिकाकर्ता को परिलाभ दे दिए, लेकिन ब्याज अदा नहीं किया। वहीं खंडपीठ ने अपील का निस्तारण करते हुए विभाग को एकलपीठ के समक्ष रिव्यू याचिका लगाने को कहा। इस रिव्यू याचिका को भी एकलपीठ ने तय कर दिया, लेकिन विभाग ने ब्याज राशि जारी नहीं की। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने आगामी सुनवाई तक पालना रिपोर्ट पेश नहीं करने पर प्रमुख गृह सचिव को हाजिर होने को कहा है।

# दिव्यांग बच्चों ने प्रदर्शनी में भाग लिया

**जयपुर।** जेईसीसी सीतापुरा जयपुर में आयोजित हो रही नवीन आपराधिक कानूनों पर प्रदर्शनी में दिव्यांग बच्चों के समेकित और समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत प्रयास वोकेशनल इंस्टिट्यूट फॉर मेंटली हैंडीकैप्ड के दिव्यांग बच्चों ने दौरा किया। यह प्रदर्शनी आम जनता और विशेष शिक्षा से जुड़े हितधारकों के लिए आयोजित की गई है। प्रयास संस्थान की निदेशक सत्या सेंगाथिर ने बताया कि संस्थान में संचालित इंटीग्रेटेड और स्पेशल स्कूलों के साथ-साथ आरसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त डी.ईडी एसपीएल ईडी आईडीडी और बी.ईडी एसपीएल.ईडी आईडी पाठ्यक्रम विशेष शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए चलाए जा रहे हैं।

# एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष सहित तीन को जमानत

**जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय में आरएसएस के शस्त्र पूजन कार्यक्रम के दौरान हंगामा करने और राजकार्य में बाधा पहुंचाने से जुड़े मामले में एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ सहित तीन आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश विनोद जाखड़, किशोर और महेश की ओर से पेश जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

जमानत अर्जी में अधिवक्ता भरत यादव ने कहा कि राष्ट्रीय खेल अधिवेशन के नाम पर आरएसएस का शस्त्र पूजन कार्यक्रम विवि में आयोजित किया गया।

जिसका शांतिपूर्वक विरोध किया गया था। इससे आक्रोशित होकर एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं पर आरएसएस के लोगों ने हमला किया। वहीं पुलिस ने दबाव में आकर प्रार्थियों के खिलाफ ही मामला दर्ज कर लिया। मामले में एक तरफ तो उन्हें घटना के समय शांतिभंग और अपराध किए जाने की संभावना के आधार पर गिरफ्तार किया गया, वहीं दूसरी तरफ गंभीर धाराओं में अपराध करना मानते हुए उन्हें उसी घटनाक्रम में गिरफ्तार दिखा दिया। ऐसे में एक ही घटना की दो रिपोर्ट बनाना कानूनी रूप से स्वीकार नहीं है। इसके अलावा गिरफ्तारी से पूर्व धारा 41 के प्रावधानों की पालना नहीं की गई।

# 'मोरपाल सुमन जनसेवा की भावना से प्रेरित होकर कर रहे हैं कार्य'

**जयपुर।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया बाइट के दौरान कहा कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा अंता विधानसभा उपचुनाव में मोरपाल सुमन को पार्टी का आधिकारिक प्रत्याशी घोषित किया गया है। मोरपाल सुमन जैसे जमीनी कार्यकर्ता के माध्यम से पार्टी अंता की जनता को एक मजबूत, सजग और सेवाभावी नेतृत्व प्रदान करना चाहती है। यह निर्णय पार्टी की संसदीय बोर्ड की सहमति से लिया गया है।

मोरपाल समर्पित और कर्मठ कार्यकर्ता हैं, जो प्रारंभ से ही पार्टी की विचारधारा से जुड़े हुए हैं और विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते आ रहे हैं। वे एक सामान्य परिवार से आते हैं और जनसेवा की भावना से प्रेरित होकर निरंतर समाज के बीच कार्य कर रहे हैं। उनकी निस्कलंक छवि, सेवाभाव और संगठनात्मक क्षमताओं के आधार पर उन्हें प्रत्याशी बनाया गया है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा ने अंता विधानसभा क्षेत्र में गहन सर्वेक्षण, संगठनात्मक विचार-विमर्श और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं से परामर्श के उपरांत यह निर्णय लिया है। विभिन्न सर्वेक्षणों में मोरपाल सुमन को क्षेत्र का सर्वाधिक लोकप्रिय और स्वीकार्य चेहरा पाया गया। चयन में सामाजिक समरसता, अनुभव, और जनता से जुड़ाव को प्राथमिकता दी गई है। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार देशभर में सुशासन और विकास की नीति को बल मिल रहा है।

# दीपावली पर्व पर विधान सभा अध्यक्ष ने दी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

**जयपुर।** राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने प्रदेशवासियों को दीपावली पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। श्री देवनानी ने कहा है कि पंच दिवसीय दीपोत्सव साझे आनन्द का उत्सव है। इस त्यौहार को सभी लोग आपस में मिल-जुल कर मनाएं और समाज में आपसी सौहार्द, सद्भाव और खुशहाली का वातावरण बनायें।देवनानी ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि शुभ दीपोत्सव पर भारत की मिट्टी से बने दीप जलाएं ताकि संस्कृति की सौंधी खुशबू आये। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के जज्बे की तरह राष्ट्र के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाकर किसान और मजदूर की मेहनत को बढ़ावा देते हुए दृढ़ भारत का मान बढ़ाये और राष्ट्र प्रेम की लौ से भारत को रोशन करें।

# राजस्थान विधानसभा में 21 व 24 अक्टूबर का अवकाश घोषित

**जयपुर।** राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने पांच दिवसीय दीपावली के त्योहार पर विधानसभा कर्मियों की सुविधा के मददेनजर राजस्थान विधानसभा सचिवालय में 21 व 24 अक्टूबर का अवकाश घोषित किया है। इस आशय के आदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव श्री भारत भूषण शर्मा ने शुक्रवार को जारी किए।

इस आदेश के बाद विधानसभा कर्मियों में खुशी की लहर है। विधानसभा कर्मियों व उनके परिजनों ने इसके लिए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का आभार जताया है।

# मेट्रो ट्रेन के समय एवं फेरो में बढ़ोतरी

**जयपुर।** जयपुर मेट्रो राष्ट्रीय पर्वों, त्यौहारों एवं उत्सवों के दिनो में भी जनता के प्रति अपना सामाजिक सरोकार पूरी तरह निभाता रहा है। इसी कडी में आगामी दीपावली सीजन पर दिनांक 18.10.2025 से 21.10.2025 तक जयपुर मेट्रो ट्रेन के फेरों की संख्या वर्तमान संख्या से बढ़ाकर 208 कर दी गई हैं।दीपावली को लेकर परकोटे में 17.10.2025 से 21.10.2025 अक्टूबर तक मुख्य बाजारों में रोशनी की सजावट को देखने के लिए काफी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक एवं शहरवासियों के आगमन को देखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया हैं।

# राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कुंजीलाल मीणा को पुरस्कार से नवाजा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में एसीएस कुंजी लाल मीणा को धरती आबा अभियान में राजस्थान की ऐतिहासिक उपलब्धि पर पुरस्कार दिया।

**जयपुर।** जनजाति बहुल क्षेत्रों में विकास कार्य व सरकारी सेवाओं की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने, शिकायत निवारण प्रणाली को पूर्ण प्रभावी बनाने और जनजाति वर्ग के अधिकारों की अक्षरशः पालना, उनके कल्याण और उत्थान के मामले में राजस्थान देश में नम्बर 1 पर है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 'आदि कर्मयोगी अभियान' के नेशनल कॉन्क्लेव में राज्य के जनजाति विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री कुंजीलाल मीणा को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) में राजस्थान के देशभर में प्रथम रहने पर पुरस्कार प्रदान किया।

इस अवसर पर केन्द्रीय जनजाति विकास मंत्री जुएल ओराम और राजस्थान के जनजाति विकास मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी भी उपस्थित थे। धरती आभा अभियान का मकसद अपने अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जनजातीय समुदायों तक जागरूकता और पहुंच बढ़ाकर उनका सशक्तीकरण सुनिश्चत करना है। धरती आबा और पीएम-जनमन केन्द्र सरकार की बेहद उच्च प्राथमिकता वाले अभियान/योजनाओं में शामिल हैं, जिनकी प्रगति की मॉनिटरिंग करने तथा आवश्यकता वाले क्षेत्र में नवाचार के लिए बहुत उच्च स्तरीय सिस्टम कार्यरत है।

कार्यक्रम के बाद एसीएस श्री कुंजीलाल मीणा ने बताया कि इस अभियान में देश के 549 जिलों के 63,000 से अधिक जनजातीय बहुल गांव कवर किए गए हैं।

राष्ट्रव्यापी जागरूकता और लाभ संतृप्ति अभियान के रूप में संचालित इस अभियान में 207 जिलों की 29,000 से अधिक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) बस्तियां शामिल हैं।


**कार्यालय उपायुक्त किशनपोल जोन नगर निगम जयपुर**
सोफिया स्कूल के सामने घाटगेट जयपुर पिन कोड 302003
क्रमांक-F-52/DC/KPZ/2025/1312 दिनांक-16/10/2025
**सार्वजनिक आपत्ति सूचना**
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री प्रदीप गुप्ता पुत्र स्व श्री रामस्वरूप गुप्ता ने मकान संख्या 1615 खेजड़ो का ... [illegible] ... उपायुक्त, किशनपोल जोन नगर निगम जयपुर (हैरिटेज)

**कार्यालय उपायुक्त, (विद्याधर जोन) नगर निगम ग्रेटर जयपुर**
... [illegible] ... भूखण्ड श्रीमती मंजू देवी पत्नी श्री हरिकिशन एवं श्रीमती संजू देवी पत्नी श्री राकेश कुमार को उपहार कर दिया गया। श्रीमती मंजू देवी पत्नी श्री हरिकिशन एवं श्रीमती संजू देवी पत्नी श्री राकेश कुमार ने जरिये पजीकृत विक्रय पत्र दिनाक 08/01/2025 को उक्त भूखण्ड श्री जयराम कुमावत पुत्र श्री चौथा राम कुमावत को विक्रय कर दिया गया। श्री जयराम कुमावत पुत्र श्री चौथा राम कुमावत ने भूखण्ड सं. 56, श्रीरामनगर विस्तार, झोटवाड़ा, जयपुर (भैरव गृह निर्माण सहकारी समिति) क्षेत्रफल 233.3 वर्गगज का पट्टा विलेख चाहा गया है। उक्त भूखण्ड के पट्टा विलेख बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार पट्टा विलेख की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त विद्याधर नगर जोन नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

**NAME CHANGE**
I army no 2890548X Ex Hav Gulab singh Shekhawat S/O hanuman singh Shekhawat resident of Vpo rajnota tehsil paota district jaipur that i want change my dependent name from NAVEEN SINGH to NAVEEN SHEKHAWAT (DOB 5/7/2006) vide affidavit dated 16/10/25 before district notary Kotputli Jaipur

**नाम परिवर्तन**
I have changed my name from Amreen to Amreen Khan in future 18 R.A.C. Road Amratpuri Ghat Gate Jaipur

I have changed my name Faizan Iftikar Sayd to Syed Faizan Iftikhar S/o Syed Iftikhar Ali in future Recognize me by this name Address- 31-A, Vivekanand Marg, Behind Khetdi House Nahri Ka Naka, Jaipur-302016

**नम्बर मिलाइए 9587884433**
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/841 ... [illegible] ... आज दिनांक 17.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 19.12.2025
सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/832 चूंकि प्रार्थी श्री VINOD KUMAR, 109, TELIPADA, BODH SHALA SCHOOT. SE AAGE, PARVATIY COLONYSHASTRINAGAR, JAIPUR ... [illegible] ... आज दिनांक 17.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 23.12.2025
सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

**सार्वजनिक सूचना — कार्यालय नगर पालिका जोबनेर जिला जयपुर**
क्रमांकः- न.पा.जो. / 2025-26/2223 दिनांक 17.10.25
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका मण्डल जोबनेर में नगर पालिका माडल राजस्थान भवन विनियम 2025 के तहत् निम्न लिखित पत्रावलियां विचाराधीन है। अगर इन सम्पत्तीयों का निस्तारण करने में किसी को कोई आपति हो तो 3 दिवस के अन्दर मियाद अपनी आपति सबूतों सहित पालिका में दर्ज करवा सकते है। अवधि पूर्ण होने के बाद किसी भी प्रकार की आपति स्वीकार नही होगी व नियमानुसार अग्रीम कार्यवाही की

**निमार्ण इजाजत**

| क्र. स. | आवेदक का नाम मय पिता/ पति | वार्ड/कालोनी गली का नाम | आसे पासे का विवरण: पूर्व | पश्चिम | उत्तर | दक्षिण | आवसीय/ व्य सायिक | क्षेत्र. वर्ग गज |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्र. स. | श्री लालचन्द कुमावत पुत्र श्री भंवर लाल | कालवाड रोड ढाणी नागान जोबनेर | श्री मदन लाल पाटनी का प्लाट | श्री भागचन्द सिन्धी की भूमि | श्री नानूराम खोरनिया की भूमि | जयपुर रोड | मिश्रित | 702.25 |

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका जोबनेर

**कार्यालय नगरपालिका मण्डल पोकरण, जिला जैसलमेर (राज.)**
क्रमांक /न.पा.पो./भूमि/2025/3707 दिनांक:- 17.10.2025
**-: लोकसूचना :-**
इस कार्यालय में शहरी सेवा शिविर 2025 अन्तर्गत निम्न आवेदकों ने कृषि भूमि रुपान्तरण / नियमन एवं भु उपयोग परिवर्तन के अन्तर्गत नीचे उल्लेखित भूमि का गैर - कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु (आवासीय / वाणिज्यिक) ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिये आवेदन प्रस्तुत किया है।

| क्र. सं. | आवेदक का नाम मय पिता / पति नाम | जिले सहित तहसील का नाम | खसरा सं. | क्षैत्रफल | चाहे गये रुपान्तरण का प्रकार |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | श्री रईस खां / मीरे खां जाति मुसलमान | पोकरण/जैसलमेर | 3434/16 | 1228.64 वर्गमीटर | वाणिज्यिक (पैट्रोल पम्प) |

इसलिये इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू - राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90- क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के ... [illegible] ...
अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका पोकरण

**कार्यालय नगर परिषद कोटपतली (कोटपूतली-बहरोड)**
क्रमांक-न.प.कोट/भूमि/2025/3293 दिनांक-17.10.2025
प्रारूप-10 (नियम 6(7)
**लोक सूचना**
... [illegible] ...
प्राधिकृत अधिकारी नगर परिषद कोटपतली

**भारतीय स्टेट बैंक State Bank of India**
STATE BANK OF INDIA SMECC VKIE JAIPUR -15920 Tel - 0141-2851802, 2851800
परिशिष्ट-IV (नियम 8(1)), कब्जे संबंधी सूचना 13(4) (अचल संपत्ति हेतु)
... [illegible] ...
**अचल संपत्ति का विवरण**
श्रीमती साक्षी बिनयानी पत्नी श्री जय किशन बिनयानी एवं श्री जय किशन बिनयानी पुत्र स्व. श्री टीकम दास बिनयानी के नाम आवासीय संपत्ति जो कि फ्लैट नं. एस-2, द्वितीय तल, ''आशियाना रेजीडेंसी-1'' 18, कृष्णा नगर, सिरसी रोड, जयपुर (राज.) स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल बैंक रिकार्ड के अनुसार 92.89 वर्गमीटर है प्लाट नं. 18 की सीमाएं निम्न प्रकार है। पूर्व में: प्लाट नं.19 पश्चिम में: अन्य भूमि उत्तर में: रोड दक्षिण में: प्लाट नं.17
दिनांक : 13.10.2025 स्थान : जयपुर (राज.) प्राधिकृत अधिकारी (भारतीय स्टेट बैंक)

**कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-08 जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर**
क्र: 90A/JDA/2025-26/100316 लोक सूचना दि 17.10.2025
श्री BABU LAL BURI पुत्र श्री KALU RAM BURI जाति JAT निवासी CHHITAR CHOUDHARY KI DHANI MOHANPURA SANGANER JAIPUR ... [illegible] ... कुल 0.4780 ... प्राधिकृत अधिकारी जोन-08

**कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-08 जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर**
क्र: 90A/JDA/2025-26/100317 लोक सूचना दि 17.10.2025
श्री KANARAM JAT पुत्र श्री KALU RAM BURI जाति JAT निवासी CHHITAR CHOUDHARY KI DHANI MOHANPURA SANGANER JAIPUR ... [illegible] ... कुल 0.2000 ... प्राधिकृत अधिकारी जोन-08

**श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय)**
बी-4, कुतुब सांस्थानिक सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
**विज्ञापन संख्या- 03/2025**
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में एक एसोसिएट प्रोफेसर (सर्वदर्शन), एक सहायक प्रोफेसर (शिक्षा), एक सहायक प्रोफेसर (धर्मशास्त्र) एवं पुस्तकालयाध्यक्ष पद की भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों से ऑनलाईन माध्यम द्वारा आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। पदो से संबंधित योग्यता मानदंड, आवेदन शुल्क, आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि तथा भर्ती के अन्य विस्तृत नियमों एवं शर्तो आदि को विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.slbsrsv.ac.in तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पोर्टल (https://curec.samarth.ac.in/index.php /search/site/index पर अपलोड किया गया है। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 17.11.2025 है।
CBC 21371/12/0010/2526 कुलसचिव (प्रभारी)

# PIMS CITY HOSPITAL

## A MULTI SUPER-SPECIALITY HOSPITAL

## उदयपुर के दिल में, स्वास्थ्य की नई धड़कन।

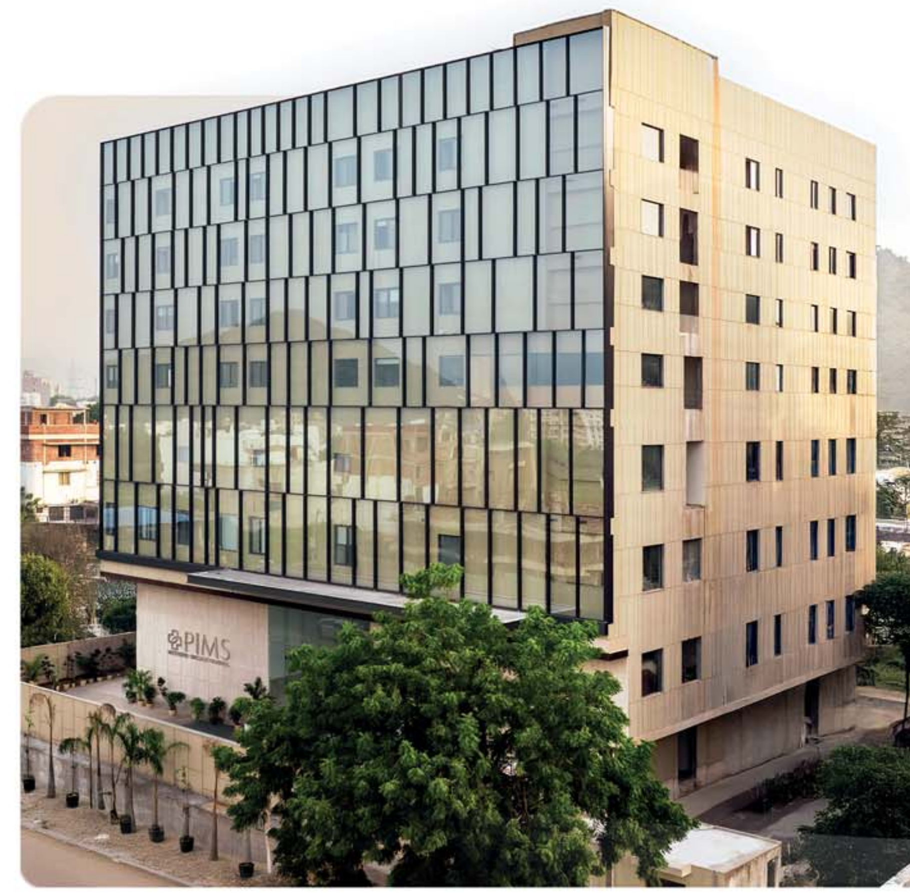

अनुभवी डॉक्टर, आधुनिक उपचार और विश्वसनीय सेवाएं अब आपके शहर में।

**OPEN NOW**

**डॉ. नरेंद्र मल**
न्यूरोसर्जन

**डॉ. राजेश खोईवाल**
न्यूरोलॉजिस्ट

**डॉ. मनीष भट्ट**
यूरोलॉजिस्ट

**डॉ. बकुल गुप्ता**
नेफ्रोलॉजिस्ट

**डॉ जे. के. छापरवाल**
फिजिशियन

**डॉ. बी. एल. कुमार**
ऑर्थोपेडिक सर्जन

**डॉ. सचिन जैन**
ऑन्कोलॉजिस्ट

**डॉ. श्वेताभ पुरोहित**
पल्मोनोलॉजिस्ट

## विशेष ऑफ़र 31 अक्टूबर तक

| निःशुल्क | MRI | ब्लड टेस्ट | सर्जरी | कीमोथेरपी |
|---|---|---|---|---|
| ओपीडी | 50% छूट | 50% छूट | 25% छूट | 20% छूट |

## सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं

- ऑन्कोलॉजी
- ओन्को सर्जरी
- कार्डियोलोजी
- न्यूरोलॉजी
- नेफ्रोलोजी
- पीडियाट्रिक सर्जरी
- कार्डियक सर्जरी
- न्यूरो सर्जरी
- ग्रेस्ट्रोएंट्रोलोजी
- यूरोलॉजी
- प्लास्टिक एवं बर्न सर्जरी
- रेडियोथेरेपी

## जनरल सुविधाएं

- जनरल मेडिसिन
- मनोरोग चिकित्सा
- टी.बी., चेस्ट एवं श्वास रोग
- नेत्र रोग
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- दंत चिकित्सा
- पेन मैनेजमेन्ट क्लिनिक
- जनरल एवं लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी
- हड्डी एवं जोड़ रोग
- नाक, कान, गला
- त्वचा एवं चर्म रोग
- बाल चिकित्सा
- रेडियोलॉजी: सीटी, एमआरआई, एक्स-रे

**सभी प्रकार की चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं - 7766-80-7766**

care@pimscityhospital.com /PIMScityhospital

Near Solitaire Garden, Meera Nagar, Udaipur www.pimscityhospital.com

# आरजेडी व कांग्रेस ने केवल भ्रष्टाचार व परिवारवाद की राजनीति की- भजनलाल

## मुख्यमंत्री भजनलाल ने शुक्रवार को बिहार चुनाव में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा की

बिहार, 17 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आरजेडी और कांग्रेस लूट और भ्रष्टाचार के अड्डे हैं, जिन्होंने केवल परिवारवाद की राजनीति की तथा बिहार के गरीबों को लूटा है। इन लोगों ने सत्ता के अहंकार में जनता की सेवा करने के बजाय केवल अपनी तिजोरियां भरीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान एनडीए सरकार ने अपना हर वादा पूरा किया है तथा दिन-रात मेहनत कर विकसित और समृद्ध बिहार बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

शर्मा शुक्रवार को बिहार चुनाव के तहत, डुमरा हवाई फील्ड पर एनडीए के विभिन्न प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मिथिला की पवित्र धरती पर जगत जननी मां जानकी का जन्म हुआ था। मिथिला की यह धरती केवल आस्था की भूमि नहीं है, बल्कि ज्ञान, कला, संस्कृति और संस्कारों की साक्षात् जननी है। शर्मा ने कहा कि बिहार में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के शासनकाल में जंगलराज था। यह वह समय था, जब कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई थी, अपराध अपने चरम पर था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने बिहार को फिर से अपना

*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को बिहार में डुमरा हवाई फील्ड पर एनडीए के विभिन्न प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित किया।*

खोया हुआ गौरव वापस दिलाने का काम किया है। आज बिहार में विकास की रोशनी दिख रही है। यहां कानून का राज स्थापित हुआ है।

■ **भजनलाल शर्मा ने कहा कि अवैध घुसपैठिये बिहार में आकर आपके संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले इसे उजागर नहीं होने देना चाहते।**

शर्मा ने कहा कि अवैध घुसपैठिए बिहार में आकर आपके संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं, रोजगार छीन रहे हैं तथा आपकी सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले इसे उजागर नहीं होने देना चाहते।

मुख्यमंत्री ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि बिहार को विकास, शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा और समृद्धि में आगे बढ़ाने के लिए बाथनाहा से भाजपा प्रत्याशी अनिल कुमार राम, परिहार से गायत्री देवी, रीगा से बैद्यनाथ प्रसाद, सीतामढ़ी से सुनील कुमार पिंटू और सुरसंड से नागेन्द्र राउत को भारी मतों से विजयी बनायें।

# गुजरात को मिला नया मंत्रिमण्डल

गांधीनगर, 17 अक्टूबर। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने शुक्रवार को 19 विधायकों को मंत्रियों के तौर पर शामिल कर मंत्रिपरिषद में फेरबदल किया और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी को उपमुख्यमंत्री बनाया। इसी के साथ पटेल, समेत मंत्रिपरिषद में शामिल कुल नेताओं की संख्या 26 हो गई है। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने नए मंत्रियों के साथ-साथ उन नेताओं को

■ **26 मंत्रियों ने शपथ ली। क्रिकेटर रवीन्द्र जडेजा की पत्नी को भी मंत्री बनाया गया है।**

भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई, जिन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है और राज्य मंत्रियों से राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया है। इसके साथ ही, कांग्रेस की गुजरात इकाई के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मोढ वाडिया ने राज्य कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। मोढ़ वाडिया अब भाजपा में शामिल हो गए हैं।

राज्य मंत्री के रूप में भारतीय क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा को शामिल किया जाना आश्चर्यजनक कदम है।

सूरत शहर के मुजारा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले संघवी ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वह अब तक गृह राज्य मंत्री थे। संघवी और भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाले पिछले मंत्रिमंडल का हिस्सा रहे पांच अन्य विधायक मंत्रिपरिषद में बने हुए हैं।

# तेजस्वी यादव ने मुकेश सहनी को अल्टीमेटम दिया

## तेजस्वी ने दो टूक कहा, सिर्फ 15 सीटें ही मिलेंगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी सीट बंटवारे में बेहतर सौदे के लिए कड़ी बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सहनी ने 243 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में कम से कम 24 सीटों की माँग की है। सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने अब स्पष्ट कर दिया है कि वीआईपी को केवल लगभग 15 सीटें ही मिल सकती हैं।

अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि महागठबंधन ने सहनी को यह साफ कर दिया है कि यही उनके लिए सबसे अच्छा सौदा है। यदि सहनी झुकते हैं, तो महागठबंधन सीट समझौते को अंतिम रूप दे सकता है। लेकिन अगर उन्होंने बगावत की और गठबंधन से बाहर निकलने का फैसला किया, तो और राजनीतिक नाटक देखने को मिल सकता है।

राजद के सूत्रों के अनुसार, सहनी की कड़ी सौदेबाज़ी अब "टूटने की कगार" पर पहुँच गई है और तेजस्वी यादव ने उन्हें "अल्टीमेटम" दे दिया है। 2018 में स्थापित हुई विकासशील

■ **महागठबंधन के अतरंग सूत्रों के अनुसार, विकासशील इंसान पार्टी के सुप्रीमो मुकेश सहनी 24 सीटों के लिए कड़ी सौदेबाजी कर रहे थे, पर उन्हें सफलता नहीं मिली। अब अगर उन्होंने बगावत की तो बड़ा राजनैतिक ड्रामा देखने को मिल सकता है।**

इंसान पार्टी का आधार बिहार के मछुआरा और नाविक समुदायों में है, और सहनी सीट शेयरिंग वार्ताओं के दौरान, अपनी सख्त सौदेबाज़ी के लिए जाने जाते हैं।

2020 बिहार विधानसभा चुनाव में सहनी शुरू में महागठबंधन के साथ थे, लेकिन जब उन्हें उनकी मांगी हुई सीटें नहीं मिलीं, तो वे एनडीए में शामिल हो गए। एनडीए के साथ रहते हुए, वीआईपी ने 11 सीटों पर चुनाव लड़ा और चार सीटें जीतीं। बाद में एक विधायक की मृत्यु हो गई और बाकी तीन भाजपा में शामिल हो गए। इसके बाद सहनी ने एनडीए से नाता तोड़ लिया।

आगामी बिहार चुनावों की तैयारियों के दौरान, सहनी लगातार महागठबंधन नेतृत्व पर बेहतर सीट समझौते के लिए दबाव बना रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में उन्होंने जोर देकर कहा था कि अगर महागठबंधन सत्ता में आता है, तो वे उपमुख्यमंत्री बनना चाहेंगे।

जब उनसे यह पूछा गया कि सहयोगी दल उन्हें उपमुख्यमंत्री पद के लिए स्वीकार करने में हिचकिचा रहे हैं, तो सहनी ने कहा, "अगर कुछ लोग तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार करने से इनकार करते हैं, तो क्या बिहार बिना मुख्यमंत्री के चलेगा? अगर तेजस्वी मुख्यमंत्री बन सकते हैं, तो मैं भी उपमुख्यमंत्री बन सकता हूँ। बहुमत यह तय करता है कि कौनसा पद किसके पास रहता है। भाजपा ने कहा है कि मैं एक अच्छा उपमुख्यमंत्री साबित हो सकता हूँ और अगर सबसे बड़ी पार्टी मेरी अहमियत को स्वीकार करती है, तो यह साबित करता है कि जिधर भी मुकेश सहनी जाते हैं, उसी पक्ष की सरकार बनती है।"

सहनी इससे पहले नीतीश कुमार सरकार में पशु पालन एवं मत्स्य संसाधन मंत्री रह चुके हैं।

# भाजपा-जदयू के ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

भाजपा के समर्थन से असंतुष्ट थी।

जेडीयू का मानना है कि भाजपा चिराग पासवान को जेडीयू के पारंपरिक गढ़ों में सीटें देकर उन्हें अनुचित रूप से बढ़ावा दे रही है। पार्टी के भीतर यह आशंका बढ़ रही है कि भाजपा शायद चिराग पासवान को बिहार की राजनीति में भविष्य के दलित चेहरे- और संभवत: मुख्यमंत्री पद के दावेदार - के रूप में उभारना चाहती है, ताकि अपना सामाजिक आधार और मजबूत कर सके।

पर्यवेक्षकों के अनुसार, चिराग पासवान, जो बिहार के प्रभावशाली दलित समूह का प्रतिनिधित्व करते हैं, भाजपा को अनुसूचित जाति (एससी) के लगभग 19 प्रतिशत वोट बैंक को एकजुट करने में मदद कर सकते हैं, जो राज्य में रविदास समुदाय के बाद सबसे बड़ा समूह है।

एक युवा दलित नेता को आगे कर, भाजपा राज्य की जातीय समीकरणों को नया आकार देने की कोशिश कर सकती है, जहाँ नीतीश कुमार की लोकप्रियता अब तक अति पिछड़े वर्गों (ईबीसी), महिलाओं और अल्पसंख्यकों के सामाजिक गठजोड़ पर आधारित रही है।

इस बीच, विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने इस विवाद को तुरंत भुनाने की कोशिश की। वरिष्ठ राजद नेता शिवानंद तिवारी ने अमित शाह की टिप्पणी को एनडीए के महत्वपूर्ण सहयोगियों का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि यह बयान भाजपा की अपने साथियों पर वर्चस्व स्थापित करने की महत्वाकांक्षा को उजागर करता है।

तिवारी के अनुसार, शाह की टिप्पणी ने न केवल नीतीश कुमार की राजनीतिक हैसियत को कमजोर किया, बल्कि महत्वपूर्ण चुनाव से पहले सत्तारूढ़ गठबंधन की आंतरिक दरारों को भी सामने ला दिया। जैसे-जैसे बिहार 6 और 11 नवंबर को होने वाले दो चरणों के मतदान की ओर बढ़ रहा है, एनडीए की यह आंतरिक बेचैनी विपक्ष के लिए नए अवसर पैदा करती दिख रही है।

फिलहाल भाजपा और जेडीयू दोनों ही दलों के नेता इस विवाद को कमतर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन नीतीश कुमार की मुख्यमंत्री पद पर निरंतरता अब निस्संदेह बिहार की राजनीतिक बहस का प्रमुख मुद्दा बन चुकी है।

# 'जरुरी ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

अकॉम्प्ली" स्थिति का सामना करना पड़ेगा कि या तो भाजपा के उम्मीदवार को मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार करें, या फिर अपनी पार्टी के टूटने का खतरा उठाने के लिये तैयार रहें, जैसा कि भाजपा ने महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में किया था। जेडीयू में पहले से ही भाजपा समर्थकों की घुसपैठ मानी जा रही है।

हालाँकि नीतीश कुमार अब स्वास्थ्य एवं राजनैतिक प्रभाव के शीर्ष पर नहीं रहे हैं, लेकिन उनकी रणनीतिक चालें और अंतिम क्षणों में खेल पलटने की क्षमता सर्वविदित है। इसलिए, इस समय नीतीश कुमार के राजनीतिक अन्त की घोषणा करना जल्दबाजी और नासमझी होगी।

# गृह मंत्रालय ने लेह हिंसा की न्यायिक जांच के आदेश दिए

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। केन्द्र सरकार ने 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा की जांच के लिए रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जज बी. एस. चौहान को नियुक्त किया है। इस जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि उस दिन कानून और व्यवस्था की गम्भीर स्थिति क्यों उत्पन्न हुई, पुलिस ने कैसे कार्रवाई की, और उस दौरान चार लोगों की मौत कैसे हुई। सरकारी बयान के अनुसार, 24 सितंबर को लेह शहर में कानून-व्यवस्था की गम्भीर समस्या पैदा हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप पुलिस कार्रवाई हुई और चार लोग मारे गए।

मंत्रालय ने कहा, निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए गृह मंत्रालय ने आज न्यायिक जांच की घोषणा की है, जिसे पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज डॉ. बी. एस. चौहान करेंगे। यह जांच उन परिस्थितियों की पड़ताल करेगी, जिनके कारण कानून और व्यवस्था की गम्भीर समस्या पैदा हुई, पुलिस ने क्या कार्रवाई की,

■ **सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज बीएस चौहान 24 सितम्बर को लेह में हुई हिंसा के कारणों की जांच करेंगे।**

और चार व्यक्तियों की दुर्भाग्यपूर्ण मौत हुई।

सरकार ने यह भी कहा कि वह किसी भी समय संवाद के लिए तैयार है और आगे भी उच्च स्तरीय समिति या किसी अन्य प्लेटफार्म के माध्यम से एपेक्स बॉडी लेह (एबीएल) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के साथ बातचीत का स्वागत करती रहेगी। सरकार ने भरोसा जताया कि लगातार बातचीत से जल्दी ही सकारात्मक नतीजे सामने आएंगे और वह लेह के लोगों की आकांक्षाओं के प्रति प्रतिबद्ध है।

# मेहुल चोकसी का भारत प्रत्यर्पण होगा

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। भारत के सबसे चर्चित आर्थिक भगोड़ों में से एक मेहुल चोकसी के खिलाफ बेल्जियम की अदालत से बड़ी खबर आई है। एंटवर्प कोर्ट ने चोकसी के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। अदालत ने साफ कहा कि भारतीय एजेंसियों की मांग वैध है और बेल्जियम पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारी कानूनी रूप से सही थी। इस फैसले के साथ भारत की एजेंसियों सीबीआई और ईडी को एक बड़ी कानूनी जीत मिली है।

भारत ने चोकसी के खिलाफ मजबूत केस पेश करते हुए उसे 13,850 करोड़ रुपए केपंजाबनेशनल बैंक घोटाले का मुख्य आरोपी बताया। सीबीआई ने अदालत को बताया कि चोकसी ने पीएनबी के अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग जारी कर विदेशी बैंकों से बिना सिक्योरिटी के लोन हासिल किए और पैसा शेल कंपनियों में ट्रांसफर कर मनी लॉन्डरिंग की।

■ **सीबीआई की दलीलों के बाद एंटवर्प कोर्ट ने मेहुल के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी।**

भारत ने उस पर धोखाधड़ी, साजिश, सबूत नष्ट करने और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। की धाराएं 120, 201, 409, 420, 477 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं 7 और 13 उसके खिलाफ लगाई गई हैं। अदालत ने माना कि ये अपराध बेल्जियम कानून में भी दंडनीय हैं।

# स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एमके 1ए ने भरी पहली उड़ान

## रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को इसके लिए बधाई दी

नासिक, 17 अक्टूबर। भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एमके1ए ने आज अपनी पहली उड़ान भरी। हिंदुस्तान एयरोनोटिक्स लिमिटेड के नासिक स्थित एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग डिविजन में यह उड़ान हुई। भारत में लड़ाकू विमान निर्माण की दिशा में यह अहम पल है। इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। राजनाथ सिंह आज एलसीए एमके1ए की तीसरी प्रोडक्शन लाइन और साथ ही एचटीटी-40 एयरक्राफ्ट की दूसरी प्रोडक्शन लाइन का भी उद्घाटन करेंगे।

इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आज एचएएल की तीसरी उत्पादन लाइन का उद्घाटन हो रहा है, जो एलसीए एमके1ए तेजस बनाती है,

■ **हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की नासिक शाखा में आयोजित कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा "मेरा सीना" गर्व से चौड़ा हो गया।**

और एचटीटी 40 विमान की दूसरी उत्पादन लाइन है। मैं एचएएल में सभी को बधाई देता हूं। जब मैंने आज सुखोई एसयू-30, एलसीए तेजस और एचटीटी -40 को उड़ान भरते देखा, तो मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया। ये उड़ान, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की मिसाल है। एचएएल ने भारत के लिए एक मजबूत स्तंभ के रूप में काम किया है।

राजनाथ सिंह ने कहा, एक समय था, जब देश अपनी रक्षा जरूरतों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था और लगभग 65-70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किए जाते थे लेकिन आज, यह स्थिति बदल गई है। अब भारत 65 प्रतिशत विनिर्माण अपनी धरती पर कर रहा है। बहुत जल्द, हम अपने घरेलू विनिर्माण को भी 100 प्रतिशत तक ले जाएंगे।

तेजस एमके1ए को वायुसेना में शामिल करने की तारीखों का एलान नहीं हुआ है, लेकिन एचएएल का कहना है कि आने वाले चार वर्षों में भारतीय वायुसेना को 83 तेजस मार्क1ए लड़ाकू विमानों की आपूर्ति की जाएगी। अमेरिकी इंजन की आपूर्ति में देरी की वजह से पहले ही देरी हो रही है।

# सबरीमाला स्वर्ण चोरी में बड़ा खुलासा

कोच्चि, 17 अक्टूबर। केरल के प्रसिद्ध हिंदू मंदिर सबरीमाला में सोना चोरी मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। सोना चोरी होने मामले की जांच कर रही टीम ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि मंदिर के एक सहायक ने द्वारपालक की मूर्तियों से लगभग दो किलो सोने का गबन किया गया। एसआईटी ने अपनी रिमांड रिपोर्ट में कहा है कि आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी ने 2019 में द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों पर इलेक्ट्रोप्लेटिंग का खर्चा उठाने के बाद उनसे लगभग दो किलोग्राम सोना चोरी किया। वहीं शुक्रवार कोसबरीमाला द्वारपालका मूर्ति पर सोने की परत को तंत्री कंडाररू महेश मोहनारू की देखरेख में फिर से स्थापित किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, 2004 से 2008 के बीच सबरीमाला मंदिर के पुजारी के सहायक के रूप में काम करने वाले उन्नीकृष्णन पोट्टी को 1998 में पता था कि द्वारपालक की मूर्तियों की तांबे की प्लेटें सोने से मढ़ी हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पोट्टी ने इस जानकारी का इस्तेमाल धोखाधड़ी और आर्थिक लाभ कमाने के इरादे से किया, जिससे त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) को नुकसान हुआ।

# ट्रंप एक बार फिर यूक्रेन ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

ट्रंप अब यूक्रेन में शांति स्थापित करने के अपने प्रयासों को लेकर और अधिक आत्मविश्वास महसूस कर रहे हैं।

हालांकि शुरू में ट्रंप भी यूक्रेन युद्ध के समाधान को लेकर सख्त बयानबाजी कर रहे थे, लेकिन अलास्का शिखर सम्मेलन की असफलता के बाद उनका रवैया काफी बदल गया, जब यह स्पष्ट हुआ कि पुतिन युद्ध खत्म करने के प्रति गंभीर नहीं हैं। ट्रंप ने तब रूस पर और प्रतिबंध लगाने की बात कही थी।

लेकिन जैसे-जैसे पुतिन ने यूक्रेन के नागरिक इलाकों पर हमले बढ़ाए, अमेरिका की नीति रक्षात्मक से आक्रामक हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यहां तक कहा कि रूस के अंदर गहराई तक हमले करने के लिए ज़ैलैंस्की को उनके अपने "सपनों के हथियार" दिए जा सकते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से यूक्रेन को "टोमहॉक" मिसाइलें देने की बात कही थी, ताकि वे रूस के ठिकानों पर हमला कर सकें। इससे एक गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई और रूस ने इस धमकी को बहुत गंभीरता से लिया। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा था कि टोमहॉक मिसाइलें सौंपना अमेरिका के साथ सीधा टकराव होगा।

अमेरिका का दृष्टिकोण भी अब काफी बदल गया है। अलास्का सम्मेलन के समय अमेरिका ने यूक्रेन को रूस के तेल और ऊर्जा ढांचे पर हमला न करने की सलाह दी थी, लेकिन जब पुतिन ने पीछे हटने के कोई संकेत नहीं दिए, तो अमेरिका ने यूक्रेन को इन ढांचों पर हमले की अनुमति दे दी।

अगर यूक्रेन को टोमहॉक मिसाइलें मिल जाती हैं, तो वह रूस को भारी नुकसान पहुँचा सकता है, जिससे पहले से कमजोर रूसी अर्थव्यवस्था और बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। यही वजह है कि रूस टोमहॉक मिसाइलों के यूक्रेन पहुँचने को लेकर बेहद चिंतित है। गाज़ा की तरह ही, अमेरिका अब भी ऐसी रणनीति अपना रहा है, जिसमें रूस पर भारी दबाव डाला जाए, ताकि वह बातचीत की मेज़ पर आए, लेकिन अमेरिका सीधे तौर पर युद्ध में शामिल न हो।

# 'क्या सरकारी दबाव में जस्टिस श्रीधरन का बार-बार तबादला हो रहा है'

## वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम की स्वतंत्रता पर प्रश्नचिन्ह लगाया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। उच्च न्यायालय के अत्यंत सम्मानित न्यायाधीश जस्टिस अतुल श्रीधरन के लगातार तबादलों ने देश की न्यायपालिका की स्वतंत्रता और केन्द्र सरकार की न्यायपालिका को अपने अनुकूल झुकाने की कोशिश पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हाल के महीनों में जस्टिस श्रीधरन के एक के बाद एक तबादलों ने सत्ता में बैठे लोगों और सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम, जो अकेला तबादले का अधिकार रखता है, दोनों से जवाबदेही की मांग खड़ी कर दी हैं।

स्वतंत्र और निष्पक्ष विचारों के लिए जाने जाने वाले जस्टिस श्रीधरन को पिछले सात महीनों में तीन बार एक हाई कोर्ट से दूसरे में स्थानांतरित किया गया है। हालांकि इनमें से केवल एक तबादला ही अब तक हुआ है, जबकि दूसरा जल्द ही लागू होने वाला है।

मार्च में उन्हें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट से वापस उनके मूल मध्य प्रदेश हाई कोर्ट भेजा गया था (तकनीकी रूप से अपने मूल न्यायालय में वापसी को "तबादला" नहीं माना जाता)।

तबादलों का निर्णय सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम लेता है, जो भारत के मुख्य न्यायाधीश और चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों का एक शक्तिशाली परंतु अपारदर्शी निकाय है। कोलीजियम उच्च न्यायपालिका में नियुक्तियों और तबादलों की सिफारिश करता है। सरकार उसके किसी निर्णय पर "पुनर्विचार" का अनुरोध कर सकती है, पर अंतिम निर्णय कोलीजियम का ही होता है। अगस्त में, जस्टिस श्रीधरन को फिर से मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट भेजने की सिफारिश हुई। लेकिन इसके लागू होने से पहले ही सरकार ने आदेश रोक दिया।

फिर 15 अक्टूबर को एक नया मोड़ आया, सुप्रीम कोर्ट ने घोषणा की कि श्रीधरन अब छत्तीसगढ़ नहीं, बल्कि इलाहाबाद हाई कोर्ट जाएंगे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकार ने कोलेजियम से पुनर्विचार का अनुरोध किया था। आधिकारिक नोट में कहा गया:

सरकार के अनुरोध पर पुनर्विचार करते हुए, सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने निर्णय लिया है कि "माननीय न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन, न्यायाधीश, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के स्थान पर, इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने की सिफारिश की जाती है।"

बार के वरिष्ठ सदस्यों ने फैसले की कड़ी आलोचना क्योंकि वे श्रीधरन के साथ हुए व्यवहार से गहराई से व्यथित थे, उन्होंने कहा, "न्यायपालिका और उसके सभी स्तरों पर न्यायाधीशों की रक्षा करने के बजाय, मुख्य न्यायाधीश और कोलीजियम के सदस्यों ने कार्यपालिका को हावी होने दिया है।"

यह बदलाव सिर्फ स्थान का नहीं, प्रभाव का भी मसला है। इलाहाबाद हाई कोर्ट में श्रीधरन सीनियरिटी में सातवें स्थान पर रहेंगे, जबकि छत्तीसगढ़ में वे तीसरे नंबर पर होते, जिससे उन्हें हाई कोर्ट कोलीजियम में जगह मिलती और न्यायिक नियुक्तियों में प्रभाव डालने का अवसर प्राप्त होता।

■ **जस्टिस अतुल श्रीधरन, जो अपनी निष्पक्षता व निर्भीकता के लिए जाने जाते हैं, का गत 7 माह में तीन बार तबादला हो चुका है और हमेशा जैसे ही वे किसी हाई कोर्ट की वरिष्ठता सूची में ऊपर आते हैं, उनका तबादला ऐसे राज्य में कर दिया जाता है, जहाँ वरिष्ठता सूची में उनका नाम काफी नीचे होता हैं।**

■ **वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने कहा, सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने सरकार के आग्रह पर श्रीधरन का तबादला करके सरकार को "अपरहैंड" दे दिया है।**

श्रीधरन की स्वतंत्रता और निष्पक्षता की प्रतिष्ठा पुरानी है। उन्होंने पहले मध्य प्रदेश से स्थानांतरण का स्वयं अनुरोध किया था, क्योंकि उनकी बेटी वहीं वकालत करने लगी थीं, जिससे उनके न्यायिक आचरण की मर्यादा और सिद्धांतप्रियता झलकती है।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अपने कार्यकाल के दौरान वे यूएपीए और निवारक हिरासत के मामलों में सख्त, लेकिन निष्पक्ष दृष्टिकोण के लिए जाने गए।

13 मार्च को उनका तबादला ठीक उस समय किया गया, जब जम्मू-कश्मीर के मुख्य न्यायाधीश ताशी रब्स्तान 9 अप्रैल को सेवानिवृत्त होने वाले थे, क्योंकि उस समय श्रीधरन जम्मू-कश्मीर के दूसरे वरिष्ठतम न्यायाधीश थे।

मध्य प्रदेश लौटने के बाद भी उन्होंने जवाबदेही पर जोर दिया और शक्तिशाली व्यक्तियों के खिलाफ भी निर्णय लेने से नहीं हिचकिचाए। विशेष रूप से ध्यान खींचने वाला मामला था, राज्य के जनजातीय कल्याण मंत्री विजय शाह के खिलाफ, जिन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी, एक सम्मानित सैन्य अधिकारी, पर अपमानजनक टिप्पणी की थी।

श्रीधरन और एक अन्य न्यायाधीश ने पुलिस को विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। आदेश देते समय उन्होंने कहा:

"उनकी टिप्पणियाँ खतरनाक हैं, क्योंकि अब ये देश की सशस्त्र सेनाओं तक पहुँचने लगी हैं।"

बाद में विजय शाह ने अपने बयान को "भाषाई गलती" बताया और सुप्रीम कोर्ट चले गए। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाते हुए इसे शर्मनाक भाषा बताया और हाई कोर्ट को मामला बंद करने का निर्देश दिया।

मध्य प्रदेश में वापसी के बाद, श्रीधरन सीनियरिटी में चौथे स्थान पर थे, जिससे वे हाई कोर्ट कोलीजियम के सदस्य बनने की स्थिति में आ गए थे। लेकिन कुछ महीनों में ही बदलाव हुआ। मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत सेवानिवृत्त हुए, अलोक अराधे सुप्रीम कोर्ट में चले गए और शील नागू पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बन गए।

इन परिवर्तनों के कारण श्रीधरन फिर से कोलीजियम में प्रभावशाली स्थिति में पहुँच सकते थे, परंतु इस ताज़ा तबादले ने उनके उभार को रोक दिया और उनके प्रभाव को सीमित कर दिया।

जस्टिस श्रीधरन अकेले नहीं हैं, जिनका करियर सरकार से असहमति के बाद ठहर गया।

जस्टिस अकील कुरैशी, जो देश के वरिष्ठतम न्यायाधीशों में से एक थे, को त्रिपुरा हाई कोर्ट भेजा गया, क्योंकि सरकार ने उन्हें मध्य प्रदेश का मुख्य न्यायाधीश बनने से रोक दिया था। उन्होंने बाद में राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अल्प कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्ति ली।

इसी तरह, जस्टिस एस. मुरलीधर, जब ओडिशा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे, तब उन्हें मद्रास भेजने का आदेश हुआ था, लेकिन सरकार ने महीनों तक आदेश को रोके रखा, अंततः कोलीजियम ने ही उसे वापस ले लिया।

न्यायाधीश बनने से पहले, श्रीधरन एक प्रतिष्ठित वकील थे, उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल सुब्रमण्यम के जूनियर के रूप में करियर की शुरुआत की और बाद में मध्य प्रदेश में अपनी प्रैक्टिस शुरू की, जहाँ उनके माता-पिता रहते थे। वर्षों में उन्होंने खुद को ईमानदार, अनुशासित और निर्भीक न्यायाधीश के रूप में स्थापित किया।

उनके बार-बार तबादलों के दूरगामी परिणामों ने कानूनी समुदाय को चिंतित कर दिया है। वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने चेतावनी दी, कोलीजियम ने अपनी और पूरी न्यायपालिका की स्वतंत्रता से समझौता कर लिया है और उन्होंने गहरी चिंता जताते हुए कहा कि यह स्थिति स्वतंत्र न्यायपालिका के अंत की शुरुआत साबित हो सकती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

Hero

125M
CELEBRATING 125 MILLION CUSTOMERS

भरोसा
सोने सा खरा
Splendor+

FILL IT. SHUT IT. FORGET IT.

GST बेनिफिट्स ₹6 289

नई एक्स-शोरूम कीमत ₹74 202*

इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000^ तक

कम डाउन पेमेंट ₹1999^

आप भी शुरू करें
अपनी ख़ुशियों का सफ़र

5 crore+ HAPPY SPLENDOR CUSTOMERS

Splendor+ WORLD'S NO.1 MOTORCYCLE

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY
*Conditions apply

Hero GoodLife

जीतने का मौका
100% कैशबैक | सोने का सिक्का
और भी बहुत सुनिश्चित बेनिफिट्स#

Additional Offers on
Flipkart
amazon.in

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - IL. New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. 5 crore customers as per the cumulative dispatch numbers of the Splendor family series of motorcycles till March 2025. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs.Hero MotoCorp reserves the rights to modify or withdraw any or all the offers without prior notice. #Limited period offer, T&C apply. *Ex-showroom prices are applicable in Rajasthan.

TOLL FREE
1800 266 0018

SCAN TO KNOW MORE

अधिकृत डीलर: जयपुर: सूर्या हीरो, सीकर रोड़, लेन नं. 8, वीकेआईए, 9289922901, सुप्रीम हीरो, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, 9289922197, आकड़ हीरो, अजमेर रोड, 9289922192, शुभम हीरो, सहकार मार्ग, 9289922207, कोटपूतली: चौधरी हीरो, 9289922797, एसोशिएट डीलरः मानसरोवर: आर.एल. मोटर्स, 9579258884, जगतपुरा: टीनिटी मोटर्स, 8003088062, करबला (जयपुर): सुपर मोटर्स, 8824088678, सिरसी रोड़ मीनावाला: रजत स्पीड जोन, 9261499995, बगरू: लाम्बा मोटर्स, 97728 81888, भांकरोटा: हरितवाल ऑटोमोबाइल्स, 9314013185, चाकसू: नाकोडा ऑटोमोबाइल, 9950560918, बस्सी: वरधानी ऑटोमोबाइल्स, 9414312552, सर्राफ ऑटोमोबाइल्स, 9414751333, दूदू: श्री गणेश ऑटोमोबाइल्स, 9352727667, शाहपुरा: सत्यम मोटर्स, 8104361919, हरमाड़ा: बी.एल. ऑटोमोबाईल्स, 9314050594, फुलेरा: अग्रवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414818930, जमवा रामगढ़: उदय ऑटोमोबाइल्स, 9828090676, जोबनेर: केशव ऑटोमोबाईल्स, 8769505565, पावटा: पंकज मोटर्स, 96104 26700, कानोता: के.पी. ऑटोमोबाइल्स, 9414228404, मनोहरपुर: श्री कृष्णा मोटर्स, 8560000816, 9414643816, अचरोल: हैप्पी ऑटोमोबाइल, 9829321200, 7073888288 आंतेला: सैनी ऑटोमोबाइल्स, 7790999997, जयपुर: हार्दिक मोटर, 9828085118, रेनवाल मांजी: सालासर मोटर्स, 9001094391, मेढ़: किरण मोटर्स, 9314039090, झोटवाड़ा: प्राइम मोटर्स, 9358048181, वाटिका: बालाजी मोटर्स, 8875558222, 9549997999, तुंगा: जय बालाजी मोटर्स, 8094528008, 9549652279, कोटखावादा: श्री राम मोटर्स, 9414866716, विराटनगर: बागड़ा मोटर्स, 9928776482, वैशाली नगर: सिद्धिक मोटर्स, 9610444469, कुकस: आदित्य मोटर्स, 9829494009, दौलतपुरा: त्रिवेणी मोटर्स 6377644292, प्रताप नगर: आनंद मोटर्स 9773343232.

RS/Hero/10/25